@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

गुरुवार, 22 जनवरी 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 79 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

केंद्रीय कैबिनेट का बड़ा फैसला

अटल पेंशन योजना 2030-31 तक बढ़ी

● सिडबी को 5,000 करोड़ रुपए की इक्विटी मदद

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में सामाजिक सुरक्षा और एमएसएमई सेक्टर को लेकर दो अहम फैसले लिए गए हैं। कैबिनेट ने एक तरफ अटल पेंशन योजना (एपीवाई) को वित्त वर्ष 2030-31 तक जारी रखने की मंजूरी दी है, वहीं दूसरी ओर सिडबी यानी स्मॉल इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट बैंक ऑफ इंडिया (एसआईडीबीआई) को 5,000 करोड़ रुपए की इक्विटी सहायता देने का भी फैसला किया है। इन दोनों कदमों का मकसद देश के कमजोर वर्गों को सामाजिक सुरक्षा देना और छोटे उद्योगों तक सस्ता लोन पहुंचाना है। कैबिनेट ने अटल पेंशन योजना को 2030-31 तक जारी रखने के साथ-साथ इसके प्रचार, जागरूकता और विकास से जुड़ी गतिविधियों के लिए फंडिंग सपोर्ट बढ़ाने को भी मंजूरी दी है। इसके अलावा योजना को लंबे समय तक टिकाऊ बनाए रखने के लिए जरूरी गैप फंडिंग जारी रखने का भी निर्णय लिया गया है। इससे असंगठित क्षेत्र के मजदूरों और कम आय वाले लोगों तक योजना की पहुंच और बढ़ेगी। अटल पेंशन योजना की शुरुआत 9 मई 2015 को असंगठित क्षेत्र के कामगारों को बुढ़ापे में

आर्थिक सुरक्षा देने के उद्देश्य से की गई थी। इस योजना के तहत 60 साल की उम्र के बाद हर महीने 1,000 से 5,000 रुपए तक की गारंटीड पेंशन मिलती है, जो व्यक्ति के योगदान पर निर्भर करती है। 19 जनवरी 2026 तक इस योजना से 8.66 करोड़ से ज्यादा लोग जुड़ चुके हैं, जिससे यह देश की सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था की एक मजबूत कड़ी बन चुकी है।

सरकार का मानना है कि योजना को आगे बढ़ाने से भारत को एक पेंशन आधारित समाज बनाने में मदद मिलेगी और 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को भी मजबूती मिलेगी। इसके अलावा, कैबिनेट ने एमएसएमई सेक्टर को राहत देने के लिए सिडबी को 5,000 करोड़ रुपए की इक्विटी सहायता देने को भी मंजूरी दी है। यह राशि वित्तीय सेवा विभाग के जरिए तीन चरणों में दी जाएगी- वित्त वर्ष 2025-26 में 3,000 करोड़ रुपए, जबकि 2026-27 और 2027-28 में 1,000-1,000 करोड़ रुपए। इस पूंजी से सिडबी अपनी वित्तीय स्थिति मजबूत कर सकेगा और एमएसएमई को ज्यादा मात्रा में सस्ता कर्ज उपलब्ध करा पाएगा।

भारतीय वायुसेना का प्रशिक्षण विमान तालाब में गिरा, दोनों पायलट सुरक्षित

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में भारतीय वायुसेना का एक प्रशिक्षण माइक्रोलाइट विमान उड़ान के दौरान अचानक नियंत्रण खो बैठा और शहर के बीचोंबीच, केपी कॉलेज के पीछे बने तालाब में जा गिरा। विमान गिरते ही जोरदार धमाके जैसी आवाज हुई, जिससे आसपास के लोग दहशत में आ गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और प्रशासन को सूचना दी। जानकारी के मुताबिक, विमान ने शुरुआत में सामान्य तरीके से उड़ान भरी थी, लेकिन कुछ ही क्षणों में इसका नियंत्रण बिगड़ गया और यह तेजी से नीचे आते हुए केपी कॉलेज के पीछे बने तालाब में गिर गया। घटना के समय विमान में दो पायलट सवार थे। वहीं, जोरदार धमाके जैसी आवाज के कारण मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ लग गई।

सिर्फ सैन्य शक्ति होना पर्याप्त नहीं, उसे प्रयोग करने की इच्छाशक्ति भी आवश्यक : वायुसेना प्रमुख

● वायुसेना प्रमुख एपी सिंह ने बुधवार को नई दिल्ली में आयोजित 22वें सुब्रतो मुखर्जी सेमिनार को संबोधित किया।

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वही देश सुरक्षित रहता है जिसके पास मजबूत और सक्षम सैन्य शक्ति होती है। भारतीय वायुसेना के प्रमुख के अनुसार आर्थिक, कूटनीतिक या तकनीकी शक्ति कितनी भी मजबूत क्यों न हो, यदि उसके पीछे सशक्त सैन्य बल नहीं है, तो कोई भी राष्ट्र दूसरे देशों के दबाव में आ सकता है। उन्होंने कहा कि वेनेजुएला और इराक इसके ताजा उदाहरण हैं। वायुसेना प्रमुख एपी सिंह ने बुधवार को नई दिल्ली में आयोजित 22वें सुब्रतो मुखर्जी सेमिनार को संबोधित किया। वायुसेना प्रमुख ने कहा कि सैन्य शक्ति राष्ट्रीय शक्ति का अंतिम निर्णायक तत्व होती है। इसके बिना कोई भी देश सुरक्षित नहीं रह सकता। सेमिनार को संबोधित करते हुए

वायुसेना प्रमुख ने कहा कि वेनेजुएला और इराक इसके उदाहरण हैं, जहां कमजोर सैन्य स्थिति के कारण बाहरी हस्तक्षेप और दबाव देखने को मिला। उन्होंने कहा कि अंततः वही देश सुरक्षित रहता है जिसके पास मजबूत और सक्षम सैन्य शक्ति होती है। एयर चीफ मार्शल सिंह ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि सिर्फ सैन्य शक्ति होना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे प्रयोग करने की इच्छाशक्ति भी उतनी ही आवश्यक है। यदि कोई देश केवल संयम दिखाता है, लेकिन उसकी शक्ति स्पष्ट नहीं है, तो उस संयम को कमजोरी के रूप में देखा जाता है। वहीं, जब कोई देश मजबूत होकर संयम दिखाता है, तभी वह संयम क्षमता और आत्मविश्वास के रूप में स्वीकार किया जाता है।

वायुसेना प्रमुख ने कहा कि हाल के वर्षों में जिस सैन्य शक्ति ने अपेक्षित परिणाम दिए हैं, वह हवाई शक्ति है। चाहे संघर्ष वाले क्षेत्रों से भारतीय नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकालने का अभियान हो, आतंकवादी ढांचों और उनके संरक्षकों पर सटीक प्रहार करना हो, या फिर कुछ ही घंटों में पाकिस्तान के बेस व दुश्मन के ठिकानों पर कार्रवाई कर स्पष्ट संदेश देना हो, इन सभी मामलों में हवाई शक्ति ने निर्णायक भूमिका निभाई है।

विधायिका ही न्याय, समता और संप्रभुता का आधार: सीएम योगी

● वास्तव में न्याय कैसे प्राप्त होगा, यह विधायिका के माध्यम से ही तय होता है।

एजेंसी

लखनऊ । लोकतंत्र की आत्मा विधायिका में निहित है और यहीं से न्याय, समता व संप्रभुता का मार्ग तय होता है। 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के समापन सत्र में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह बात कहते हुए सम्मेलन को लोकतांत्रिक संस्थाओं को नई दिशा देने वाला बताया। तीन दिन तक चले इस सम्मेलन में देशभर से आए पीठासीन अधिकारियों के अनुभव, संवाद और मंथन के बाद 'विकसित भारत-2047' के लक्ष्य को लेकर छह महत्वपूर्ण संकल्प पारित किए गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के माध्यम से पिछले तीन दिनों में देशभर से आए पीठासीन अधिकारियों, विधायी कार्यों से जुड़े अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और

राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस आयोजन ने लोकतांत्रिक संस्थाओं को नई ऊंचाई देने का कार्य किया है। वास्तव में न्याय कैसे प्राप्त होगा, यह विधायिका के माध्यम से ही तय होता है। सरकार की योजनाएं कैसे क्षमता-आधारित समाज के निर्माण में योगदान दें, इसका मंच भी विधायिका ही है। संप्रभुता का सशक्त उदाहरण विधायिका प्रस्तुत करती है, जहां सहमति और असहमति के बीच सार्थक संवाद देखने को मिलता है। यह भारत का सौभाग्य है कि यहां लोकतंत्र की सर्वोच्च व्यवस्था लागू है। इस आयोजन से प्रत्यक्ष रूप से जुड़े लोग अपने अनुभव साझा कर रहे हैं, वहीं मीडिया के माध्यम से उत्तर प्रदेश सहित देश के नागरिकों को भी इन गतिविधियों को जानने-सुनने का अवसर मिला है। उन्होंने सभी पीठासीन अधिकारियों, लोकसभा अध्यक्ष, राज्यसभा उपसभापति और आयोजन को सफल बनाने वाले अधिकारियों का उत्तर प्रदेश की ओर से हार्दिक अभिनंदन किया।

अरावली मामला: सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में बनेगी कमेटी

● अरावली मामला: सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में बनेगी कमेटी

एजेंसी

नई दिल्ली । अरावली पर्वतमाला के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अगले आदेश तक यथास्थिति को बनाए रखने का आदेश दिया है। कोर्ट ने इस मामले में राज्य सरकार को अरावली में किसी भी अवैध खनन गतिविधि पर रोक सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया है। बुधवार को मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन जजों की पीठ ने मामले की सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में एक कमेटी बनाने के निर्देश दिए हैं। सीजेआई ने कहा कि कोर्ट और कड़ी निगरानी पर विचार कर रहा है। उन्होंने कहा, 'हम एक कमेटी बनाएंगे, जिसमें अपने-अपने क्षेत्र के एक्सपर्ट होंगे। यह कमेटी अरावली को लेकर रिपोर्ट देगी। कमेटी कोर्ट के निर्देश और गाइडेंस में काम करेगी।'

राजस्थान के किसानों की ओर से पेश वकील राजू रामचंद्रन ने कोर्ट को बताया कि जस्टिस ओका बेंच के 2024 के आदेशों के बावजूद खनन पट्टे दिए जा रहे हैं और पेड़ काटे जा रहे हैं। उन्होंने इस पर रोक की मांग की। इस पर मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने चिंता जताई और कहा कि अवैध खनन को रोकना होगा। यह एक अपराध है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने अधिकारियों से कहा कि आपको अपनी मशीनरी को काम में लाना होगा, क्योंकि अवैध खनन के विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार से कहा कि वह सुनिश्चित करें कि कोई गैरकानूनी खनन न हो। कोर्ट ने सभी पक्षकारों से पर्यावरणविदों, वैज्ञानिकों और माइनिंग एक्सपर्ट्स के नामों को लेकर सुझाव मांगे। सुनवाई के दौरान बेंच ने स्पष्ट किया कि 'जंगलों' और 'अरावली' को परिभाषित करने के सवाल की जांच अलग से की जाएगी। कोर्ट ने कहा कि दोनों मुद्दे अलग-अलग चिंताएं उठाते हैं और उन पर अलग से विचार करने की जरूरत होगी। जब एमिकस अपना नोट जमा कर देंगे, तब इस मामले पर सुनवाई होगी।

जनभागीदारी से और भव्य होगा उत्तर प्रदेश दिवस-2026: मुख्यमंत्री योगी

कौमी पत्रिका

लखनऊ, 21 जनवरी– प्रदेश के प्रत्येक जनपद की सक्रिय सहभागिता, सांस्कृतिक विविधता और विकास की साझा चेतना के साथ उत्तर प्रदेश दिवस-2026 इस वर्ष एक भव्य जनोत्सव के रूप में मनाया जाएगा। 24 से 26 जनवरी 2026 तक आयोजित होने वाले इस आयोजन में उत्तर प्रदेश की संस्कृति, शिल्प, व्यंजन और विकास यात्रा को जनभागीदारी के माध्यम से एक ही मंच पर प्रस्तुत किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को उत्तर प्रदेश दिवस की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि यह आयोजन केवल औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रदेश की पहचान, उपलब्धियों और संभावनाओं को जनसहयोग के साथ प्रदर्शित करने का अवसर है। उन्होंने निर्देश दिए कि उत्तर प्रदेश दिवस को जनोत्सव के रूप में आयोजित किया जाए, जिसमें प्रदेश की आत्मा हर स्तर पर दिखाई दे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष उत्तर प्रदेश दिवस के मुख्य अतिथि के रूप में भारत सरकार के माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह जी की गरिमामयी उपस्थिति आयोजन को राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान प्रदान करेगी। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी व्यवस्थाएं गरिमा, अनुशासन एवं समयबद्धता के साथ सुनिश्चित की जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजधानी लखनऊ स्थित राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर मुख्य समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसका सीधा प्रसारण प्रदेश के सभी जनपदों में किया जाएगा, ताकि उत्तर प्रदेश दिवस का उत्सव एक साथ पूरे प्रदेश में मनाया जा सके। बैठक में अवगत कराया गया कि उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश' की थीम पर आधारित विशेष प्रदर्शनी और शिल्प मेला आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रदेश की विकास यात्रा, नवाचार, बुनियादी ढांचे, उद्योग, कृषि, महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की उपलब्धियों को प्रदर्शित किया जाएगा। इस वर्ष 'एक जनपद-एक व्यंजन' को आयोजन का प्रमुख आकर्षण होगा। इसके अंतर्गत प्रदेश के प्रत्येक जनपद के पारंपरिक और विशिष्ट व्यंजन एक ही परिसर में उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि आगंतुक उत्तर प्रदेश के विविध स्वाद, खान-पान परंपराओं और स्थानीय पहचान से परिचित हो सकें। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि संस्कृति उत्सव 2025-26 के अंतर्गत प्रस्तावित सांस्कृतिक कार्यक्रमों को उत्तर प्रदेश दिवस से प्रभावी रूप से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि 'हमारी संस्कृति-हमारी पहचान' की भावना के अनुरूप लोक, शास्त्रीय एवं समकालीन कला रूपों को मंच प्रदान किया जाए तथा कलाकारों एवं आगंतुकों के लिए समुचित सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि 24 जनवरी को आयोजित मुख्य समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले सभी जनपदों के गणमान्य नागरिकों को आमंत्रित किया जाए, ताकि प्रदेश की सामूहिक उपलब्धियों का सम्मान किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश दिवस-2026 को ऐसा आयोजन बनाया जाए, जो प्रदेश की संस्कृति, स्वाद, शिल्प और विकास दृष्टि को एक साथ प्रस्तुत करे तथा प्रत्येक आगंतुक के लिए यह अनुभव प्रेरणादायी, स्मरणीय और गर्व का विषय बने।

सुप्रीम कोर्ट ने सीएक्यूएम की रिपोर्ट पर लिया संज्ञान

● , दीर्घकालिक उपायों को लागू कर चार सप्ताह में मांगा जवाब

एजेंसी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की ओर से प्रस्तुत व्यापक रिपोर्ट का संज्ञान लिया, जिसमें दिल्ली-एनसीआर के लगातार बढ़ते वायु प्रदूषण संकट से निपटने के लिए दीर्घकालिक उपायों की रूपरेखा दी गई थी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और विपुल पंचोली की पीठ ने सीएक्यूएम की ओर से दायर एक व्यापक रिपोर्ट पर दलीलें सुनीं, जिसमें राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में लगातार वायु प्रदूषण से निपटने के लिए संरचनात्मक और क्षेत्र-विशिष्ट हस्तक्षेपों की रूपरेखा दी गई है। सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि अनुशंसित उपायों को बिना किसी देरी के लागू किया जाना चाहिए और सभी संबंधित हितधारकों को चार सप्ताह के भीतर अपनी-अपनी कार्य योजना प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

सीएक्यूएम की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या

भाटी ने बताया कि इस क्षेत्र में वायु प्रदूषण का मुख्य कारण वाहन क्षेत्र है। आयोग ने अत्यधिक प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को चरणबद्ध तरीके से हटाने, पीयूसी 2.0 व्यवस्था को मजबूत करने, मेट्रो और रेल नेटवर्क का विस्तार करने, अतिरिक्त आरआरटीएस कॉरिडोर विकसित करने, इलेक्ट्रिक वाहन नीतियों में संशोधन करने और पुराने वाहनों को स्क्रैप करने के लिए बेहतर प्रोत्साहन प्रदान करने का प्रस्ताव दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने सभी स्टेकहोल्डर्स से कहा है कि वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के सुझाव पर अपना-अपना एक्शन प्लान तैयार करें और कोर्ट को सब्मिट करें, जिससे आगे इस पर विचार किया जा सके। इसके साथ ही कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया है कि वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग की सिफारिशों पर कोई आपत्ति स्वीकार नहीं की जाएगी। सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने सीएक्यूएम की उन सिफारिशों पर भी ध्यान दिया, जिनका उद्देश्य दिल्ली में वाहनों की भीड़ कम करना था, जिनमें टोल प्लाजा और गुरुग्राम से आगे यातायात प्रबंधन से संबंधित सुझाव शामिल थे।

कल्याण केवल पत्रिका नहीं बल्कि आध्यात्मिक पथप्रदर्शक: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

● ऋषिकेश के गीता भवन में केंद्रीय मंत्री ने कल्याण पत्रिका के सौंवे अंक का किया विमोचन

एजेंसी

ऋषिकेश। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि गीता प्रेस लाभ कमाने के लिए नहीं, बल्कि पीढ़ियों के निर्माण के लिए कार्य करता है। गीता केवल एक पत्रिका नहीं है बल्कि आध्यात्मिक पथप्रदर्शक है। गीता प्रेस सनातन चेतना का प्रमुख आधार है। इसने आत्मिक उन्नति के मार्ग पर आगे बढ़ने की दिशा दी।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह बुधवार को ऋषिकेश के स्वर्गाश्रम स्थित गीता भवन में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने गीता प्रेस की ओर से प्रकाशित पत्रिका कल्याण के सौवें अंक का विमोचन भी किया। इस मौके पर अमित शाह ने कहा कि भारत का हर वह व्यक्ति जिसकी आस्था सनातन धर्म में है तथा विश्व का हर वह नागरिक जो भारतीय संस्कृति में वैश्विक समस्याओं के समाधान खोजता है

और इस भूमि से प्रेम करता है, वह गीता प्रेस से अनजान नहीं हो सकता। अमित शाह ने कहा कि गीता प्रेस के संस्थापक जयदयाल गोयंदका और हनुमान प्रसाद पोद्दार (भाईजी) ने लगभग 103 वर्षों से सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार का कार्य किया है। गीता प्रेस ने करोड़ों लोगों को भक्ति के माध्यम से अध्यात्म की ओर प्रेरित किया और उन्हें आत्मिक उन्नति के मार्ग पर आगे बढ़ने की दिशा दी। उन्होंने कहा कि गीता प्रेस ने भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा के प्रति प्रत्येक व्यक्ति, घर और परिवार के हृदय में श्रद्धा स्थापित करने का कार्य किया है। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि गीता प्रेस लाभ के लिए नहीं, बल्कि पीढ़ियों के निर्माण के लिए कार्य करता है। यह संस्था आत्मनिर्भर रहते हुए करोड़ों लोगों तक धार्मिक और आध्यात्मिक साहित्य पहुंचा रही है।

उन्होंने गीता प्रेस के सभी ट्रस्टियों को नमन करते हुए कहा कि कल्याण पत्रिका ज्ञान की सनातन ज्योति को प्रत्येक पाठक तक पहुंचाने का माध्यम है। देश में दिखाई दे रही सनातन चेतना के पुनर्जागरण में कल्याण का महत्वपूर्ण योगदान है।

उन्होंने कहा कि कल्याण केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि आध्यात्मिक जगत का पथप्रदर्शक है। अमित शाह ने कहा कि इस पत्रिका ने समाज की सकारात्मक और सज्जन शक्तियों को संगठित करने का कार्य किया है तथा सौ वर्षों में सनातन धर्म को सुदृढ़ करने में अहम भूमिका निभाई है।

भारत और स्पेन को आतंकवाद का मिलकर मुकाबला करना चाहिए: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

● 'भारत और स्पेन के बीच संबंध सदियों पुराने हैं'

एजेंसी

नई दिल्ली। स्पेन के विदेश मंत्री जोस मैनुअल अल्बारेस ने बुधवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। इस दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि भारत और स्पेन को आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों से लड़ने के लिए अपने संसाधनों और क्षमताओं को एकजुट करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दोनों देश इस खतरे का मुकाबला करने पर एकमत हैं। राष्ट्रपति भवन में अलबारेस का स्वागत करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि भारत और स्पेन के बीच संबंध सदियों पुराने हैं, जो व्यापार, संस्कृति और लोकतंत्र एवं बहुलवाद के साझा मूल्यों से समृद्ध हैं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष हमारे राजनयिक संबंधों की 70वीं वर्षगांठ है जिसे 'संस्कृति, पर्यटन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि भारत और स्पेन के बीच आर्थिक संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं और व्यापार तथा निवेश का विस्तार हो रहा है। उन्होंने कहा कि इंजीनियरिंग, रेलवे, नवीकरणीय ऊर्जा, शहरी सेवाओं और रक्षा-अंतरिक्ष क्षेत्रों में स्पेन की

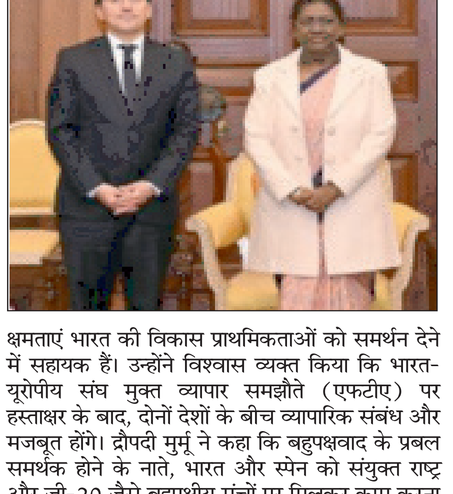

क्षमताएं भारत की विकास प्राथमिकताओं को समर्थन देने में सहायक हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर के बाद, दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध और मजबूत होंगे। द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि बहुपक्षवाद के प्रबल समर्थक होने के नाते, भारत और स्पेन को संयुक्त राष्ट्र और जी-20 जैसे बहुपक्षीय मंचों पर मिलकर काम करना चाहिए ताकि विश्व भर में शांति, समृद्धि और स्थिरता के हमारे साझा लक्ष्यों को आगे बढ़ाया जा सके।

पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाना अन्यायपूर्ण है: सचिन पायलट

जयपुर। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने बुधवार को कहा कि पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाना अन्यायपूर्ण और अस्वीकार्य है। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रत्येक नागरिक के मतदान अधिकार की रक्षा करना भारत निर्वाचन आयोग का संवैधानिक दायित्व है। सचिन पायलट अपने निर्वाचन क्षेत्र टोंक में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान निगरानी के लिए तैनात कांग्रेस पार्टी के बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) की बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान पायलट ने कहा कि निर्वाचन आयोग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि किसी भी परिस्थिति में किसी भी पात्र नागरिक को मतदान के अधिकार से वंचित न किया जाए। उन्होंने कहा कि मतदान का अधिकार हमारी सबसे बड़ी लोकतांत्रिक धरोहर है।

डिप्टी सीएम के दौरे से पहले पुलिस की गाड़ी लेकर भागा शराबी

बागपत (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बागपत में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के प्रस्तावित दौरे से ठीक एक रात पहले पुलिस प्रशासन के हाथ-पांव उस वक्त फूल गए, जब सुरक्षा में लगी एक सरकारी गाड़ी चोरी हो गई। हैरान करने वाली बात यह है कि जिस पुलिस पर जिले की सुरक्षा का जिम्मा था, एक शराबी युवक उनकी आंखों के सामने से ही सरकारी टाटा सूमो लेकर फरार हो गया। इस घटना ने पुलिस की मुस्तैदी पर गंभीर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। जानकारी के मुताबिक, नेशनल हाईवे-709बी के वंदना चौक पर ट्रैफिक पुलिस की गाड़ी खड़ी थी। तभी एक नशे में धुत युवक वहां पहुंचा और मौका पाकर ड्राइवर की सीट पर बैठ गया। पुलिसकर्मी कुछ समझ पाते, इससे पहले ही वह गाड़ी स्टार्ट कर रफूचक्कर हो गया। अपने सामने ही सरकारी गाड़ी को चोरी होते देख पुलिसकर्मियों में हड़कंप मच गया और तुरंत हाईवे पर फिल्मी अंदाज में पीछा शुरू हुआ। शराबी युवक गाड़ी को मेरठ-बागपत हाईवे की तरफ तेज रफ्तार में दौड़ाता रहा। पुलिस की टीम लगातार उसका पीछा कर रही थी, लेकिन कुछ दूरी पर जाकर युवक ने गाड़ी पर से नियंत्रण खो दिया। अनियंत्रित टाटा सूमो सड़क किनारे एक दुकान में जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दुकान का अगला हिस्सा और सरकारी गाड़ी दोनों क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे के बाद युवक घायल होकर बेहोश हो गया, जिसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में लिया और राहत की सांस ली। डिप्टी सीएम के संवेदनशील दौरे से पहले हुई इस चूक ने विभाग के भीतर खलबली मचा दी है।

पान मसाला विज्ञापन को लेकर सलमान कोर्ट में नहीं हुए पेश, अगली सुनवाई 5 को

मुंबई (एजेंसी)। बालीवुड के भाईजान और सुपरस्टार सलमान खान के खिलाफ पान मसाला का विज्ञापन को लेकर शिकायत दर्ज हुई थी, जिसमें आरोप लगाए थे और कहा था सलमान खान और पान मसाला कंपनी जनता को गुमराह कर रही है, क्योंकि 5 रुपए के पाउच में असली केसर का इस्तेमाल मुमकिन नहीं है।

वहीं, इस मामले में मंगलवार को कोटा कंज्यूमर कोर्ट में सुनवाई हुई, लेकिन सलमान खान अदालत में पेश नहीं हुए। अब अगली सुनवाई 5 फरवरी को तय की है और शिकायतकर्ता ने एक्टर के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किए जाने की गुहार लगाई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ये मामला बीजेपी नेता इंद्र मोहन सिंह हनी द्वारा दायर किया गया है। वकील रिपु दमन सिंह ने बताया कि कोर्ट ने 26 दिसंबर को आदेश दिया था कि सलमान खान 20 जनवरी को व्यक्तिगत रूप से पेश हों, लेकिन वे नहीं आए। परिवादी पक्ष ने कोर्ट को बताया कि इसी तरह के एक मामले में 15 जनवरी को जयपुर उपभोक्ता आयोग ने भी सलमान खान के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया है। बता दें अब न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई 5 फरवरी तय की है। साथ ही पहले फोरेंसिक जांच के लिए भेजे गए हस्ताक्षरों की रसीद भी अगली तारीख पर पेश करने के निर्देश दिए हैं।

सोशल मीडिया पर वजन घटाने का उपाय... 24 घंटे में चली गई 19 साल की लड़की की जान

मदुरै (एजेंसी)। सोशल मीडिया पर वजन घटाने के उपाय लोगों को आकर्षित करते हैं, लेकिन हाल ही में ऐसा ही एक उपाय एक छात्रा की जान का कारण बन गया। 19 वर्षीय कलैयारसी, जो सेलूर के मीनाम्बलपुरम की रहने वाली थी और नरिमेडु स्थित एक निजी महिला कॉलेज में स्नातक की प्रथम वर्ष की छात्रा थी, ने वजन कम करने के लिए इंटरनेट पर एक यूट्यूब वीडियो में बताए गए तरीके का सहारा लिया। वीडियो में 'वेंकारम' (बोरेक्स) के सेवन से वजन घटाने की सलाह दी गई थी। पुलिस के अनुसार, कलैयारसी ने 16 जनवरी को लोकल दवा की दुकान से यह पदार्थ खरीदा और अगले दिन वीडियो के अनुसार इसका सेवन किया। इसके तुरंत बाद युवती को उल्टी और दस्त शुरू हो गए। उसकी मां ने निजी अस्पताल ले जाया, जहां उपचार के बाद लड़की को घर भेज दिया गया। शाम को लक्षण फिर उभरे और पास के एक अन्य अस्पताल में इलाज के बाद घर लौटने पर तेज पेट दर्द और मल में खून आने की शिकायत हुई। इसके बाद रात करीब 11 बजे उसकी हालत गंभीर हो गई। पड़ोसियों की मदद से सरकारी राजाजी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां पहुंचने पर डॉक्टरों ने युवती को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया और मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने चेतावनी दी है कि सोशल मीडिया और इंटरनेट पर वजन घटाने के लिए साझा किए जाने वाले उपाय अक्सर खतरनाक हो सकते हैं और किसी भी दवा या पदार्थ का सेवन डॉक्टर की सलाह के बिना नहीं करना चाहिए। इस दुखद घटना ने लोगों के लिए एक गंभीर संदेश छोड़ा है कि स्वास्थ्य संबंधी सलाह केवल प्रमाणित स्रोतों से ही ली जानी चाहिए।

जगन्नाथ मंदिर को बम हमले की धमकी, सुरक्षा को बढ़ाया गया

पुरी(एजेंसी)। ओडिशा के पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर को बम हमले की धमकी मिलने के बाद मंदिर परिसर और उसके आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि इस ऑनलाइन पोस्ट के संबंध में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है। पुलिस ने बताया कि फेसबुक संदेश में बीजू जनता दल (बीजद) के राज्यसभा सांसद सुभाशीष खुंटिया और तीर्थ नगरी पुरी के एक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स पर हमले की धमकी भी दी गई थी। अधिकारी के अनुसार, जिस महिला के अकाउंट से पोस्ट की गई थी, उस महिला ने इसमें किसी भी तरह की संलिप्तता से इंकार कर दावा किया है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसके नाम से फर्जी यूजर आईडी बनाकर दहशत फैलाने की कोशिश की होगी। महिला के बयान के आधार पर पुलिस ने एक व्यक्ति को पूछताछ के लिए पकड़ा है।

होली के त्योहार के मौके पर महिलाओं को मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर देगी रेखा सरकार

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली सरकार मार्च में होली के त्योहार के मौके पर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) की महिलाओं को मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर देगी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई बैठक में दिल्ली मंत्रिमंडल ने इस संबंध में एक प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। होली और दीपावली के मौके पर ईडब्ल्यूएस परिवारों की महिलाओं को मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध कराना, साथ ही आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को 500 रुपये प्रति सिलेंडर की रियायती दर पर सिलेंडर उपलब्ध कराना, दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के घोषणापत्र का हिस्सा था।

अंतरिक्ष यात्री विलियम्स ने की कल्पना चावला की मां से मुलाकात तो भर आईं आंखें

-दोनों ने एक-दूसरे के गले लगकर स्वागत किया और पुरानी यादें की ताजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने दिवंगत अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला के परिवार से मुलाकात की। यह मुलाकात दो परिवारों का मिलन नहीं, बल्कि यादों और साझा विरासतों का एक भावुक संगम था। सुनीता दिल्ली में कल्पना चावला की 90 साल की मां, संजोगता खरबंदा और उनकी बहन दीपा से मिलीं। जैसे ही सुनीता ने कल्पना की मां को गले लगाया, कमरे में सन्नाटा छा गया और आंखें नम हो गईं। दोनों ने एक-दूसरे का गले लगकर स्वागत किया जिसने पुरानी यादें ताजा कर दीं। भारत में जन्मीं अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला चालक दल के उन सात सदस्यों में से एक थीं, जिनकी फरवरी 2003 में अंतरिक्ष शटल कोलंबिया के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने के कारण मृत्यु हो गई थी। बता दें दुर्घटना उस वक्त हुई थी जब अंतरिक्ष यान पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश के दौरान टूटकर नष्ट हो गया था। वह अंतरिक्ष में जाने वाली भारतीय मूल की पहली महिला थीं और उनकी मृत्यु पर भारत में गहरा शोक व्यक्त किया गया। सुनीता विलियम्स (60) ने मंगलवार को दिल्ली स्थित 'अमेरिकन सेंटर' में आयोजित 'आंखें सितारों पर, पैर जमीं पर' नामक एक संवाद सत्र में भाग लिया था। करीब एक घंटे के इस कार्यक्रम के खत्म होते ही विलियम्स मंच से नीचे उतरीं और सभागार में पहली पंक्ति में बैठी कल्पना चावला की मां संयोगिता चावला की ओर बढ़ीं तथा उन्हें गर्मजोशी से गले लगाया। विलियम्स इस दौरान अपने चिरपरिचित अंतरिक्ष यात्री के लिबास में थीं।

उन्होंने कल्पना चावला की बहन दीपा से भी मुलाकात की, जो इस कार्यक्रम में अपनी मां के साथ आई थीं। विलियम्स वर्तमान में भारत यात्रा पर हैं। वह 22 जनवरी से शुरू होने वाले केरल साहित्य महोत्सव के नौवें संस्करण में भाग लेने वाली हैं। आयोजकों ने दिसंबर के अंत में इसकी घोषणा की थी।

अमेरिकी नौसेना की पूर्व कप्तान सुनीता विलियम्स का जन्म 19 सितंबर, 1965 को अमेरिका के ओहायो के यूक्लिड में हुआ था। उनके पिता दीपक पंड्या गुजराती थे और मेहसाणा जिले के झुलासन के रहने वाले थे जबकि उनकी मां उर्सुलिन बोनी पंड्या स्लोवेनियाई थीं। अपने संबोधन में सुनीता ने यह भी कहा कि भारत आने पर घर वापसी जैसा महसूस हो रहा है, क्योंकि यह वह देश है जहां उनके पिता का जन्म हुआ था। बाद में चावला की मां ने कार्यक्रम के दौरान कहा कि वह (विलियम्स) परिवार के सदस्य की तरह हैं। कल्पना चावला की मां ने कहा कि कोलंबिया हादसे के बाद ''वह तीन महीने तक हमारे घर आती रहीं। नियमित रूप से सुबह से रात तक रुकती थीं और 'शोक में डूबे हमारे परिवार' को सांत्वना देती थीं। उन्होंने कहा कि मुझे याद है कि विलियम्स और चावला अंतरिक्ष यात्री के तौर पर एक-दूसरे को अपने साझा पेशे में और आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया करती थीं।

अपनी बेटी के जीवन को याद करते हुए कल्पना की मां ने कहा कि वह अपने साथ अनमोल खजाना लेकर आई थीं। उसने हमें बहुत कुछ सिखाया। हम क्या कह सकते हैं? संयोगिता चावला ने कहा कि उन्होंने अपनी बेटी को उसके सपनों को पूरा करने में पूरा समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि कल्पना अक्सर कहा करती थी कि मानवता ही एकमात्र धर्म है और उसने कभी कोई दूसरा नाम नहीं लिया। जब हम उससे पूछते थे, तुम्हारा धर्म क्या है? तो वह कहती थी, 'मेरा धर्म कर्म है'।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में फिर दिखा पाकिस्तानी ड्रोन, 10 दिन में पांचवीं घटना

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास मंगलवार देर रात एक पाकिस्तानी ड्रोन देखे जाने से सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई। ड्रोन दिखते ही भारतीय सेना ने तुरंत अपना एंटी-ड्रोन सिस्टम सक्रिय कर दिया। सेना के सूत्रों के मुताबिक, यह ड्रोन नियमित निगरानी के दौरान पकड़ा गया। जवाबी कार्रवाई के बाद ड्रोन पाकिस्तान की ओर लौट गया। बीते 10 दिनों में सीमा और लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) के पास ड्रोन देखे जाने की यह पांचवीं घटना है। इससे पहले 17 जनवरी को रामगढ़ सेक्टर में, 15 जनवरी को एक बार फिर रामगढ़ में, 13 जनवरी को राजौरी जिले में दो बार और 11 जनवरी को नौशेरा, धरमसाल, रियासी, सांबा और पुंछ के मंकोट सेक्टर में एक साथ पांच ड्रोन देखे गए थे। लगातार सामने आ रही इन घटनाओं को देखते हुए एलओसी और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर निगरानी और चौकसी बढ़ा दी गई है। सेना और खुफिया एजेंसियां ड्रोन गतिविधियों के उद्देश्य का पता लगाने में जुटी हैं। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां हालात पर कड़ी नजर बनाए हुए हैं।

लिव-इन पर कोर्ट ने की अहम टिप्पणी: महिला तभी सुरक्षित, जब पत्नी का दर्जा मिले

चेन्नई (एजेंसी)। मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच ने लिव-इन रिलेशनशिप को लेकर एक महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा, कि ऐसे रिश्तों में रहने वाली महिलाओं को वास्तविक सुरक्षा तभी मिल सकती है, जब उन्हें पत्नी के समान दर्जा दिया जाए। कोर्ट ने माना कि मौजूदा कानूनी ढांचे में लिव-इन रिलेशनशिप में महिलाओं को वैवाहिक सुरक्षा प्राप्त नहीं है, ऐसे में अदालत की जिम्मेदारी बनती है कि वह महिलाओं को संरक्षण प्रदान करे।

यह टिप्पणी जस्टिस एस. श्रीमथी ने एक आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका खारिज करते हुए की। आरोपी पर आरोप था कि वह एक महिला के साथ पहले लिव-इन रिलेशनशिप में रहा और बाद में शादी का झूठा वादा कर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। जब रिश्ते में तनाव बढ़ा तो आरोपी ने शादी से इनकार कर दिया।

कोर्ट ने अपने आदेश में पुरुषों की मानसिकता पर भी सख्त टिप्पणी की। जस्टिस श्रीमथी ने कहा कि कई पुरुष खुद को ''मॉडर्न'' दिखाने के लिए लिव-इन रिलेशनशिप में रहते हैं, लेकिन जब रिश्ता टूटता है तो वही पुरुष महिला के चरित्र पर सवाल उठाने लगते हैं। उन्होंने कहा कि पुरुष ऐसा इसलिए कर पाते हैं क्योंकि कानून में लिव-इन रिलेशनशिप को लेकर स्पष्ट नियमों और सुरक्षा प्रावधानों का अभाव है।

अदालत ने यह भी कहा कि भारत में भले ही लिव-इन रिलेशनशिप को सामाजिक तौर पर पूरी तरह स्वीकार नहीं किया गया हो, लेकिन यह अब एक आम वास्तविकता बन चुकी है। रिश्ते के दौरान पुरुष आधुनिक सोच का दावा करते हैं, लेकिन जब हालात बिगड़ते हैं तो महिलाओं को दोषी ठहराने और सार्वजनिक रूप से शर्मिंदा करने से पीछे नहीं हटते।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इस मामले में आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 69 के तहत मुकदमा चलाया जा सकता है, जो धोखे से शारीरिक संबंध बनाने से जुड़ी है। अग्रिम जमानत याचिका खारिज करते हुए कोर्ट ने संकेत दिया कि ऐसे मामलों में महिलाओं के अधिकारों और सम्मान की रक्षा सर्वोपरि है।

पीठासीन अधिकारी का व्यवहार निष्पक्ष और न्यायसंगत होना चाहिए-लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि सदन का समय बहुत कीमती होता है। ऐसे में जरूरी है कि सदन में संवाद हो। सहमति-असहमति हो पर गतिरोध नहीं होना चाहिए। सदन के अंदर सभी राजनीतिक दलों से इस बात की चर्चा होनी चाहिए कि कभी गतिरोध ना आए। उन्होंने कहा कि पीठासीन अधिकारी के रूप में हमें निष्पक्ष और न्यायसंगत होना चाहिए।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला बुधवार को उप्र की राजधानी लखनऊ के विधान भवन में 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। अपने सम्बोधन में उन्होंने कहा कि राज्य की विधानसभा ही है जिसके द्वारा अंतिम व्यक्ति की आवाज सदन में और सरकार तक पहुंचती है। जैसे न्यायालय के अंदर लोगों का विश्वास रहता है उसी तरह राज्य विधानमंडल में भी अगर सकारात्मक दृष्टिकोण से जनप्रतिनिधि अपनी बात रखेंगे तो इन विधानसभाओं के माध्यम से परिणाम भी आएंगे। यह लोकतंत्र वही व्यवस्था है जिसमें सभा में होने वाली चर्चाओं से ठोस परिणाम निकलते हैं। इन्हीं संवादों और विमर्शों के माध्यम से लोकतांत्रिक संस्थाएं निरंतर सुदृढ़ होती हैं और समाज को आगे बढ़ने का कार्य करती हैं। आज जब हम यह संकल्प लेते हैं तो यह केवल एक विधायी संस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि आने वाले समय में हम अपने-अपने लोकतांत्रिक संस्थानों के माध्यम से ÷विकसित भारत÷ के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए अपने राज्य को विकसित राज्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसके लिए आवश्यक है कि सभी माननीय सदस्य चर्चा, संवाद और विचार-विमर्श में सक्रिय भागीदारी करें।

उन्होंने कहा कि विकास के लिए हमें यह विचार करना होगा कि संवाद और विमर्श के माध्यम से राज्य को किस प्रकार दिशा और आधार दिया जा सकता है, ताकि भारत वैश्विक स्तर पर और अधिक सशक्त बन सके। समाज की भूमिका इसमें मार्गदर्शक की होनी चाहिए और समाज के विभिन्न वर्गों से प्राप्त सुझावों को गंभीरता से सुना और अपनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमने लगातार यह प्रयास किया है कि लोकतांत्रिक सरकारें अधिक जवाबदेह बनें और शासन-प्रशासन से जुड़ी चुनौतियों को विधायी स्तर पर उठाया जाए। कई बार विधायी प्रक्रियाओं और विपक्ष की भूमिका को सशक्त करने के प्रयास किए गए हैं जिनके सकारात्मक परिणाम भी सामने आए हैं। आने वाले समय में हम यह भी सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगे कि राज्य की विधानसभा की न्यूनतम 30 दिन बैठकें हों, जिनमें सहमति और असहमति दोनों के माध्यम से जनहित से जुड़े विषयों पर सार्थक चर्चा हो।

उन्होंने कहा कि विधानसभा वह मंच है जहां आम नागरिक की आवाज लोकतांत्रिक व्यवस्था के माध्यम से स्थापित होती है। मतदाता मतदान करने के बाद यह अपेक्षा करता है कि अगले पांच वर्षों तक उसका चुना हुआ प्रतिनिधि उसकी समस्याओं और चुनौतियों को उठाएगा तथा उनके समाधान के लिए प्रयास करेगा। जिस प्रकार जनता का विश्वास न्यायालयों में है उसी प्रकार राज्य विधानमंडल पर भी जनता का अटूट विश्वास होना चाहिए कि उसकी बात यहां अवश्य सुनी जाएगी। हमने विधानसभा को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए आधुनिक तकनीक और डिजिटल माध्यमों का उपयोग बढ़ाया है। एआई और नवीन तकनीकों के माध्यम से पुरानी बहसों, चर्चाओं और निर्णयों को अधिक सुलभ, पारदर्शी और प्रभावी बनाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि राज्य विधानसभाओं के बीच आपसी संवाद, विधायी सूचकांक,

भागीदारी, जवाबदेही और कार्यकुशलता को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। नए नियम, नई प्रक्रियाएं और प्रभावी संसदीय समितियां लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत बनाती हैं। संविधान के अधीन कार्य करते हुए यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम निष्पक्षता, पारदर्शिता और जनउत्तरदायित्व को सर्वोच्च स्थान दें।

एकनाथ शिंदे को एमएनएस के समर्थन पर बोले संजय राउत- यह राज ठाकरे का फैसला नहीं

मुंबई (एजेंसी)। कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) द्वारा मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना को समर्थन दिए जाने के बाद सियासी घमासान तेज हो गया है। इस मुद्दे पर शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने बड़ा खुलासा करते हुए कहा है कि यह फैसला एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे का नहीं, बल्कि पार्टी के स्थानीय नेताओं का है।

सांसद संजय राउत ने बुधवार 21 जनवरी को मीडिया से बातचीत में दावा किया कि राज ठाकरे इस घटनाक्रम से बेहद नाराज और व्यथित हैं। उन्होंने कहा, राज ठाकरे बहुत व्यथित हैं जिस तरह से स्थानीय नेताओं ने यह फैसला लिया है। उनका साफ कहना है कि इस फैसले में उनकी भूमिका नहीं है और न ही पार्टी की आधिकारिक भूमिका है। संजय राउत के मुताबिक, राज ठाकरे का मानना है कि यदि स्थानीय नेताओं ने पार्टी लाइन के खिलाफ जाकर निर्णय लिया है, तो उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।

संजय राउत ने उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे अंबरनाथ में कांग्रेस के 12 पार्षद बीजेपी के साथ चले गए थे और उन्हें पार्टी से निकाल दिया गया था, उसी तरह पार्टी विरोधी गतिविधियों पर सख्त कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा, हमारी पार्टी में भी जो पार्टी के खिलाफ काम करता है, उसे बाहर का रास्ता दिखाया जाता है।

शिवसेना (यूबीटी) सांसद ने कल्याण-डोंबिवली के घटनाक्रम को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सत्ता के लिए महायुति के साथ बेईमानी करने वालों के साथ जो भी खड़ा होता है, जनता उसे भी बेईमान मानती है। उन्होंने आरोप लगाया कि वहां के लोगों ने बहुत बड़ी गलती की है और इसका राजनीतिक खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ सकता है।

गौरतलब है कि कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका में बहुमत के लिए 62 पार्षदों की जरूरत है। यहां शिवसेना के पास 52 और बीजेपी के पास 51 पार्षद हैं, जबकि एमएनएस के 5 पार्षद निर्णायक स्थिति में हैं। इसी कारण एमएनएस के समर्थन को सत्ता गठन के लिए अहम माना जा रहा है।

श्रीकांत बोले- महायुति की सत्ता बनेगी

वहीं, शिंदे गुट की ओर से प्रतिक्रिया देते हुए डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के बेटे और लोकसभा सांसद श्रीकांत शिंदे ने कहा कि एमएनएस ने महायुति को समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी, शिवसेना, एमएनएस और अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर यहां महायुति की सत्ता बनेगी और विकास के लिए जो भी साथ आना चाहता है, उसका स्वागत है। इस पूरे घटनाक्रम ने महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर नई बहस और हलचल पैदा कर दी है।

स्टालिन का बयान हेट स्पीच की श्रेणी वाला, मद्रास हाईकोर्ट ने की सख्त टिप्पणी

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के युवा कल्याण और खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन के सनातन धर्म को लेकर दिए गए बयान पर चल रही राजनीतिक और कानूनी बहस के बीच मद्रास हाईकोर्ट ने कड़ी टिप्पणी की है। अदालत ने बुधवार को कहा कि मंत्री द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा हिंदू धर्म पर स्पष्ट हमला है और यह हेट स्पीच की श्रेणी में आती है। कोर्ट ने यह भी कहा कि इस तरह के शब्दों का अर्थ जनसंहार की ओर इशारा करता है, जिसे किसी भी रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता।

यह टिप्पणी उस याचिका की सुनवाई के दौरान आई, जिसमें एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए उदयनिधि स्टालिन के सनातन धर्म संबंधी बयान पर सवाल उठाए गए थे। याचिका में कहा गया था कि मंत्री की टिप्पणी सनातन धर्म को मानने वालों के खिलाफ 'जनसंहार' का आह्वान करती है। हालांकि, उदयनिधि स्टालिन ने अपने बचाव में कहा था कि उनके बयान को गलत तरीके से तोड़-मरोड़कर पेश किया गया और उनका आशय किसी समुदाय या धर्म के अनुयायियों को आहत या नुकसान पहुंचाने का नहीं था।

मद्रास हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान स्पष्ट शब्दों में कहा, यदि यह कहा जाए कि सनातन धर्म का पालन करने वाले लोगों का अस्तित्व नहीं होना चाहिए, तो इसके लिए सही शब्द 'जनसंहार' है। अगर सनातन धर्म को एक धर्म माना जाए, तो यह 'रिलिजिसाइड' यानी धर्म के विनाश की श्रेणी में आएगा। कोर्ट ने आगे कहा कि ऐसी भाषा लोगों के उन्मूलन की ओर संकेत करती है, चाहे वह किसी भी तरीके से हो, जिसमें इकोसाइड, फैक्टोसाइड और कल्चरसाइड जैसे रूप शामिल हो सकते हैं।

कोर्ट ने तमिल भाषा में प्रयुक्त शब्द 'सनातन ओझिप्पु' की व्याख्या करते हुए कहा कि इसका सीधा अर्थ सांस्कृतिक उन्मूलन या संस्कृति के नाश से जुड़ा है। इसी आधार पर अदालत ने माना कि मंत्री के बयान पर सवाल उठाने वाली सोशल मीडिया पोस्ट को हेट स्पीच नहीं कहा जा सकता। कोर्ट की इस टिप्पणी के बाद राजनीतिक गलियारों में बयानबाजी तेज हो गई है।

बीजेपी के नए अध्यक्ष नितिन नबीन को अब राज्यसभा लाने पर विचार कर रही पार्टी

-झारखंड से जून 2026 में खाली हो रही सीट वहां से किया जा सकता है नामांकित

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन को जल्द ही राज्यसभा में प्रवेश मिलेगा। पार्टी सूत्रों के मुताबिक इस साल कई राज्यसभा सीटें खाली होने वाली हैं और पार्टी उन्हें राज्यसभा में लाने पर विचार कर रही है। हालांकि, फिलहाल उन्हें केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया जाएगा, क्योंकि पार्टी एक व्यक्ति, एक पद के सिद्धांत का पालन कर रही है। 45 साल के नितिन नबीन बिहार के पांच बार के विधायक हैं। वह बीजेपी के सबसे युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष बने गए हैं। उनका जन्म रांची (झारखंड) में हुआ था। उनके पिता नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा भी वरिष्ठ बीजेपी नेता थे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मंगलवार को उन्होंने पार्टी मुख्यालय में औपचारिक रूप से अध्यक्ष पद की कमान संभाली, जहां पीएम मोदी समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें बधाई दी। मोदी ने उन्हें मिलेनियल बॉस कहकर संबोधित किया और पार्टी में नई ऊर्जा का संकेत दिया। पार्टी सूत्रों का कहना है कि नितिन नबीन को उनकी नई जिम्मेदारी के अनुरूप संसद में लाया जाएगा। बिहार से राज्यसभा की कोई सीट अभी खाली नहीं है, लेकिन पड़ोसी राज्य झारखंड से एक विकल्प उपलब्ध है। झारखंड से बीजेपी सांसद दीपक प्रकाश का कार्यकाल जून 2026 में खत्म हो रहा है। सूत्रों ने बताया कि नितिन नबीन का जन्म रांची में होने के कारण उन्हें वहां से नामांकित किया जा सकता है। हालांकि पार्टी की केंद्रीय नेतृत्व किसी भी राज्य से उन्हें भेज सकती है, जहां उपयुक्त सीट उपलब्ध हो। इस साल कुल 71 राज्यसभा सदस्य रिटायर हो रहे हैं, जिनमें से 30 बीजेपी के हैं। इनमें यूपी से 8, गुजरात से 3, महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्य प्रदेश, असम, कर्नाटक, ओडिशा और हरियाणा से दो-दो सीटें शामिल हैं। झारखंड, अरुणाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और मणिपुर से एक-एक सीट खाली हो रही है। बीजेपी के दो प्रमुख सदस्यों- केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी और राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह की यूपी से सीटें भी खाली होंगी।

नितिन नबीन के राज्यसभा में आने से पार्टी को युवा और संगठनात्मक रूप से मजबूत चेहरा मिलेगा, जो संसद में सक्रिय भूमिका निभाएगा। उन्हें हाल ही में लुटियंस दिल्ली में आधिकारिक आवास भी आवंटित किया गया है। अध्यक्ष पद संभालने के बाद नबीन का पहला बड़ा कार्यक्रम 21 जनवरी को राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक है, जिसमें पीएम मोदी और संसदीय बोर्ड के सदस्य शामिल होंगे। इसके बाद 27 जनवरी को बजट सत्र से पहले संसदीय दल की बैठक की अध्यक्षता भी वे करेंगे।

कम पानी पीने और बीपी बढ़ने से बढ़ेंगी मुश्किलें, एंजाइना और हार्ट अटैक का जोखिम

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। सर्दी में दिल को संभालें, कम पानी पीने और बीपी अधिक होने से मुश्किलें बढ़ सकती हैं। शरीर में पानी की मात्रा कम होने से खून गाढ़ा हो जाता है जिससे एंजाइना और हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है। सर्दी के मौसम में अपर रेस्पिरेटरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन, ब्रोंकियल अस्थमा, सीओपीडी, साइनोसाइटिस, फैरिंजाइटिस, निमोनिया जैसी दूसरी समस्या बढ़ जाती है। इन दिनों इस तरह की शिकायत लेकर इमरजेंसी में अधिक मरीज पहुंच रहे हैं। सर्दी से बचाव को लेकर एम्स के अलग-अलग विभागों के डॉक्टरों ने सोमवार को प्रेस वार्ता कर इसके लिए चेताया। एम्स के कार्डियोलॉजी विभाग के प्रमुख प्रो. डॉ. राजीव नारंग ने कहा कि सर्दी के मौसम में दिल संबंधी बीमारियों के मरीजों को खुद ख्याल रखना चाहिए। सर्दियों में ब्लड प्रेशर (बीपी) का बढ़ना स्वाभाविक है। ब्लड वेसल्स में सिकुड़न होने लगती है। कई मरीज ऐसे होते हैं जिनका ब्लड प्रेशर पहले दवाओं से नियंत्रित था मगर, सर्दी के मौसम में बढ़ने लगता है। इसके लिए उन्हें दवा की खुराक बढ़ानी पड़ती है। बीपी के बढ़ने से कई बार मरीजों को चलने-फिरने में दिक्कत से लेकर सांस संबंधी दिक्कत होती है। पैरों में सूजन आ सकती है। जिनका बीपी ज्यादा रहता है वह नियमित तौर पर चेक करवाएं। अच्छा है कि घर पर मशीन रख लें। उन्होंने बताया कि बीपी को हफ्ते में कम से कम दो बार जरूर चेक करें। ब्लड प्रेशर 140/90 से अधिक नहीं होना चाहिए। अगर बीपी ज्यादा है तो अपने डॉक्टर से जरूर बात कर दवा लें। खाने में नमक लेने से भी बीपी बढ़ता है। इस बात का ध्यान रखें कि नमकीन चीजें ज्यादा न खाएं। ब्लड सप्लाई कम होने से हार्ट अटैक और एंजाइना का जोखिम होता है। डॉ. राजीव नारंग ने कहा कि सामान्य तौर पर इस मौसम में सुबह और शाम बाहर घूमने की सलाह नहीं देते हैं। दोपहर के समय घूमना ज्यादा अच्छा है। यही नहीं सर्दियों में लोग पानी भी कम पीते हैं क्योंकि प्यास कम लगती है। उससे ब्लड गाढ़ा होने लगता है जिससे हार्ट अटैक के मामले बढ़ते हैं। पानी के साथ चाय, दूध जैसे तरल पदार्थ जरूर लेते रहें। सर्दियों में पानी पीना बिल्कुल बंद न करें। इसके अलावा सर्दियों में प्रदूषण भी बढ़ा होता है जो दिल की बीमारियों के लिए खतरनाक है। एम्स के मेडिसिन विभाग के प्रो. डॉ. संजीव सिन्हा ने कहा कि इस मौसम में शीत लहर से फेफड़े संबंधी बीमारियां होती हैं। ठंडी हवा को जब अंदर लेते है तो ब्रोन्कोस्पाज्म हो जाता है। सांस की नली में सिकुड़न होने लगती है। आजकल ओपीडी और इमरजेंसी में काफी मरीज आ रहे हैं जिनको सीओपीडी है। मरीज खांसी, बलगम के लक्षणों के साथ पहुंच रहे है। कुछ लोगों को ठंड में अधिक एक्सपोजर होने के कारण निमोनिया भी हो जाता है। यह बैक्टीरियल, वायरल और फंगल भी हो सकता है। उन्होंने बताया कि बुजुर्ग लोग जो क्रॉनिक ब्रोंकाइटिस, एम्फीसीमा, सीओपीडी, ब्रोंकियल अस्थमा से जूझ रहे हैं उनको अपना ख्याल रखना चाहिए। अगर जरूरी काम हो तभी घर से बाहर निकलें। चेहरे और सिर को ढककर रखें। अपर रेस्पिरेटरी ट्रैक इन्फेक्शन भी काफी देखा जा रहा है। मरीज को फैरिंजाइटिस, साइनोसाइटिस भी हो सकता है। मरीज को छींक, नाक बहने, गला में खराश और खांसी आने लगती है। ऐसे लक्षण होने पर मरीज को डॉक्टर से तुरंत सलाह लेनी चाहिए। एम्स के एंडोक्रिनोलॉजी विभाग में प्रो. डॉ. राजेश खड़गावत ने कहा कि सर्दी के मौसम में डायबिटीज मरीजों को विशेष ध्यान रखना चाहिए। तापमान कम होने के कारण बाहर निकलना बंद हो जाते हैं। शारीरिक तौर पर सक्रिय रहना जरूरी है। घर में योग और शारीरिक अभ्यास को बिल्कुल न छोड़ें। घर में छत या बरामदे में घूमे जरूर। सर्दी के मौसम खुराक भी बढ़ जाता है जो कि डायबिटीज मरीजों के लिए ठीक नहीं है। गुजिया, नमकीन जैसी चीजों को खाने से परहेज करें। 65 साल से से अधिक उम्र वाले मरीजों को वैक्सीन भी लगाई जाती है ताकि मरीज संक्रमण से बचा रहे। एम्स के पीडियाट्रिक विभाग में प्रो. डॉ. राजेश लोढ़ा ने कहा कि ऐसे नवजात शिशु जिनका समय पूर्व जन्म और वजन कम होता है तो ऐसे बच्चों का सर्दी में ख्याल रखना जरूरी है। बच्चों को ठंड लगने पर वायरल, सर्दी, खांसी, जुकाम के लक्षण बढ़ जाते हैं। सांस लेने में परेशानी होने लगती है। फीडिंग कम हो जाती है। अगर ऐसा कुछ है तो उसका बचाव जरूरी है। एम्स के जीरियाट्रिक मेडिसिन विभाग में डॉ. अभिजीत आर राव ने कहा कि सर्दी में बुजुर्गों को लेकर ज्यादा जोखिम रहता है। बॉडी टेंप्रेचर मैकेनिज्म थोड़ा धीमा होता है। ऐसे में बुजुर्ग लोग सुबह और शाम के समय सैर से बचें। बुजुर्गों में डायबिटीज, सीओपीडी, किडनी, लिवर रोग और दिल संबंधी बीमारी रहती है। धूप में ही घर से बाहर निकले। गर्मी पानी से नहाएं और पीने में उसका इस्तेमाल करें। ओपीडी में आने वाले ज्यादा बुजुर्गों में सर्दी, जुकाम, खांसी और दूसरे संक्रमण के लक्षण देखने को मिलते हैं। एम्स के नेफ्रोलॉजी विभाग में प्रो. डॉ. संदीप महाजन ने कहा कि सर्दी के मौसम में किडनी का बीमारी से ग्रसित मरीजों को भी बीपी बढ़ जाता है। करीब 90 फीसदी मरीज बीपी के होते हैं। किडनी मरीजों को खाने को लेकर काफी पाबंदिया होती है। बदलती जीवनशैली और अनियमित दिनचर्या के कारण लोगों में डीहाइड्रेशन की समस्या तेजी से बढ़ रही है। इसका सीधा असर किडनी से जुड़ी बीमारियों पर देखने को मिल रहा है। सर्दी में ज्यादातर लोग पानी पीने से बचते हैं ऐसे में बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। डॉक्टरों के अनुसार, शरीर में पानी की कमी से किडनी की कार्यक्षमता प्रभावित होती है, जिससे पथरी, यूरिन इंफेक्शन और पेशाब से जुड़ी अन्य समस्याएं भी बढ़ रही हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि पर्याप्त मात्रा में पानी न पीने से पेशाब गाढ़ा हो जाता है, जिससे किडनी में मिनरल्स जमा होकर पथरी का रूप ले लेते हैं। वहीं, कम पानी पीने से बैक्टीरिया को पनपने का मौका मिलता है, जिससे यूरिन इंफेक्शन की आशंका बढ़ जाती है। कई मामलों में मरीजों को जलन, बार-बार पेशाब आना, पेट के निचले हिस्से में दर्द और बुखार जैसी शिकायतें होती हैं। डॉक्टर बताते हैं कि किडनी को स्वस्थ रखने के लिए दिनभर में पर्याप्त पानी पीना बेहद जरूरी है। इससे टॉक्सिन्स शरीर से बाहर निकलते हैं और किडनी पर दबाव कम होता है। साथ ही हाइड्रेट रहने से स्किन से जुड़ी कई समस्याओं में भी राहत मिलती है। पानी त्वचा को नमी प्रदान करता है, जिससे ड्राइनेस, मुंहासे और समय से पहले झुर्रियां आने की समस्या कम होती है। विशेषज्ञों का कहना है कि प्यास लगने का इंतजार करने के बजाय नियमित अंतराल पर पानी पिया जाए। चाय, कॉफी या सॉफ्ट ड्रिंक को जगह सादा पानी, नारियल पानी और तरल फलों का सेवन अधिक फायदेमंद होता है। अधिक नमक और प्रोसेस्ड फूड से दूरी बनाना भी जरूरी है। गुरु तेग बहादुर अस्पताल के एडिशनल मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. प्रवीन कुमार ने बताया कि, डीहाइड्रेशन किडनी से जुड़ी कई गंभीर बीमारियों की जड़ है। रोजाना पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से पथरी और यूरिन इंफेक्शन के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि दिन में 8से10 गिलास पानी जरूर पिएं, पेशाब का रंग गहरा हो तो पानी की मात्रा बढ़ाएं, गर्मी और शारीरिक मेहनत के दौरान तरल पदार्थ का सेवन अधिक करें।

NAME CHANGE
I, KAVITA is legally Wife of No. 2811669A Rank- HAV Name KOGHE SURESH ATMARAM presently residing at VILL- ADOLI, POST- ADOLI TEH-WASHIM, DIST -WASHIM (MAHARASHTRA)-444505, have changed my name from KAVITA to KAVITA SURESH KONGHE for all future purposes. Vide affidavit dated 20.01.2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, KAVITA is legally mother of No. 2818266H Rank- NK Name KHAKARE SHUBHAM VASANT presently residing at VILL-TALKHED, POST-TALKHED TEH-MOTALA, DIST - BULDHANA (MAHARASHTRA)-443101, have changed my name from KAVITA to KAVITA VASANT KHAKARE for all future purposes. Vide affidavit dated 20.01.2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, BEENA is legally Wife of No. 2805778W Rank- HAV Name VIKRAM SINGH SHEKHAWAT presently residing at VILL PANDITPURA, POST PAOTA, TEH-KOTPUTLI, DIST-JAIPUR (RAJASTHAN) -303106, have changed my name from BEENA to BEENA KANWAR for all future purposes. Vide affidavit dated 20.01.2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, MANISHA is legally mother of No. 2820018L Rank- NK Name JADHAV KHUSHAL NAKUL presently residing at VILL- DASANE, POST-KERSANE, TEH-BAGLAN, DIST -NASHIK (MAHARASHTRA)-423301, have changed my name from MANISHA to JADHAV MANISHA NAKUL for all future purposes. Vide affidavit dated 20.01.2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, RAEIS AHMED S/O SAEID AHMED R/O H-77, BLOCK H, BATLA HOUSE, OKHLA, JAMIA NAGAR, NEW FRIENDS COLONY, DELHI 110025, have changed my name from RAEIS AHMAD SHAH TO RAEIS AHMED for all future purpose.

NAME CHANGE
I, hitherto known as SHEHNAZ W/O MOHD TAHIR R/O H NO-2136, GALI ANJUMAN PAHARI BHOJLA, TURKMAN GATE, DELHI-110006 have changed my name and shall hereafter be known as SHEHNAZ BEGUM It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection

NAME CHANGE
I, KRISHANNA DEVI W/o Suresh Solanki R/o WZ-34, KH.NO. 254/276/278, Hari Singh Park, Shakur Basti, Delhi-110056, have changed my name from KRISHNA SOLANKI permanently.

NAME CHANGE
I, IQBAL MANSOORI S/O MOHD ZAHOOR residing at A-3/17 DDA FLATS INDER LOK DELHI-110035 have changed my name to MOHD IQBAL for all future purpose.

NAME CHANGE
I, NAZMA ALIAS NAZAMA W/O ABDUL RASHID residing at A-19/148A DDA FLATS INDER LOK DELHI-110035 have changed my name to NAZMA BEGAM for all future purpose.

NAME CHANGE
I, MOHD ABDUL RASHID S/O NANHE KHAN residing at A-19/148A DDA FLATS INDER LOK DELHI-110035 have changed my name to ABDUL RASHID for all future purpose.

NAME CHANGE
I, ASIF RASHID S/O ABDUL RASHID residing at A-19/148A DDA FLATS INDER LOK DELHI-110035 have changed my name to MOHD ASIF for all future purpose.

NAME CHANGE
I, ABDUL KHALIQ S/O HABIBUR REHMAN residing at A-9/68 DDA FLATS INDER LOK DELHI-110035 have changed my name to ABDUL KHALIQUE for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SHAKIRA BEGUM W/O ABDUL KHALIQUE residing at A-9/68 DDA FLATS INDER LOK DELHI-110035 have changed my name to SHAKRA BEGUM for all future purpose.

NAME CHANGE
I, PANCHAFULA is legally mother of No. 15724954H Rank- L/NK Name HULKE NARENDRA GURUDAS presently residing at WARD NO-03, GHADOLI POST-VITHALWADA, TEH-GONDPIPARI, DIST-CHANDRAPUR, (MAHARASTRA)-442702 have changed my name from PANCHAFULA to PANCHAFULA GURUDAS HULKE for all future purposes. Vide Affidavit Dated 21/01/2026 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE
I, RAMADHIN SINGH is legally Father of No. 15717764N Rank- HAV Name SANYOG KUMAR presently residing at VILL-KATAUNA, THANA-KATRISARAI, KATAUNA (PARTIN GIRIAK), NALANDA, (BIHAR)-805130 have changed my name from RAMADHIN SINGH to RAM DAHIN SINGH for all future purposes. Vide Affidavit Dated 21/01/2026 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE
I, LAXMI G is legally mother of No. 15714359L Rank- LOC HAV Name DHARMARAJ G presently residing at VILL-AYANKARISALKULAM, PO-MAVILPATTI, TEH-ETTAYAPURAM, DIST-THOOTHUKUDI, (TAMIL-NADU)-626202 have changed my name from LAXMI G to LAKSHMI G for all future purposes. Vide Affidavit Dated 21/01/2026 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE
I, deeksha prabhu naidu D/O Prabhu Naidu R/O 50 A Adhchini village near by BSES office new delhi 110017 Have changed my name to *Deeksha Naidu* for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Deewaker S/o Sunder Lal R/o Tower A-1, Flat No 202, Unitech Residencies, Sector 33, Gurgaon, Haryana-122001 have changed my name to Deewaker Chakarvarti.

NAME CHANGE
I, Suresh Kumar S/O Chander Bhan R/O H no-209/A, Thanedar Wali Gali, Holi Chowk, Mahipalpur, South West Delhi 110037 Have changed my name to Suresh Maan for all future purposes.

NAME CHANGE
I, No-22055843P Rank-SEP Name-ELDHO K JOY Presently residing at VILL-NENMENI, PO-AMBALAVAYAL, TEH-SULTHAN BATHERY, DIST-WAYANAD, KERALA-673593, have changed my mother's name from RAMANI to RAMANI K M for all future purposes vide Affidavit dated 21/01/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No-22055843P Rank-SEP Name-ELDHO K JOY Presently residing at VILL-NENMENI, PO-AMBALAVAYAL, TEH-SULTHAN BATHERY, DIST-WAYANAD, KERALA-673593, have changed my father's name from JOY to JOY Y for all future purposes vide Affidavit dated 21/01/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I hitherto known as Nutan Kapoor Mahawar W/o Shri MunuMahawar employed as Additional Secretary in Ministry of External Affairs, resident of A-7, M.E.A. Residential Complex, Dr. Radha Krishnan Marg, Chanakya Puri, New Delhi - 110021 have changed my name and shall hereafter be known as Nutan Kapoor. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I MOHAMMED YASIN S/O MOHAMMAD TULAN R/O A-9/7 GALI NO-5, NEAR INSHAALLAH MASJID, CHAUHAN BANGAR, SEELAMPUR, DELHI-110053. have changed my name to YASEEN MOHAMMED for all future purpose.

NAME CHANGE
I, JC-312627L Rank-SUB Name-ISHWARI PRASAD Residing at VPO-HANSELA, TEHSIL-KIRAOLI, DISTT-AGRA, UTTAR PRADESH-283101, have changed my mother's name from RUKMANI DEVI to RUKMINI for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 01/07/1967 instead of her correct date of birth as 01/01/1961 vide Affidavit dated 21/01/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SRISTI NISHANT RANJAN W/o NISHANT RANJAN R/o FLAT NO 271, SAPNA GHAR APARTMENT OPPOSITE BHARAT PETROL PUMP, PLOT 6B DWARKA SECTOR-11 DELHI-110075, I HAVE CHANGED MY NAME SRISTI RANJAN for future purpose

NAME CHANGE
I, NIKITA W/O KUSHAL PAL R/O 295,MALPURA,DHARUHERA,REWARI,HARYANA-123110, HAVE CHANGED MY NAME TO NIKITA RATHI FOR ALL FUTURE PURPOSE.

DATE OF BIRTH CHANGE
I, NO-14863289A Rank-SEP Name-SUNIL BAGHEL presently residing at VILL-JAMUNIYA BHURA, PO-RICHHEDA, TEHSIL-AMARWARA, DIST-CHHINDWARA, MADHYA PRADESH-480221, in my service record my father's (BASODI BAGHEL) date of birth wrongly mentioned as 17/06/1968 instead of my correct date of birth as 01/01/1963 vide affidavit dated 16/01/2026 before Notary Public Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE
I, NO-14863289A Rank-SEP Name-SUNIL BAGHEL presently residing at VILL-JAMUNIYA BHURA, PO-RICHHEDA, TEHSIL-AMARWARA, DIST-CHHINDWARA, MADHYA PRADESH-480221, in my service record my father's (CHAMPA BAGHEL) date of birth wrongly mentioned as 14/01/1972 instead of my correct date of birth as 01/01/1968 vide affidavit dated 16/01/2026 before Notary Public Delhi.

PUBLIC NOTICE
GENERAL PUBIC IS HEREBY informed that My clients Om Prakash S/O Sh. Surajbhan and Sheela Devi W/O Om Prakash Both R/O House No 259 Post office Hiran Kudna West Delhi 110041 have severed their all relations and have disowned their sons Bhupender Kataria and Dheeraj Both R/O House No 259 Post office Hiran Kudna West Delhi 110041 from their movable and immovable properties due to their quarrelsome and disobedient nature. So my clients shall not be responsible for any act of their sons Bhupender Kataria and Dheeraj If anyone do so then he/she will do so at his/her own risk.

SATISH KUMAR ADVOCATE
CHAMBER NO.706
DWARKA COURT, NEW DELHI.

NAME CHANGE
I SALEEM S/O JUHURUDDIN R/O VILLAGE BADED TEHSIL PUNAHANA BADED MEWAT NUH HARYANA-122508 have changed my name to SALIM for all future purpose.

NAME CHANGE
I, M SASIKALA Wife of No-5456665L Rank-HAV Name-C MURUGESAN residing at 235, VILL-PALEPALLE, PO-KANDIKUPPAM, DIST-KRISHNAGIRI, TAMIL NADU-635108, have changed my name from M SASIKALA to SASIKALA M for all future purposes vide Affidavit dated 21/01/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No-5456665L Rank-HAV Name-C MURUGESAN Father of THATCHANI residing at 235, VILL-PALEPALLE, PO-KANDIKUPPAM, DIST-KRISHNAGIRI, TAMIL NADU-635108, have changed my minor daughter's name from THATCHANI to THATCHANI M for all future purposes vide Affidavit dated 21/01/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No-5456665L Rank-HAV Name-C MURUGESAN Father of M THARANI residing at 235, VILL-PALEPALLE, PO-KANDIKUPPAM, DIST-KRISHNAGIRI, TAMIL NADU-635108, have changed my minor daughter's name from M THARANI to THARANI M for all future purposes vide Affidavit dated 21/01/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I Mohd Zahab S/0 Mujeeb UL Islam Add. 4596 /5,3rd Floor 11 Ansari Road Darya Ganj Delhi 110002 Changed my name to Mohd Zahab Khan

NAME CHANGE
I, IMRAN HASAMI S/o MD. RUSTAM R/o A-196, Meer Vihar, Madanpur Dabas, Delhi-110081 have changed my name to IMRAN HASMI permanently.

NAME CHANGE
I Honeysha D/o Manoj Rana R/o B-2/227, Sector - 6, Rohini, Sector 7, North West Delhi - 110085 have changed my name to Honeysha Rana for all future purposes.

NAME CHANGE
It is for general information that I, SABA D/o ANIS AHMAD, and W/o FARHAN AHMAD, R/o House No. F-57/8, Third Floor, Back Side, Allama Iqbal Road, Batla Road, Jamia Nagar, New Friends Colony, South Delhi, Delhi-110025, declare that name of my father and my mother have been wrongly written as ANEES AHMAD and SURAYYA BEGUM in my 10th and 12th class Educational Documents, and as ANEES AHMED and SURAIYYA BEGUM in my CTET Certificate. And name of my father has been wrongly written as ANEES AHMED in my ETE Diploma, Graduation and Post-Graduation Certificates, and as ANEES AHMAD in my PAN Card No. BZBPS7154Q. The actual name of my father and my mother are ANIS AHMAD and TAUHID FATIMA respectively.

NAME CHANGE
I NAFISH S/O SABBIR R/O H.NO-B-87 SHISH MAHAL ENCLAVE PREM NAGAR -3 KIRARI SULEMAN NAGAR DELHI-110086, I have changed my name to MD NAFISH Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
It is for general information that I MOHD RIYAZ S/O KAMAALUDDIN R/O C-13/1, Thokar Number-8, Abul Fazal Enclave, Part-2, Jamia Nagar, South Delhi, Delhi-110025 declare that name of my father and my mother has Been wrongly written as MOHD KALEEM and RAZIA in my all educational documents.The actual name of my father and my mother are KAMAALUDDIN and ROZIA KHATUN respectively which may be amended accordingly

NAME CHANGE
I, SHASHANK S/O RAKESH R/O KANPUR JETHWAR, KUNDA, PRATAPGARH, UTTAR PRADESH-230129, HAVE CHANGED MY NAME SHASHANK KUMAR FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, REKHA wife of No.-15346067H, Rank-HAV, Name-KULDEEP SINGH residing at VILL-CHAUR, PO-GHERUWA, TEHSIL-SATPULI, DIST-PAURI GARHWAL, UTTARAKHAND-246129, have changed my name from REKHA to REKHA DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 21/01/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, ANITABAI, is legally mother of Army No. 2821307M, Rank – Sep, Name – PATIL MANOHAR VIJAY, At – Kanhere, Post – Kanhere, Teh – Amalner, Dist – Jalgaon, State – Maharashtra, Pin – 425401, have changed my name from ANITABAI to ANITABAI VIJAY PATIL for all future purposes. Vide affidavit dated 21/01/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, PATIL VIJAY LOTAN, is legally father of Army No. 2821307M, Rank – Sep, Name – PATIL MANOHAR VIJAY, At – Kanhere, Post – Kanhere, Teh – Amalner, Dist – Jalgaon, State – Maharashtra, Pin – 425401, have changed my name from PATIL VIJAY LOTAN to VIJAY LOTAN PATIL and date of birth from 12/01/1972 to 01/12/1972 for all future purposes. Vide affidavit dated 21/01/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, ASHA, is legally mother of Army No. 2824229L, Rank – Sep, Name – KORDE HARI TULSHIRAM, At – Rui, Post – Sukhapuri, Teh – Ambad, Dist – Jalna, State – Maharashtra, Pin – 431205, have changed my name from ASHA to KORDE ASHA TULSHIRAM for all future purposes. Vide affidavit dated 21/01/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, KORDE TULSHIRAM, is legally father of Army No. 2824229L, Rank – Sep, Name – KORDE HARI TULSHIRAM, At – Rui, Post – Sukhapuri, Teh – Ambad, Dist – Jalna, State – Maharashtra, Pin – 431205, have changed my name from KORDE TULSHIRAM to KORDE TULSHIRAM NIVRUTI for all future purposes. Vide affidavit dated 21/01/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I hitherto known as PRABHAWATI DEVI W/o CHANDRADEV SINGH YADAV, R/o Gaura, Reotipur, Gaura, Ghazipur, Uttar Pradesh-232328, have changed my name and shall hereafter be known as BUDHIYA DEVI, for all future purposes.

NAME CHANGE
I, AMAR DEEP SINGH S/o AMAR BAHADUR SINGH, R/o Adhanpur, Gram-Post Adhanpur Musafirkhana, Musafirkhana, Amethi, Uttar Pradesh-227813, have changed the name of my minor son ARJUN SINGH aged 14 years and he shall hereafter be known as KARTIK SINGH, for all future purposes.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mrs. Priya Makkad is the owner of Freehold Residential Property i.d. no. 1B53NIY7 on Plot no. 5/14, old Plot no. 79 area measuring 137 Sq. Yds. Situated at waka Mauja Gaunchhi (Under Lal Dora Abadi) Tehsil Gaunchhi Distt. Faridabad Haryana. by virtue of Sale Deed dated 16.07.2025 Vide Doc no. 947 SR-Gaunchhi., in the chain documents below mentioned documents not available i.e. (1) Conveyance Deed dated 10.01.1963 in favour of Mr. Girdhari Lal & (2) Death Certificate & SMC of Late Mr. Girdhari Lal now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and same has been sold too be Mr. Parvesh Nagar and same has been finance by Piramal Finance Ltd. Branch: Kalkaji New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
I, VARSHA, is legally mother of Army No. 2821464Y, Rank – Sep, Name – PATIL DARSHAN BHASKAR, At – Shirud, Post – Shirud, Teh – Amalner, Dist – Jalgaon, State – Maharashtra, have changed my name from VARSHA to VARSHA BHASKAR PATIL and date of birth from 01/05/1977 to 01/01/1974 for all future purposes. Vide affidavit dated 21/01/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, PATIL BHASKAR PUNDLIK, is legally father of Army No. 2821464Y, Rank – Sep, Name – PATIL DARSHAN BHASKAR, At – Shirud, Post – Shirud, Teh – Amalner, Dist – Jalgaon, State – Maharashtra, have changed my name from PATIL BHASKAR PUNDLIK to BHASKAR PUNDALIK PATIL and date of birth from 01/06/1972 to 01/01/1976 for all future purposes. Vide affidavit dated 21/01/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, POONAM, is legally wife of Army No. 2807571P, Rank – Hav, Name – JADHAV RUPESH BALIRAM, At – Flat No 105, Survey No 72/3B, Legacy Sannidhi, Dighi, Mamta Sweet, Pune City, Pune, Maharashtra – 411015, have changed my name from POONAM to POONAM RUPESH JADHAV for all future purposes. Vide affidavit dated 21/01/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, BALIRAM, is legally father of Army No. 2807571P, Rank – Hav, Name – JADHAV RUPESH BALIRAM, At – H No 501, Jyotiba Colony, Jyotiba Nagar, Kalewadi, Pune City, Pune, Maharashtra – 411017, have changed my name from BALIRAM to BALIRAM SAHDEV JADHAV and date of birth from 23/02/1963 to 01/06/1961 for all future purposes. Vide affidavit dated 21/01/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, SAVITA, is legally mother of Army No. 2807571P, Rank – Hav, Name – JADHAV RUPESH BALIRAM, At – H No 501, Jyotiba Colony, Jyotiba Nagar, Kalewadi, Pune City, Pune, Maharashtra – 411017, have changed my name from SAVITA to SAVITA BALIRAM JADHAV and date of birth from 14/11/1968 to 12/09/1964 for all future purposes. Vide affidavit dated 21/01/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, JITENDER KUMAR S/o JOGINDER, R/o H.No. C-38, 3rd Floor, Gali No. 13, Madhu Vihar, I.P. Extension, PO: Laxmi Nagar, Dist: East Delhi, Delhi-110092, declare that name of mine, my wife and my minor son have been wrongly written as JITENDER RAJAK, PRIYANKA DEVI and ARUSH KUMAR in my minor son namely AARUSH KUMAR aged 11 years in his School Records. The actual name of mine, my wife and my minor son are JITENDER KUMAR, PRIYANKA KUMARI and AARUSH KUMAR respectively.

NAME CHANGE
I, SUSEEL KUMAR father of No-2622579P Rank-NK Name-AKSHAY SK residing at H.NO-611, VPO-NEMMARA, TEHSIL-CHITTUR, DIST-PALAKKAD, KERALA-678508, have changed my name from SUSEEL KUMAR to SUSEELAKUMAR M D for all future purposes vide affidavit dated 21/01/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, SUNITA DEVI Mother of NO-15241807N, Rank-NK Name-ANKUR KUMAR residing at VILL-SIHALINAGAR, PO-UCHAGAON, TEHSIL-ANUPSHAHR, DIST-BULANDSHAHR, UTTAR PRADESH-203398, have changed my name from SUNITA DEVI to SUNITA for all future purposes vide Affidavit dated 21/01/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, DEEPA DEVI Wife of JC-812954Y, Rank-NB/SUB Name-DELIP SINGH RAWAT residing at A/849 GD COLONY, MAYUR VIHAR PHASE-III, DELHI-110096, have changed my name from DEEPA DEVI to DEEPA DEVI RAWAT for all future purposes vide Affidavit dated 21/01/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SAHADEV RAM KOMARE residing at No. 14673784H Rank-NK Name-VIMAL KUMAR KOMARE residing at VILL-NARRALGUDA, PO-GUDUM, TEHSIL-DONDI, DIST-BALOD, CHHATTISGARH-491228, have changed my name from SAHADEV RAM KOMARE to SAHDEV RAM KOMARE for all future purposes Vide Affidavit dated 21/01/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, VAIBHAV ARYA S/o RAJENDAR KUMAR ARYA R/o G 102 , Cleo County , Plot No – GH 05 , Sector 121 , Noida , Gautam Buddha Nagar , Uttar Pradesh - 201301 have changed the name of my minor son AURNAV ARYA aged 16 years and he shall hereafter be known as ARNV ARYA.

NAME CHANGE
It is for general information that I MOHD RIYAZ S/O KAMAALUDDIN R/O C-13/1, Thokar Number-8, Abul Fazal Enclave, Part-2, Jamia Nagar, South Delhi, Delhi-110025 declare that name of my father and my mother has Been wrongly written as MOHD KALEEM and RAZIA in my all educational documents.The actual name of my father and my mother are KAMAALUDDIN and ROZIA KHATUN respectively which may be amended accordingly

NAME CHANGE
I, hitherto known as SITAR Alias SATTAR Alias ABDUL SATTAR S/O HABIB AHMAD R/O 301, MAIN QUTAB GARH ROAD, VILL LAD PUR, DISTT-NORTH WEST DELHI, DELHI-110081 have changed my name and shall hereafter be known as ABDUL SATTAR.

NAME CHANGE
I, SAVITA, is legally mother of Army No. 2822186H, Rank – Sep, Name – ARADE RUPESH RAVSAHEB, At – Anur, Post – Anur, Teh – Kagal, Dist – Kolhapur, State – Maharashtra, Pin – 416235, have changed my name from SAVITA to SAVITA RAVSAHEB ARADE for all future purposes. Vide affidavit dated 21/01/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, JYOTIRMAY VISHWAS S/o JYOTISH CHAND VISHWAS, R/o House No. 80-A 1st Floor, Gali No. 5, Baba Balak Nath Mandir, Chander Vihar, Mandawali Fazalpur, PO: Laxmi Nagar, Dist: East Delhi, Delhi-110092, declare that name of mine and my wife have been wrongly written as JYOTIRMAY BISHWAS and SHIVANI BISHWAS in my minor son namely VIPIN VISHWAS aged 14 years in his School Records. The actual name of mine and my wife are JYOTIRMAY VISHWAS and SHIVANI VISHWAS respectively.

PUBLIC NOTICE
Notice is hereby given on behalf of Mr. Shahrukh Khan to inform to the public at large that Mr. Shahrukh Khan is purchasing the Freehold Residential Flat No.3/1 & 3/2 on 3rd Floor, admeasuring 700 Sq. Ft., built on Plot No. C-93, situated at DLF Dilshad Extension-II, Village Brahampur @ Bhopura, Pargana Loni, Tehsil & District Ghaziabad, U.P. from Mohd. Tanveer Saleem & Mrs. Nikhat Saleem who owned the said property vide Sale Deed Dated 21.12.2015 (Document No.9571) & Sale Deed Dated 04.12.2019 (Document No.9944) and same to be financed & mortgaged by Hinduja Housing Finance Ltd., Branch-Loni. That, (1) Original Sale Deed dated 24.08.2012 (Doc. No.9667) executed by Mr. Vikas Kumar in favour of Mrs. Shabnam and (2) Original Regd. General Power of Attorney dated 19.10.2012 (Doc. No.365) executed by Mrs. Shabnam in favour of Mrs. Heena Parveen are lost. So, to comply the requirements of BANK/NBFC, we give this public notice that if any Person having any type of claim/right/title/interest/creating mortgage over the said property, may inform in writing, at the address mentioned below, about his objections, within 7 days from today, failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, lien etc.

Advocate Abhishek Singh
B-82, Ground Floor,
DLF Dilshad Extn.-II,
Bhopura, Ghaziabad, U.P.-201005
Mobile: 7706007066, 9310370510
Email: advabhisingh1993@gmail.com

NAME CHANGE
I Shefali Gupta D/o Rakesh Gupta R/o 37/19-D, The Mall, Opp R.B.I, Kanpur Nagar, Uttar Pradesh - 208001, have changed my name to Shambhavi Gupta

NAME CHANGE
I hitherto known as Anjum Bano W/o Salim Khan R/o H.No-43, Gali No 2, Mamchand Tyagi Colony, Bhangel, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201304 have changed my name and shall hereafter be known as Tarannum Bano.

NAME CHANGE
I, Rahul Jaiswal S/o Chandra Prakash Jaiswal R/o D41/29, Rampura, District-Varanasi, Uttar Pradesh - 221001, have changed my minor daughter's name from Sharmistha Jaiswal aged 12 years to Dishita Jaiswal forever.

NAME CHANGE
I RAMAVTAR SHARMA S/O HARPAL SHARMA R/O Preet Vihar Colony Dadri, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-203207, have changed the name of my minor son AVINASH BHARDWAJ aged 15 years and he shall hereafter be known as UDIT SHARMA.

NAME CHANGE
I, Ashutosh Singh S/o Shri Anil Kumar Singh R/o Dehari, Kotwari, Dist- Ballia, Uttar Pradesh - 221712, have changed my minor daughter's name from Pari Singh aged 09 years to Advika Singh forever.

Public Notice
It is for general information that I, RUBIKA ROSE D/o Harshal Rose and Ex W/o Vicky Vishal Tuck R/o 150/3, Ground Floor Sector-3 Vasundhara Ghaziabad Uttar Pradesh- 201012 declare that I got divorce from my husband vide court decree IDA No.04/2025 dated 30/01/2025, have changed the name of my minor daughter MISHEL TUCK aged 9 years and she shall hereafter be known as MISHEL ROSE respectively, which may be amended accordingly

NAME CHANGE
I hitherto known as DALIP KUMAR S/o SH. RAVINDER KUMAR, residing at 11018, Gali Peepal Wali, Motia Khan, Pahar Ganj, PO: Swami Ram Tirth Nagar, Dist: Central Delhi, Delhi-110055, have changed my name and shall hereafter be known as DILEEP KUMAR PANDEY, for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SHAILA DEVI is legally mother of No. 15717764N Rank- HAV Name SANYOG KUMAR presently residing at VILL-KATAUNA, THANA-KATRISARAI, KATAUNA (PARTIN GIRIAK), NALANDA, (BIHAR)-805130 have changed my name from SHAILA DEVI to SUMITRI DEVI for all future purposes. Vide Affidavit Dated 21/01/2026 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as YUDHVEER S/O VED PRAKASH R/O V.P.O, Ujwa, South West Delhi, Delhi-110073 have changed my name and shall hereafter be known as YUDHVEER TEHLAN.

NAME CHANGE
I, RAHUL PANDEY S/O RAJENDRA PRASAD PANDEY R/O House No. 1137., Sector-2, NH-24, Pinewood Enclave, Wave City, Ghaziabad, PO:Kavi Nagar. DIST:Ghaziabad, Uttar Pradesh, 201002, have changed the name of my minor son PRIYAM PANDEY alias RUDRA PANDEY aged 9 years and he shall hereafter be known as PRIYAM PANDEY.

NAME CHANGE
I, ANESWAR RABHA Father of No. 6506161M Rank-SEP Name-JYOTI PRASAD RABHA Residing at-VILL-TILA PARA, P O-DWARKA, PS-LAKHIPUR, DIST-GOALPARA, ASSAM- 783120, have changed my name from ANESWAR RABHA to ANASWAR RABHA for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 10/01/1959 instead of my correct date of birth as 10/09/1960 Vide Affidavit dated 21/01/2026 before Notary Public Delhi

NAME CHANGE
I, NEWALI RABHA mother of No. 6506161M Rank-SEP Name-JYOTI PRASAD RABHA Residing at-VILL-TILA PARA, P O-DWARKA, PS-LAKHIPUR, DIST-GOALPARA, ASSAM- 783120, have changed my name from NEWALI RABHA to NEULI RABHA for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 05/01/01970 instead of my correct date of birth as 15/07/1970 Vide Affidavit dated 21/01/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, NIRANJAN KUMAR S/O ISHWAR SINGH R/O 24, BAGDOLA VILLAGE, SECTOR-8, DWARKA, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110077 HAVE CHANGED MY NAME TO NIRANJAN SINGH FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
It is for general information that I SAILESH KUMAR SINGH S/o GARJU SINGH R/o RZ-643/401, Shiv Puri, West Sagar Pur, Sagarpur, Nangal Raya, South West Delhi, Delhi-110046, declare that name of mine has been wrongly written as SHOLESH KUMAR in my minor Son namely DURGESH aged 14 years in his School record. The actual name of mine is SAILESH KUMAR SINGH, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I SAILESH KUMAR SINGH S/o GARJU SINGH R/o RZ-643/401, Shiv Puri, West Sagar Pur, Sagarpur, Nangal Raya, South West Delhi, Delhi-110046, declare that name of mine has been wrongly written as SHAILESH KUMAR in my minor daughter namely DIVYA KUMARI aged 15 years in her School record. The actual name of mine is SAILESH KUMAR SINGH, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I ATAUL RAHMAN S/O Abdul kalam House no c- 16 kh no 135 Ist floor Street no 9 Near pusta road wazirabad village delhi - 110084.have changed my name to ATAUR RAHMAN

NAME CHANGE
I hitherto known as Archit Kumar Duhoon S/O Sukrampal Singh, R/O B-95, Pallav Puram Phase- 1, modipuram, PO - modipuram, DIST: Meerut, Uttar Pradesh - 250110, have change my name and shall hereafter be known as ARCHIT DUHOON.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नामः **ललित छाबड़ा, पुत्रः सुरेंद्र कुमार छाबड़ा, निवासीः मकान नंबर सी–354, न्यू पंचवटी कॉलोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) जिसके विरुद्ध **FIR No.362/2025 Dt.23.09.2025 U/S 316(2)/318(2)/336(3) भारतीय न्याय संहिता, 2023** के तहत एक मामला **थाना शाहीन बाग, दक्षिण पूर्वी जिला, नई दिल्ली** में दर्ज किया गया है और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया है कि अभियुक्त **ललित छाबड़ा** नहीं मिला या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि अभियुक्त **ललित छाबड़ा** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा है कि **FIR No.362/2025 Dt.23.09.2025 U/S 316(2)/318(2)/336(3) भारतीय न्याय संहिता, 2023, थाना शाहीन बाग, दक्षिण पूर्वी जिला, नई दिल्ली** के अभियुक्त **ललित छाबड़ा** को उक्त परिवाद का जवाब देने के लिए दिनांक **02.03.2026** को या उससे पहले अदालत के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।

आदेशानुसार, सुश्री छवि बंसल
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–11
दक्षिण पूर्व जिला, न्यायालय संख्या 9,
साकेत न्यायालय, नई दिल्ली

DP/919/SE/2026
(अदालती मामला)

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणा में वेटनरी सर्जन की 162 पदों की भर्ती रद्द

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा लोक सेवा आयोग ने प्रदेश में वेटनरी सर्जन के 162 पदों की भर्ती प्रक्रिया को रद्द कर दिया है। यह विज्ञापन 14 जनवरी को जारी किया गया था, जिसे वापस ले लिया गया है। आयोग ने इस संबंध में पत्र जारी कर दिया है। हरियाणा लोक सेवा आयोग के द्वारा वेटनरी सर्जन के 162 के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई थी। जिसमें जनरल के लिए 46, डीएससी के लिए 21, ओएससी के लिए 21, बीसी ए के लिए 46, बीसीबी के लिए 12 व ईडब्ल्यूएस के लिए 16 पद रिजर्व रखे गए हैं। इस भर्ती में करीब रिजर्व कैटेगरी के 40 पद बैकलॉग के शामिल हैं, जिसमें डीएससी के लिए 5, ओएससी के लिए 4, बीसी ए के लिए 29, बीसी बी के 2 पद शामिल हैं। अब आयोग द्वारा इन भर्तियों को लेकर नए सिरे से आदेश।

आत्महत्या करने वाले एएसआई की पत्नी को मिली सरकारी नौकरी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने रोहतक के एएसआई संदीप लाठर की आत्महत्या के बाद उनकी पत्नी संतोष कुमारी को ग्रुप बी (पोस्ट ग्रेजुएट टीचर) पद पर नियुक्ति प्रदान कर दी है। इस संबंध में मंगलवार रात आदेश जारी किए गए हैं। संतोष कुमारी को कैम्पस स्कूल, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू), रोहतक में पीटीजी मैथ के पद पर नियुक्त किया गया है। एएसआई संदीप लाठर ने 14 अक्टूबर को गांव लाढौत से धामड़ रोड पर अपने मामा के खेतों में बने कोठड़े की छत पर जाकर अपनी सर्विस रिवाल्वर से गोली मारकर आत्महत्या की थी। उससे पहले उन्होंने एक वीडियो भी रिकॉर्ड किया था और चार पेज का एक सुसाइड नोट भी लिखा था, जिसमें संदीप ने आईपीएस वाई पूरन कुमार पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए थे। एएसआई संदीप लाठर द्वारा आत्महत्या किए जाने के बाद पिछले साल 16 अक्टूबर को केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने उनकी पत्नी को नौकरी प्रदान करने का ऐलान किया था। एक जनवरी को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई थी। अब सरकार ने मंगलवार की रात संदीप कुमार की पत्नी संतोष कुमारी की नियुक्ति के आदेश जारी किए गए हैं। हरियाणा में ग्रुप बी के तहत(पोस्ट ग्रेजुएट टीचर) का वेतन सातवें वेतन आयोग के अनुसार 47,600 रुपए से 1,51,100 रुपए प्रति माह के वेतनमान में होता है, जिसमें ग्रेड पे 4800 रुपए शामिल है, साथ ही महंगाई भत्ता, मकान किराया भत्ता और अन्य भत्ते भी जुड़कर कुल इन-हैंड सैलरी मिलती है, जो लगभग 85,000 रुपए या उससे अधिक भी हो सकती है।

हाई कोर्ट ने दुष्कर्म एवं हत्या मामले में झज्जर ट्रायल कोर्ट के फैसले पर लगाई रोक

चंडीगढ़। हरियाणा के झज्जर जिले में पांच साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म एवं हत्या के मामले में ट्रायल कोर्ट द्वारा दिए गए फैसले को पंजाब-हरियाणा उच्च न्यायालय ने बदल दिया। उच्च न्यायालय ने दोषी विनोद उर्फ मुन्ना को सुनाई गई फांसी की सजा को रद्द कर दिया है। जस्टिस अनूप चितकारा और जस्टिस सुखविंदर कौर की खंडपीठ ने मामले में प्रक्रियात्मक खामियां पाते हुए इसे दोबारा ट्रायल के लिए भेजने का निर्णय लिया है। वारदात 21 दिसंबर 2020 को झज्जर के छावनी एरिया में हुई थी। यहां एक रजमिस्त्री अपने परिवार के साथ रहता था। उनके पास ही 26 साल का विनोद कुमार उर्फ मुन्ना भी रहता था। उसने बच्ची का अपहरण किया और रेप के बाद हत्या कर दी। पांच साल की बच्ची का रेप कर मर्डर करने का यह केस झज्जर में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश हेमराज की फास्ट ट्रैक कोर्ट ने सभी सबूतों को देखते हुए सोमवार 29 नवंबर, 2021 को वारदात के 11 महीने बाद विनोद उर्फ मुन्ना को दोषी ठहराते हुए विनोद को फांसी की सजा सुनाई, जिसे न्यायालय में चुनौती दी गई। सुनवाई के दौरान यह बात सामने आई कि डीएनए रिपोर्ट और अन्य महत्वपूर्ण फोरेंसिक साक्ष्य आरोपित के सामने स्पष्ट रूप से नहीं रखे गए थे। आरोपित को इन साक्ष्यों पर अपना पक्ष रखने या स्पष्टीकरण देने का अवसर नहीं मिला, जिसे उच्च न्यायालय ने 'ट्रायल का दूषित होना' करार दिया। ट्रायल कोर्ट ने आरोपित के समक्ष सभी आपराधिक परिस्थितियां नहीं रखी, जो कानूनी प्रक्रिया के तहत अनिवार्य है। उच्च न्यायालय के आदेश के बाद अब यह मामला वापस झज्जर में अदालत में जाएगा।

हरियाणा में चिराग योजना के तहत शामिल छात्रों के लिए फिर खुलेगा पोर्टल

चंडीगढ़। हरियाणा में चिराग योजना के तहत दाखिले से वंचित रह गए छात्रों को शिक्षा विभाग ने राहत दी। स्कूल शिक्षा निदेशालय ने तय किया है कि योजना का चेकिंग पोर्टल दोबारा खोला जाएगा, ताकि पात्र छात्र अपने दस्तावेज अपलोड कर सकें। पोर्टल 23 से 30 जनवरी तक खुला रहेगा। इस दौरान छात्र अपनी मार्कशीट और अन्य जरूरी कागजात अपलोड कर पाएंगे। शिक्षा विभाग के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2025-26 में 10वीं कक्षा के परिणाम देर से घोषित हुए थे। दाखिले की समय-सीमा 1 अप्रैल से 30 अप्रैल 2025 तक थी, जबकि 10वीं का रिजल्ट 15 जून 2025 को आया। इसी कारण कई पात्र छात्र चिराग योजना के तहत समय पर दाखिला नहीं ले सके। ऐसे छात्र जिन्होंने 15 जुलाई 2025 तक 11वीं में दाखिला ले लिया, लेकिन योजना के तहत उनका डेटा अपलोड नहीं हो पाया, उन्हें अब मौका दिया जाएगा। ये छात्र पोर्टल खुलने के दौरान अपनी जानकारी और दस्तावेज जमा कर सकेंगे। निदेशालय ने यह भी बताया कि 276 निजी स्कूलों को कुछ कक्षाओं के लिए अपात्र पाया गया है। कारण यह है कि इन स्कूलों ने अपनी मान्यता से जुड़े पूरे दस्तावेज पोर्टल पर अपलोड नहीं किए।

मानेसर में बनाए जाएंगे आयुष्मान आरोग्य मंदिर: आरती राव

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती राव ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए मानेसर में आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की स्थापना की जाएगी। आमजन को स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया करवाने के लिए मानेसर निगम क्षेत्र में सीएचसी, पीएचसी में सुविधाओं को बढ़ाया जाएगा। गुरुग्राम जिला में बन रहे सरकारी अस्पताल में मरीजों के लिए बेड्डों की संख्या को बढ़ाकर 600 किया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री आरती राव ने मंगलवार को मानेसर निगम क्षेत्र में विभिन्न वार्डों में पार्षदों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में दौरा करते हुए यह बात कही।

उन्होंने आमजन का धन्यवाद करते हुए कहा कि क्षेत्र की जनता की बदौलत ही प्रदेश में लगातार तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है। यहां के लोगों के हितों के लिए वे पुरजोर कोशिश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि दक्षिण हरियाणा के

लोगों ने उनके पिता व केंद्र में राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह का हमेशा साथ दिया है। क्षेत्र के लोगों द्वारा दी गई ताकत से ही वे दक्षिण हरियाणा में विकास के लिए आवाज बुलंद कर रहे हैं। राव इंद्रजीत सिंह के कार्यकाल में ही द्वारका एक्सप्रेस-वे जैसा मील का पत्थर गुरुग्राम जिला को नई पहचान दिला रहा है। इसके अलावा हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर बनने से जिला के विकास को पंख लगेंगे। इतना ही नहीं आरआरटीएस प्रोजेक्ट भी गुरुग्राम विशेषकर मानेसर क्षेत्र को नई पहचान दिलाएगा। आरती राव ने गांव कासन में पार्षद भूपेंद्र सिंह द्वारा आयोजित कार्यक्रम में गांव के विकास के लिए 11 लाख रुपये देने की घोषणा की। ग्रामीणों ने एक मांग पत्र भी स्वास्थ्य मंत्री को सौंपा। इसके उपरांत मानेसर सेक्टर-1 में पार्षद रविंद्र यादव के आवास पर, गांव बढ़ा में पार्षद प्रताप सिंह और गांव हयातपुर में मेयर डॉ इंद्रजीत कौर यादव के आवास पर आयोजित कार्यक्रम में जनता को संबोधित किया।

इस दौरान महानगर गुरुग्राम के जिला अध्यक्ष अजीत यादव, पटौदी मार्केट कमेटी के चेयरमैन मनोज मोकलवास, नगर निगम के संयुक्त आयुक्त लोकेश यादव, पार्षद रवि यादव, प्रवेश यादव, पिंकी कुमारी, रामप्रकाश, नामित पार्षद सत्यदेव, प्रोफेसर हंसराज यादव, मास्टर बलबीर सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

तंजानिया के साथ कृषि कारोबार को बढ़ाएगा हरियाणा

एजेंसी

चंडीगढ़। तंजानिया और हरियाणा राज्य के बीच व्यापार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हरियाणा विदेश सहयोग विभाग एवं नागरिक उड्डयन विभाग की प्रधान सचिव अमनीत पी. कुमार की अध्यक्षता में अहम बैठक हुई। इसमें व्यापारियों एवं प्रगतिशील किसानों के साथ तंजानिया में कृषि गतिविधियों के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक के दौरान तंजानिया में कृषि यंत्रों की संभावित मांग, विभिन्न क्षेत्रों के अनुरूप फसल चयन, बागवानी एवं दलहन फसलों की संभावनाएं, सिंचाई के लिए जल उपलब्धता तथा विद्युत आपूर्ति जैसे विषयों पर बिंदुवार चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त खनन (माइनिंग) क्षेत्र से जुड़े व्यापारियों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न मुद्दे एवं प्रश्न भी बैठक के समक्ष रखे गए। अमनीत पी. कुमार ने व्यापारियों एवं किसानों द्वारा प्रस्तुत सभी सुझावों और प्रश्नों को गंभीरता से सुना एवं आश्वस्त किया कि हरियाणा सरकार अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक संरचित, पारदर्शी और व्यावहारिक दृष्टिकोण के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि व्यापारियों और किसानों को तंजानिया में निवेश एवं कृषि गतिविधियों से जुड़ी सभी आवश्यक जानकारियां समयबद्ध और सटीक रूप से उपलब्ध कराई जाएं। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि तंजानिया में संभावनाओं के आकलन के लिए सर्वेक्षण, फील्ड स्टडी एवं अन्य आवश्यक कार्यों के लिए संबंधित विभागों एवं अधिकारियों की स्पष्ट जिम्मेदारियां निर्धारित की जाएंगी ताकि आगे की कार्ययोजना को प्रभावी रूप से क्रियान्वित किया जा सके।

स्वास्थ्य विभाग गांवों में चलाएगा जागरूकता अभियान, जहां लड़कियां हैं कम

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के स्वास्थ्य विभाग के महानिदेशक डॉ कुलदीप सिंह ने कहा कि सभी जिला सिविल सर्जन अपने-अपने क्षेत्र के उन गांवों पर फोकस करें जिन गांवों में लड़कियों का अनुपात लड़कों की तुलना में काफी कम है। ऐसे गांव में अगर कोई लिंग जांच करवाने वाले असामाजिक व्यक्ति सक्रिय हैं तो उनकी सूचना पुलिस और स्वास्थ्य विभाग में अवश्य दी जानी चाहिए।

डॉ कुलदीप सिंह आज यहां लिंगानुपात में सुधार के लिए गठित की गई स्पेशल टॉस्क फोर्स की साप्ताहिक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। डॉ कुलदीप सिंह ने जिला स्तर के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे सरकारी अस्पतालों, जिला एवं तहसील स्तर के सचिवालयों एवं अन्य भीड़ वाले सार्वजनिक स्थानों पर मैप बना कर उन गांवों को विशेष रंग से प्रदर्शित करें जिन गांवों में लिंगानुपात की दर काफी कम है। इससे गांव के सभी मौजिज लोगों को अपने गांव में लिंगानुपात की दर बढ़ाने के लिए प्रेरणा मिलेगी।

उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उन जिला के सिविल सर्जनों तथा पीएनडीटी के नोडल ऑफिसर्स से भी बात की, जिन जिलों में लड़कियों के लिंगानुपात की दर 900 से कम है। उन्होंने गत वर्ष लिंगानुपात की जांच करने वाले संभावित ठिकानों पर रैड न करने वाले तथा बहुत कम करने वाले अधिकारियों से भी जवाब तलबी की और चालू माह जनवरी 2026 में अधिक से अधिक रेड करने के निर्देश दिए।

हरियाणा के राज्यपाल पंचकूला तो मुख्यमंत्री गुरुग्राम में करेंगे ध्वजारोहण

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में गणतंत्र दिवस के अवसर पर इस बार 26 जनवरी के प्रदेश स्तरीय आयोजन पंचकूला में होगा। यहां राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ध्वजारोहण करेंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी गुरुग्राम के आयोजन में मुख्यातिथि होंगे। 'एट होम' का आयोजन चंडीगढ़ स्थित हरियाणा लोकभवन (राजभवन) में होगा। प्रदेश सरकार की तरफ से जारी सूचना के अनुसार प्रदेश के सभी 23 जिला मुख्यालयों के अलावा उपमंडल स्तर पर भी बड़े आयोजन होंगे। हरियाणा के नये और 23वें जिले हांसी में पहली बार जिला स्तर पर गणतंत्र दिवस समारोह होगा। यहां केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ध्वजारोहण करेंगे। हरियाणा के मुख्यमंत्री रहते हुए मनोहर लाल ने ही हांसी को पुलिस जिला बनाया था। हांसी को जिला बनाने में भी उनकी अहम भूमिका रही है।

अंबाला में राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा, भिवानी में जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर सिंह गंगवा, चरखी दादरी में सांसद धर्मबीर सिंह, फरीदाबाद में स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव, फतेहाबाद में हरियाणा विधानसभा उपाध्यक्ष डॉ कृष्ण लाल मिड्ढा, हिसार में शिक्षा एवं संसदीय कार्य मामले मंत्री महिपाल सिंह ढांडा तथा झज्जर में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले राज्य मंत्री राजेश नागर ध्वजारोहण करेंगे। जींद में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी, कैथल में सांसद नवीन जिंदल, करनाल में विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण, कुरुक्षेत्र में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी, महेंद्रगढ़ में उद्योग मंत्री राव नरबीर सिंह, नूंह में सांसद सुभाष बराला, पलवल में सांसद रामचंद्र जांगड़ा, पानीपत में विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार तथा रेवाड़ी में युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता राज्य मंत्री गौरव गौतम मुख्यातिथि होंगे। रोहतक में सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा, सिरसा में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री विपुल गोयल, सोनीपत में कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा, यमुनानगर में ऊर्जा मंत्री अनिल विज राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे। नारायणगढ़ में मंडल आयुक्त, बराड़ा में उपमंडल अधिकारी (नागरिक), लोहारू में बवानी खेड़ा के विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि, तोशाम में जिला परिषद, चरखी दादरी के चेयरमैन मनदीप डालावास, सिवानी में भिवानी विधायक घनश्याम सर्राफ, बाढड़ा में स्थानीय विधायक उमेद सिंह पातुवास गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। सरकार ने विधायकों की ड्यूटी उनके हलकों में लगाई है।

दो रेलवे स्टेशनों को मर्ज कर एक नया स्टेशन बनाने की मांग

-आसौदा रेलवे स्टेशन को हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर पर शिफ्ट करने से तमाम यात्रियों को होगी सुविधा

एजेंसी

झज्जर। आसौदा व आसपास के गांवों के निवासियों ने दिल्ली-रोहतक रेल मार्ग पर स्थित वर्तमान 'आसौदा' रेलवे स्टेशन और हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर पर बनने वाले वाले 'न्यू आसौदा' रेलवे स्टेशन को मर्ज कर एक संयुक्त रेलवे स्टेशन बनाने की मांग की है। ग्रामीणों के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार देर रात दिल्ली में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात कर इस संबंध में ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है की संयुक्त रेलवे स्टेशन से आसपास के दर्जनों गांवों के हजारों यात्रियों को सुविधा होगी। कुंडली-मानेसर-पलवल तक बनने वाले हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर का काम तेजी से चल रहा है। बहादुरगढ़ के पास इस लाइन का स्टेशन 'न्यू आसौदा' के नाम से बनाया जा रहा है, जो मौजूदा 'आसौदा' रेलवे स्टेशन से 850 मीटर दूर है। लेकिन आसपास के ग्रामीण ऑर्बिटल

कॉरिडोर वाले 'न्यू आसौदा' स्टेशन को आधुनिक तर्ज पर एलिवेटेड बनाकर उसके नीचे ही मौजूदा 'आसौदा' स्टेशन को शिफ्ट करने की मांग कर रहे हैं। ऐसा करने से यात्रियों को एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन तक जाने के लिए लगभग 850 मीटर तक पैदल नहीं चलना पड़ेगा और वे एक लाइन की ट्रेन से उतरकर आसानी के साथ दूसरी लाइन की ट्रेन में सवार हो सकेंगे। ग्रामीणों का प्रतिनिधिमंडल सोमवार रात दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मिला और उन्हें सारी स्थिति से अवगत कराते हुए उक्त मांग की। ग्रामीणों की तरफ से जिले सिंह ने बताया कि वे वर्ष 2020 से इसके लिए कोशिश कर रहे हैं। आसपास के पांच शहरों और 23 गांव के लोग अनेक नेताओं व अफसरों से रूबरू हो चुके हैं। इस स्टेशन के शिफ्ट होने से रोहतक, पलवल, सोनीपत व दिल्ली से आने वाले सभी यात्रियों को फायदा होगा, रूट बदलने के लिए आमजन को परेशान नहीं होना पड़ेगा। प्रतिनिधि मंडल ने भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष राजपाल जांगड़ा और युवा भाजपा अध्यक्ष ऋषि भारद्वाज के साथ मुख्यमंत्री से मुलाकात की। ऋषि भारद्वाज ने इसको क्षेत्र के विकास की गति को बढ़ाने वाला कार्य बताया व कहा कि मौजूदा स्टेशन को शिफ्ट कर मर्ज करने से सरकार का हजारों करोड़ खर्च भी बचेगा। एक किलोमीटर के अंदर दो स्टेशनों को मेंटेन करने से अच्छा है, दोनों एक ही जगह शिफ्ट हो जाएं। राजपाल शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री सैनी ने इसके लिए आश्वासन दिया कि सारी जानकारी को समझकर इसके लिए जरूर कार्रवाई की जाएगी। प्रतिनिधि मंडल में रोहतास जांगड़ा व पंडित दिलबाग सहित कई ग्रामीण शामिल रहे।

बजट से पहले शहरों की समस्याएं जानेंगे मुख्यमंत्री

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी आगामी बजट पेश करने से पहले शहरी क्षेत्रों में जाकर लोगों की समस्याओं को जानेंगे। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में शहरी स्थानीय निकायों की एक अहम समीक्षा बैठक होने जा रही है। मुख्यालय स्तर से प्रदेश के सभी नगर निगमों, नगर परिषदों और नगर पालिकाओं के अधिकारियों को पत्र जारी कर बैठक के लिए तैयार रहने के निर्देश दे दिए गए हैं। शहरी स्थानीय निकाय विभाग की ओर से जारी पत्र में स्पष्ट किया गया है कि बैठक की सूचना अलग से दी जाएगी, लेकिन सभी आयुक्तों और जिला नगर आयुक्तों को निर्देश दिए गए हैं कि वे तय एजेंडे के अनुसार पूरी तैयारी और अद्यतन रिपोर्ट के साथ बैठक में उपस्थित हों। इसके साथ ही बैठक का विस्तृत एजेंडा भी अधिकारियों को पहले ही भेज दिया गया है, ताकि चर्चा तथ्यपरक और परिणामोन्मुख हो सके। प्रस्तावित बैठक को बजट निर्माण की प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण चरण माना जा रहा है। सरकार का उद्देश्य है कि आगामी बजट तैयार करने से पहले शहरी क्षेत्रों की वास्तविक जरूरतों, चुनौतियों और संभावनाओं को सीधे फील्ड से समझा जाए।

बैठक के दौरान नगर निकाय अधिकारी मुख्यमंत्री के समक्ष यह रखेंगे कि तेजी से बढ़ते शहरीकरण के बीच शहरों को किन-किन बुनियादी सुविधाओं की तत्काल आवश्यकता है। पेयजल आपूर्ति, सीवरेज व्यवस्था, सड़कों की हालत, स्ट्रीट लाइट, ठोस कचरा प्रबंधन, शहरी परिवहन और नागरिक सेवाओं की गुणवत्ता जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा होगी। शहरी स्थानीय निकाय विभाग द्वारा भेजे गए एजेंडे के अनुसार बैठक में केंद्र और राज्य सरकार की प्रमुख योजनाओं की प्रगति की समीक्षा भी होगी। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, मुख्यमंत्री घोषणाओं और बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन की स्थिति पर अधिकारियों को अद्यतन रिपोर्ट देनी होगी।

परीक्षाओं में सिखों को कृपाण और विवाहित महिलाओं को मंगलसूत्र पहनने की छूट

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने राज्य में स्कूलों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों तथा विभिन्न भर्ती एजेंसियों की आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं के दौरान सिख विद्यार्थियों, अभ्यर्थियों को कृपाण पहनने तथा विवाहित महिला अभ्यर्थियों को मंगलसूत्र पहनने की छूट प्रदान कर दी है।

प्रदेश में यह मांग कई वर्षों से चली आ रही थी। हर बार भर्ती परीक्षाओं के दौरान मंगल सूत्र उतरवाने तथा कृपाण की जांच करने को लेकर विवाद होता था। यह निर्णय दिल्ली उच्च न्यायालय तथा पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के विभिन्न निर्णयों के आधार पर लिया गया है, जिनमें धार्मिक एवं सांस्कृतिक अधिकारों के संरक्षण के साथ-साथ परीक्षाओं के निष्पक्ष और सुव्यवस्थित संचालन पर बल दिया गया है। राज्य सरकार ने सभी प्रशासनिक सचिवों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने अधीनस्थ विभागों, बोर्डों, निगमों, विश्वविद्यालयों और भर्ती एजेंसियों के प्रमुखों को आवश्यक आदेश जारी करें, ताकि परीक्षा ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों,

पर्यवेक्षकों एवं सुरक्षा कर्मियों को इन दिशा-निर्देशों की पूरी जानकारी रहे और किसी भी स्तर पर अभ्यर्थियों को अनावश्यक असुविधा का सामना न करना पड़े।

हरियाणा के मुख्य सचिव कार्यालय से जारी अधिसूचना के अनुसार विभिन्न परीक्षाओं में शामिल होने वाले सिख विद्यार्थियों और अभ्यर्थियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप कृपाण पहनने और साथ ले जाने की अनुमति प्रदान की गई है। इन दिशा-निर्देशों के अनुसार कृपाण की कुल लंबाई 9 इंच से अधिक नहीं होनी चाहिए, जबकि उसकी धार की लंबाई 6 इंच से अधिक न हो। ऐसे अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र पर निर्धारित समय से कम से कम एक घंटा पूर्व रिपोर्ट करने की सलाह दी गई है, ताकि आवश्यक जांच और औपचारिकताएं समय पर पूर्ण की जा सकें। अधिसूचना में यह भी स्पष्ट किया गया है कि विवाहित महिला अभ्यर्थियों को परीक्षा के दौरान मंगलसूत्र पहनने की अनुमति होगी। ऐसे अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र पर निर्धारित समय से कम से कम 30 मिनट पूर्व उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे आवश्यक प्रक्रियाएं सुचारू रूप से संपन्न की जा सकें।

गुटबाजी पर नेताओं से होगी जवाब-तलबी: बड़ौली

एजेंसी

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में चल रही गुटबाजी की खबरों पर विराम लगाते हुए प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने स्पष्ट किया है कि पार्टी में गुटबाजी के लिए कोई स्थान नहीं है। पार्टी में अनुशासनहीनता को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।भाजपा के गुरुग्राम तथा फरीदाबाद में हुए कार्यक्रमों के दौरान शीर्ष नेताओं व जिला पदाधिकारियों के बीच हुए विवाद इन दिनों चर्चा का विषय बने हुए हैं। दो केंद्रीय मंत्रियों तथा प्रदेश के मंत्रियों की बयानबाजी लगातार चल रही है। प्रदेश अध्यक्ष ने मंगलवार को कहा कि इस तरह के घटनाक्रम का संज्ञान लेते हुए कहा कि किसी भी नेता द्वारा एक-दूसरे के विरुद्ध बयानबाजी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बड़ौली ने कहा कि फरीदाबाद, रेवाड़ी, गुरुग्राम में हुए घटनाक्रम संज्ञान में आ चुके हैं। जल्द ही वहां के नेताओं को बुलाकर उनका पक्ष सुना जाएगा। संगठन से जुड़े जिला स्तरीय नेताओं से भी बातचीत की जाएगी। इस तरह के घटनाक्रम भविष्य में न हों इसका विशेष ध्यान रखा जाएगा। एक सवाल के जवाब में प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में हरियाणा के बीस नेता प्रस्तावक बने हैं। नितिन नबीन पहले भी हरियाणा आ

चुके हैं। अब वह हरियाणा भाजपा की पहली बैठक लेंगे, जिसमें मुख्यमंत्री नायब सैनी के अलावा संगठन मंत्री व अन्य नेता शामिल होंगे। इस बैठक में प्रदेश से जुड़े कई अहम विषयों पर फैसला लिया जाएगा। हरियाणा भाजपा अध्यक्ष की नई नियुक्ति पर बड़ौली ने कहा कि इस बारे में फैसला राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय नेतृत्व को लेना है। पार्टी हाईकमान का जो भी निर्णय होगा उन्हें स्वीकार होगा।

बायो मेडिकल वेस्ट निस्तारण को विशेष स्वच्छता अधिकारी ने किया प्लांट का निरीक्षण

एजेंसी

हिसार। शहर में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने तथा ब्लक वेस्ट जनरेटर और बायो मेडिकल वेस्ट के उचित निस्तारण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विशेष स्वच्छता अधिकारी हरबीर सिंह ने कचरा निस्तारण करने वाली एजेंसियों के प्लांट का निरीक्षण किया। यह निरीक्षण शहर में उत्पन्न हो रहे विभिन्न प्रकार के कचरे के वैज्ञानिक और सुरक्षित निपटान की प्रक्रिया को परखने के लिए किया गया। इस दौरान सीटीएम प्रदीप जाखड़ व तकनीकी एक्सपर्ट जसवीर कुंडू भी मौजूद रहे।

विशेष स्वच्छता अधिकारी हरबीर सिंह ने मंगलवार को बताया कि सेक्टर 27-28 में स्थित सनरजी एजेंसी द्वारा शहर के विभिन्न अस्पतालों, नर्सिंग होम और स्वास्थ्य संस्थानों से आने वाले बायो मेडिकल वेस्ट को एकत्रित कर उसका निस्तारण करती है। उन्होंने एजेंसी की कार्यप्रणाली, सुरक्षा मानकों, कचरे के संग्रहण, छंटाई और निस्तारण की प्रक्रिया का गहनता से जायजा लिया गया। इसके अलावा स्वच्छता विशेष अधिकारी ने शहर के

ब्लक वेस्ट जनरेटरों के कचरे का निस्तारण करने वाली एजेंसी के प्लांट का भी निरीक्षण किया। ब्लक वेस्ट जनरेटर में सिनेमा हॉल, होटल, रेस्टोरेंट, ढाबे, बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठान और अन्य संस्थान शामिल हैं, जहां से बड़ी मात्रा में कचरा उत्पन्न होता है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि एजेंसी द्वारा कचरे की छंटाई का कार्य किया जा रहा है तथा इसके लिए आवश्यक ढांचा तैयार किया जा चुका है। एजेंसी द्वारा पिट का निर्माण भी पूरा कर लिया गया है और शीघ्र ही प्लांट में नियमित रूप से कचरा निस्तारण का कार्य शुरू कर दिया जाएगा। विशेष स्वच्छता अधिकारी हरबीर सिंह ने बायो मेडिकल वेस्ट जनरेटर करने वाले सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य संस्थानों को निर्देश दिए कि वे कचरे को निर्धारित डस्टबिन में ही डालें। उन्होंने कहा कि हरे डस्टबिन में गीला कचरा, नीले डस्टबिन में सूखा कचरा, पीले डस्टबिन में सेनेटरी कचरा तथा काले डस्टबिन में हानिकारक कचरा डालना अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए।

हरियाणा में इंप्रूवमेंट ट्रस्ट के प्लाट धारकों की सेल डीड की मोहलत बढ़ी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने इंप्रूवमेंट ट्रस्ट स्कीम के तहत आवंटित प्लॉटों के मालिकों को बड़ी राहत देते हुए सेल डीड कराने की समय-सीमा बढ़ा दी है। लंबे समय से अपने प्लॉटों की रजिस्ट्री का इंतजार कर रहे हजारों लोगों को इस फैसले से फायदा मिलेगा। हालांकि सरकार ने यह राहत एक्सटेंशन फीस के साथ दी है, जिसे तय दरों के अनुसार जमा कराना होगा। राज्य सरकार की जारी अधिसूचना के अनुसार ने एक्सटेंशन फीस शहरों की श्रेणी के अनुसार तय की है। गुरुग्राम, फरीदाबाद और मानेसर नगर निगम क्षेत्र में खाली प्लाट के लिए 60 रुपये प्रति वर्ग मीटर प्रतिवर्ष

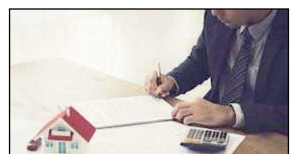

शुल्क देना होगा। अन्य नगर निगम क्षेत्रों में यह शुल्क 40 रुपये, नगर परिषदों में 30 रुपये और नगर पालिकाओं में 20 रुपये प्रति वर्ग मीटर निर्धारित किया गया है। जिन प्लॉटों पर निर्माण कार्य पूरा नहीं हुआ है और जिनके पास कंपलीशन सर्टिफिकेट नहीं है, उन्हें राहत देते हुए शुल्क आधा कर दिया गया है। ऐसे मामलों में गुरुग्राम, फरीदाबाद और मानेसर में 30 रुपये प्रति वर्ग मीटर, अन्य नगर निगमों में 20 रुपये, परिषदों में 15 रुपये और पालिकाओं में 10 रुपये प्रति वर्ग मीटर शुल्क देना होगा। उदाहरण के तौर पर, यदि गुरुग्राम, फरीदाबाद या मानेसर में पहली जनवरी, 1990 को आवंटित किसी खाली प्लाट की सेल डीड के लिए पहली जनवरी, 2025 को आवेदन किया जाता है, तो प्लाट मालिक को लगभग 3.96 लाख रुपये एक्सटेंशन फीस देनी होगी। वहीं नगर समिति क्षेत्र में यही शुल्क करीब 1.32 लाख रुपये बैठेगा।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के मुनाफे में 26 प्रतिशत का उछाल, 668 करोड़ रहा शुद्ध लाभ

तीसरी तिमाही में मार्जिन और एसेट क्वालिटी में दिखा मजबूत सुधार; रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना बने नए ब्रांड एंबेसडर

मुंबई ।

देश के प्रमुख एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही के शानदार नतीजे घोषित कर दिए हैं। बैंक का शुद्ध लाभ (पीएटी) वार्षिक आधार पर 26 प्रतिशत की बढ़त के साथ 668 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह आंकड़ा 528 करोड़ रुपये था। बैंक ने न केवल मुनाफे में बल्कि जमा राशि और ऋण वितरण में भी दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की है। जीएसटी दरों में कटौती और त्योहारी सीजन की मजबूत मांग ने बैंक के प्रदर्शन को नई ऊंचाई देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

बैंक के वित्तीय स्वास्थ्य के लिहाज से यह तिमाही काफी महत्वपूर्ण रही। नेट इंटरेस्ट मार्जिन पिछली तिमाही के 5.5 प्रतिशत से बढ़कर 5.7 प्रतिशत हो गया है। सबसे उत्साहजनक पहलू बैंक की एसेट क्वालिटी रही है, जहां सकल एनपीए घटकर 2.30 प्रतिशत पर आ गया है। साथ ही बैंक की ऋण लागत में 34 प्रतिशत की बड़ी कमी देखी गई है, जो बेहतर जोखिम प्रबंधन और अनुशासित अंडरराइटिंग का प्रमाण है। जमा पुस्तक में भी 23.3 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे कुल जमा राशि 1.38 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गई है।

बोर्ड ने बैंक के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए नेतृत्व के स्तर पर महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। उत्तम टिब्रेवाल अप्रैल 2026 के बाद भी डिप्टी सीईओ के रूप में कार्यभार संभालते रहेंगे, जबकि विवेक त्रिपाठी को होल टाइम डायरेक्टर (कार्यकारी निदेशक) के रूप में नियुक्त करने का प्रस्ताव दिया गया है। बैंक ने अपने गवर्नेंस ढांचे को और मजबूत करने के लिए तीन नए स्वतंत्र निदेशकों की भी नियुक्ति की है। तकनीकी मोर्चे पर बैंक अपनी प्रक्रियाओं को एआई-नेटिव आर्किटेक्चर में बदलने पर काम कर रहा है ताकि ग्राहकों को अधिक सुगम और सुरक्षित अनुभव मिल सके।

बैंक ने अपनी भौगोलिक उपस्थिति बढ़ाते हुए इस तिमाही में 100 नए टचपॉइंट जोड़े हैं, जिससे अब कुल नेटवर्क 2,726 केंद्रों तक पहुंच गया है।

चीन को लेकर भारत के रुख में नरमी के संकेत

नई दिल्ली।

करीब पांच वर्ष पहले गलवान घाटी की घटना के बाद भारत सरकार ने चीन के प्रति सख्त रुख दिखाया था। चीनी कंपनियों के निवेश, सरकारी खरीद और उत्पादों पर कड़े प्रतिबंध लगाए गए, साथ ही देशभर में चीनी सामान के बहिष्कार किया गया। लेकिन बदलते वैश्विक राजनीतिक समीकरणों के बाद मोदी सरकार चीन को लेकर अपनी रणनीति पर पुनर्विचार करती नजर आ रही है।

सरकारी सूत्रों के अनुसार, वर्ष 2020 के बाद चीनी कंपनियों की भारत में निवेश और सरकारी टेंडरों में भागीदारी पर कई स्तरों पर रोक लगी थी। अब यह समझ बन रही है कि यदि कोई निवेश देश में रोजगार सृजन करता है और घरेलू उत्पादन क्षमता को मजबूत करता है, तब उस निवेश को प्रोत्साहन मिलना चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार राष्ट्रवादी भावनाओं के बजाय अब आर्थिक लाभ और व्यावहारिक जरूरतों को महत्व दे रही है। हालांकि टेलीकॉम, रक्षा और रणनीतिक बुनियादी ढांचे जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में चीनी कंपनियों पर प्रतिबंध फिलहाल जारी रहेगा।

मोदी सरकार इसतरह के निवेश पर फोकस कर सकती है जो तकनीक हस्तांतरण के साथ बड़े पैमाने पर रोजगार उपलब्ध कराएं। नीति-निर्माताओं का मानना है कि निवेश को निवेशक की राष्ट्रीयता के बजाय उसकी गुणवत्ता और परियोजना की उपयोगिता के आधार पर आंका चाहिए। इसी दिशा में गैर-रणनीतिक क्षेत्रों में चीनी कंपनियों को सरकारी खरीद में सीमित अनुमति देने पर भी विचार हो रहा है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) से जुड़े नियमों में भी आंशिक ढील की संभावना है। कड़ी जांच प्रक्रिया को कुछ क्षेत्रों, जैसे रिन्यूएबल एनर्जी और मैन्युफैक्चरिंग, में आसान किया जा सकता है। केंद्र सरकार का तर्क है कि यदि वस्तुओं का निर्माण देश में संभव है, तब विदेशी पूंजी और तकनीक के जरिए रोजगार बढ़ाया जाना चाहिए।

जनवरी में रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में करीब 10 फीसदी की गिरावट आई

-कंपनी के रिफाइनिंग कारोबार पर भू-राजनीतिक तनाव का सीधा असर पड़ा

नई दिल्ली।

मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज के लिए साल 2026 की शुरुआत अच्छी नहीं रही। जनवरी में ही कंपनी के शेयरों में करीब 10 फीसदी की गिरावट आई। इससे पहले जनवरी में इतनी बड़ी गिरावट आखिरी बार 2011 में आई थी। करीब 19.12 लाख करोड़ रुपए के मार्केट कैप वाली रिलायंस के शेयरों में आई इस गिरावट का असर सीधे निफ्टी 50 पर भी पड़ा, जो अब तक करीब 2 फीसदी फिसल चुका है। कंपनी के उम्मीद से कमजोर तिमाही नतीजों के बाद शेयरों में एक ही दिन में 3 फीसदी की गिरावट आई।

विशेषज्ञों के मुताबिक रिलायंस के रिफाइनिंग कारोबार पर भू-राजनीतिक तनाव का सीधा असर पड़ा है। रूस से कच्चे तेल की सप्लाई घटने और फ्रेट कॉस्ट बढ़ने से कंपनी के ऑयल-टू-केमिकल बिजनेस पर दबाव बढ़ा है। ब्रोकरेज के मुताबिक पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के चलते रिलायंस ने दिसंबर में रूस से तेल आयात में 32.4 फीसदी की कटौती की, जो फरवरी 2024 के बाद सबसे निचला स्तर है। जनवरी में भी रूसी तेल आयात कम रहने की संभावना है। हालांकि कंपनी वेनेजुएला से तेल आयात दोबारा शुरू करने पर अमेरिका से बातचीत कर रही है, जिससे रूसी तेल की कमी की भरपाई हो सकती है।

रिफाइनिंग और फ्यूल बिजनेस में वॉल्यूम ग्रोथ और बेहतर फ्यूल क्रैक्स से कुछ राहत मिली है, वहीं रिलायंस का रिटेल कारोबार कंपनी की कमजोर कड़ी बनकर उभरा है। रिलायंस रिटेल की नेट रेवेन्यू ग्रोथ सिर्फ 9 फीसदी रही, जबकि उसकी प्रतिद्वंद्वी एवेन्यू सुपरमार्ट्स ने 13 फीसदी की ग्रोथ दर्ज की। कंपनी ने इसके लिए त्योहारों की तारीखों में बदलाव और कंज्यूमर प्रोडक्ट्स डिवीजन के डिमर्जर को जिम्मेदार ठहराया। त्योहारी सीजन में भारी छूट और क्विक कॉमर्स में किए गए निवेश के चलते मार्जिन पर भी दबाव पड़ा है। भारत में तेजी से बदलते उपभोक्ता व्यवहार के बीच अब ध्यान पारंपरिक दुकानों से ऑनलाइन और फिर क्विक कॉमर्स की ओर शिफ्ट हो रहा है। 10 मिनट में डिलीवरी वाले इस मॉडल में जहां बड़े मौके हैं, वहीं जोखिम भी कम नहीं हैं। हाल ही में जोमैटो, स्विगी और फ्लिपकार्ट जैसे प्लेटफॉर्म्स की तेज डिलीवरी मॉडल को लेकर आलोचना भी हुई है। हालांकि रिलायंस का दावा है कि उसका क्विक कॉमर्स बिजनेस पहले से ही मुनाफे में है।

नई नेशनल इलेक्ट्रिसिटी पॉलिसी का मसौदा जारी, बिजली क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निवेश की तैयारी

नई दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार ने नई नेशनल इलेक्ट्रिसिटी पॉलिसी का मसौदा जारी कर दिया है, इसके अंतर्गत देश के बिजली क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निवेश और सुधारों की योजना तैयार की गई है। पॉलिसी के अनुसार, 2032 तक 50 लाख करोड़ रुपये और 2047 तक 200 लाख करोड़ रुपये का निवेश पावर प्रोडक्शन, ट्रांसमिशन और डिस्ट्रिब्यूशन सेक्टर्स में होगा। इस नई पॉलिसी का मकसद पावर सेक्टर को वित्तीय रूप से मजबूत बनाना, इस कारोबारी रूप से सस्टेनेबल करना और 2047 तक प्रति व्यक्ति बिजली खपत को 4,000 यूनिट (किलोवॉट प्रतिघंटा) तक पहुंचाना है। इसके साथ ही बिजली आपूर्ति में प्रतिस्पर्धा बढ़ाने और गैर-जीवाश्म ऊर्जा की हिस्सेदारी को तेजी से बढ़ाने पर जोर है। ड्राफ्ट पॉलिसी में बताया गया है कि देश की बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) पर वर्तमान में करीब 6.9 लाख करोड़ रुपये का घाटा है और उनका कुल बकाया कर्ज 7.18 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। पॉलिसी में माना गया है कि मौजूदा बिजली दरें लागत के अनुरूप नहीं हैं और क्रॉस-सब्सिडी के कारण उद्योगों को महंगी बिजली मिल रही है, जिससे भारतीय उद्योगों की वैश्विक प्रतिस्पर्धा कमजोर हो रही है। नई नेशनल इलेक्ट्रिसिटी पॉलिसी के तहत केंद्र सरकार ने पावर डिस्ट्रिब्यूशन सेक्टर में एकाधिकार को खत्म करने का प्रस्ताव रखा है। इसके लिए एक ही इलाके में एक से ज्यादा बिजली सप्लायरों को अनुमति देने, पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) को बढ़ावा देने और स्ट्रिब्यूशन कंपनियों को शेयर बाजार में सूची करने की योजना है। ड्राफ्ट में बताया गया हैं कि हर वित्त वर्ष की शुरुआत से पहले टैरिफ ऑर्डर जारी होना अनिवार्य होगा। बीते साल के खर्चों का समायोजन उसी वित्त वर्ष में होगा और डिस्ट्रिब्यूशन व सप्लाई टैरिफ को अलग-अलग दिखाया जाएगा। नियामकीय प्रक्रिया को 120 दिनों के भीतर पूरा करने की व्यवस्था का भी प्रस्ताव है। पॉलिसी के मुताबिक, वित्तीय साल 27 से बिजली दरें पूरी तरह लागत आधारित होंगी और रेगुलेटरी एसेट बनाने से बचा जाएगा। अगर राज्य नियामक आयोग समय पर टैरिफ तय नहीं करता है, तब दरों में ऑटोमैटिक सालाना संशोधन लागू हो सकेगा। इसके अलावा, बिजली खरीद लागत में बढ़ोतरी को हर महीने सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचाने और कीमतों में उतार-चढ़ाव को संभालने के लिए स्टेबलाइजेशन फंड बनाने का सुझाव दिया गया है।

कमजोर डॉलर और ग्रीनलैंड संकट ने आसमान पर पहुंचाए दाम

सोना पहली बार 1.5 लाख पार, चांदी 10 हजार बढ़कर 3.20 लाख पर पहुंची

सोने-चांदी ने तोड़े सारे रिकॉर्ड!

नई दिल्ली।

सोने और चांदी की कीमतें ताजा रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गईं। कमजोर अमेरिकी डॉलर और ग्रीनलैंड संकट पर बढ़ते तनाव के बीच मजबूत सेफ-हेवन मांग से दोनों महंगी धातुओं के दाम में जमकर इजाफा हुआ। जापानी सरकारी बांडों में मंदी से अतिरिक्त समर्थन मिला। बुधवार को 10 ग्राम सोने की कीमत 151,575 पर खुली जबकि पिछले सत्र में यह 150,565 थी। कीमती धातु आज 153,831 प्रति 10 ग्राम के नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई। बुधवार को एमसीएक्स पर 1 किलोग्राम चांदी की कीमत 322,566 से शुरू हुई, जबकि पिछले कारोबारी सत्र में यह 323,672 थी। सफेद धातु आज 1 किलोग्राम के लिए 326,487 की नई सर्वकालिक ऊंचाई पर पहुंच गई। अगर अमेरिकी टैरिफ और मध्य पूर्व में तनाव और बढ़ता है, तो सोना 2026 के मध्य तक 1,90,000 के स्तर को छू सकता है।

ग्लोबल टेंशन और ग्रीनलैंड विवाद

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की जिद और इस मुद्दे पर यूरोपीय देशों को टैरिफ की धमकी ने वैश्विक बाजारों बाजारों अस्थिरता बढ़ गई है। जब भी दुनिया में ट्रेड वॉर का खतरा बढ़ता है, निवेशक शेयर बाजार से पैसा निकालकर सुरक्षित निवेश यानी सोने की ओर भागते हैं।

रुपए की रिकॉर्ड कमजोरी

भारत में सोने की कीमत केवल वैश्विक दरों पर नहीं, बल्कि डॉलर-रुपया एक्सचेंज रेट पर भी निर्भर करती है। आज रुपया डॉलर के मुकाबले 91.10 के ऑल-टाइम लो पर है। एलकेपी सिक्योरिटीज के जतिन त्रिवेदी के अनुसार, रुपए की कमजोरी की वजह से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खरीदे जाने वाले सोने की लैंडिंग कॉस्ट भारत में बहुत महंगी हो गई है, जिससे घरेलू बाजार में कीमतें 1.5 लाख के पार निकल गईं।

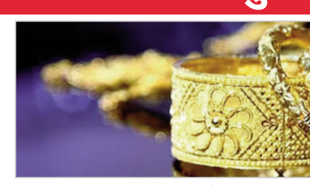

सेंट्रल बैंकों की भारी खरीदारी

दुनिया भर के केंद्रीय बैंक (जैसे भारत का आरबीआई) अपने विदेशी मुद्रा भंडार को सुरक्षित रखने के लिए सोने का स्टॉक बढ़ा रहे हैं।

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के आंकड़ों के अनुसार, 2025 में रिकॉर्ड खरीदारी के बाद 2026 की शुरुआत में भी सेंट्रल बैंकों की मांग मजबूत बनी हुई है, जिससे सप्लाई कम और डिमांड ज्यादा होने के कारण कीमतें बढ़ रही हैं।

निफ्टी का रुझान कमजोर, गोल्ड ईटीएफ में खरीदारी की दी सलाह जो मजबूत तेजी में है

नई दिल्ली। शेयर बाजार में कमजोरी के संकेत और गहरे होते नजर आ रहे हैं। कारोबारी सत्र के दौरान निफ्टी इंडेक्स ने 25,473 के अहम स्तर को मजबूती से तोड़ दिया, जिसे तकनीकी रूप से एक बड़ा सपोर्ट माना जा रहा था। अब निफ्टी 200 दिन के मूविंग एवरेज के बेहद करीब पहुंच गया है, जो करीब 25,160 से 25,113 के बीच है। यह स्तर फिलहाल आखिरी बड़ा तकनीकी सहारा माना जा रहा है। एचडीएफसी सिक्यूरिटीज के सीनियर टेक्निकल और डेरिवेटिव एनालिस्ट के मुताबिक सभी टाइम फ्रेम पर निफ्टी का रुझान कमजोर बना हुआ है। अगर इंडेक्स 200डीएमए के नीचे चला जाता है, तो इसमें और बिकवाली देखने को मिल सकती है और निफ्टी 24,800 से 24,900 के स्तर तक जा सकता है। वहीं, अगर बाजार में थोड़ी रिकवरी आती है, तो 25,470 से 25,500 का दायरा अब रेजिस्टेंस के तौर पर काम करेगा। उन्होंने कहा कि मौजूदा बाजार हालात में गोल्ड एक सुरक्षित विकल्प के तौर पर उभर रहा है। उन्होंने एसबीआई गोल्ड ईटीएफ में खरीदारी की सलाह दी है। यह ईटीएफ इस समय मजबूत तेजी में है और सभी अहम मूविंग एवरेज के ऊपर ट्रेड कर रहा है। इसके साथ ही वॉल्यूम में भी बढ़ोतरी देखने को मिली। उनका कहना है कि बीते डेढ़ साल से गोल्ड एसेट क्लास लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। गोल्ड ईटीएफ में 129.58 के आसपास खरीदारी की सलाह दी गई है। इसमें स्टॉप लॉस 125 रखा गया है, जबकि ऊपर की ओर 136 का लक्ष्य बताया गया है। फिन निफ्टी इंडेक्स को लेकर एक्सपर्ट ने सावधानी बरतने की सलाह दी है। विनय रजानी के मुताबिक फिन निफ्टी ने डेली चार्ट पर एक बेयरिश हेड एंड शोल्डर पैटर्न से ब्रेकडाउन दिया है, जो कमजोरी का संकेत है। इसके साथ ही इंडेक्स ने 50 डीईएमए का सपोर्ट भी तोड़ दिया है और इस गिरावट के दौरान वॉल्यूम ज्यादा रहा है, जिससे कमजोरी की पुष्टि होती है। उन्होंने फिन निफ्टी जनवरी फ्यूचर्स में 27,200 के स्तर पर बिकवाली की सलाह दी है। इसमें 27,350 का स्टॉप लॉस रखने को कहा गया है, जबकि गिरावट में 27,000 का लक्ष्य दिया गया है।

जियो की लिस्टिंग और रिटेल कारोबार में तेजी से कंपनी को सपोर्ट मिलेगा

-ब्रोकरेज ने स्टॉक पर टारगेट प्राइस बढ़ाया, मिल सकता है 30 फीसदी का रिटर्न

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयरों में मंगलवार को गिरावट देखने को मिली। तेल से लेकर रिटेल सेक्टर की कंपनी के शेयर बीएसई पर 1.4 फीसदी गिरकर 1391 रुपए पर बंद हुए। यह सेंसेक्स के सबसे ज्यादा गिरावट में रहने वाले शेयरों में शामिल रहा और इंडेक्स के सबसे बड़े नेगेटिव कंट्रीब्यूटर में से एक रहा। शेयर में जारी उतार-चढ़ाव के बीच ब्रोकरेज हाउस सीएलएसए ने रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर पर बुलिश आउटलुक दिया है। ब्रोकरेज का कहना है कि जियो की लिस्टिंग और रिटेल कारोबार में तेजी से कंपनी को सपोर्ट मिलेगा। सीएलएसए ने रिलायंस इंडस्ट्रीज पर बाय' की रेटिंग को बरकरार रखा है। ब्रोकरेज ने स्टॉक पर टारगेट प्राइस बढ़ाकर 1800 रुपए कर दिया है। इस तरह मौजूदा भाव से करीब 30 फीसदी का रिटर्न दे सकता है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर मंगलवार को 1393 रुपए पर बंद हुए थे। ब्रोकरेज ने रिपोर्ट में कहा है कि जियो की लिस्टिंग साल 2026 के मध्य तक हो सकती है और यह इस साल कंपनी के लिए एक अहम घटना साबित होगी। ब्रोकरेज के मुताबिक मार्च 2027 तक रिलायंस के दूरसंचार कारोबार जियो का एंटरप्राइज वैल्यू करीब 161 अरब डॉलर आंका गया है। वहीं मार्च 2028 तक यह बढ़कर 190 अरब डॉलर हो सकता है। यह वैल्यूएशन वैश्विक कंपनियों की तुलना में 15 फीसदी प्रीमियम पर किया गया है, जिसमें फ्री कैश फ्लो को मुख्य आधार माना गया है। हालांकि ब्रोकरेज ने नए एनर्जी बिजनेस के लिए अपने मल्टिपल घटा दिए हैं। साथ ही रिटेल कारोबार के वैल्यूएशन में भी कटौती की है, जिसे दो साल पहले हुई हिस्सेदारी बिक्री के इक्विटी मूल्य से करीब 10 फीसदी कम माना गया है। ब्रोकरेज का कहना है कि क्विक कॉमर्स, एफएमसीजी और मीडिया कारोबार में संभावित बढ़त से भी कंपनी को अतिरिक्त मूल्य मिल सकता है। रिलायंस इंडस्ट्रीज का अक्टूबर-दिसंबर अवधि में कंपनी का नेट प्रॉफिट 18,645 करोड़ रहा, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 18,540 करोड़ था। एक्सचेंज फाइलिंग में कंपनी ने बताया कि अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में उसका ऑपरेशन से रेवेन्यू बढ़कर 2.69 लाख करोड़ रुपए हो गया, जो अक्टूबर-दिसंबर 2024 में 2.43 लाख करोड़ रुपए था। रिलायंस इंडस्ट्रीज की टेलीकॉम और डिजिटल इकाई जियो प्लेटफॉर्म्स ने दिसंबर तिमाही में मजबूत प्रदर्शन किया है। कंपनी ने बताया था कि बीते साल की समान तिमाही के मुकाबले उसका कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट 11.3 फीसदी बढ़कर 7,629 करोड़ रुपए पहुंच गया।

भारत पर लगे 50 फीसदी टैरिफ की कीमत अमेरिकी खरीदारों ने चुकाई

-भारतीय निर्यातकों ने अमेरिका भेजे जाने वाले सामान की मात्रा घटाई

नई दिल्ली। अमेरिका ने जब भारत से आने वाले सामान पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया, तो माना जा रहा था कि भारतीय निर्यातक दबाव में कीमतें घटा देंगे, लेकिन यह गलत साबित हुआ। भारतीय निर्यातकों ने अपने दाम जस के तस रखे। घाटा उठाने के बजाय उन्होंने अमेरिका को भेजे जाने वाले सामान की मात्रा ही कम कर दी। जर्मनी की नई रिसर्च बताती है कि अमेरिका जाने वाला भारतीय निर्यात 18 से 24 फीसदी तक घट गया। इसके उलट यूरोप, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे दूसरे बाजारों में भारतीय निर्यात पर टैरिफ की मार नहीं पड़ी। इससे यह साफ हो गया कि टैरिफ का असर कीमतों पर नहीं बल्कि व्यापार की मात्रा पर पड़ा। रिसर्च में सबसे अहम सुराग कीमतों से मिला। अगर भारतीय निर्यातक टैरिफ का बोझ खुद उठा रहे होते, तो अमेरिका भेजे गए सामान के दाम दूसरे देशों के मुकाबले गिरते, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अमेरिका और यूरोपीय संघ, कनाडा व ऑस्ट्रेलिया को भेजे गए भारतीय सामान के दाम करीब एक जैसे रहे। इसका मतलब साफ है कि टैरिफ की कीमत अमेरिकी खरीदारों ने चुकाई। हालांकि यह तस्वीर भारत को राहत देने वाली नहीं है। दिसंबर में अमेरिका को भारत का निर्यात साल दर साल 1.83 फीसदी घटकर 6.88 अरब डॉलर रह गया। इससे भी बड़ा झटका जेम्स और ज्वैलरी सेक्टर को लगा, जहां अप्रैल से दिसंबर के बीच निर्यात 44 फीसदी से ज्यादा टूट गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कील इंस्टीट्यूट ने जनवरी 2024 से नवंबर 2025 के बीच दुनिया भर के 2.5 करोड़ से ज्यादा व्यापारिक सौदों और करीब 4 ट्रिलियन डॉलर के कारोबार का विश्लेषण किया। अध्ययन में सामने आया कि वैश्विक स्तर पर लगाए गए टैरिफ का सिर्फ 4 फीसदी बोझ निर्यातकों ने झेला, जबकि पूरे 96 फीसदी की कीमत अमेरिकी नागरिकों को चुकानी पड़ी।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 270, निफ्टी 75 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही अमेरिकी सरकार के ग्रीनलैंड को लेकर यूरोप से टकराव की आशंका से भी आई है। इससे घरेलू बाजार पर दबाव पड़ा है क्योंकि निवेशकों ने दूरी बरतना जारी रखा है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 270.84 अंक टूटकर 81,909.63 और 50 शेयरों पर आधारित निफ्टी 75 अंक नीचे आकर 25,157.50 पर बंद हुआ। कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, डिफेंस, पीएसयू बैंक और फाइनेंशियल सर्विसेज इंडेक्स के शेयर नीचे आये। इन सभी में 1.66 फीसदी की गिरावट रहीं। वहीं दूसरी ओर धातु, ऑयलएंडगैस, इन्फ्रा, एनर्जी और कमोडिटीज के शेयरों में खरीददारी हावी रही। आज लार्जकैप की जगह पर मिडकैप और स्मॉलकैप में अधिक बिकवाली रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 661.70 अंक नीचे आकर 57,423.65 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 149.85 अंक नीचे आकर 16,551.20 पर रहा। सेंसेक्स पैक में अल्ट्राटेक सीमेंट, इंडिगो, अदाणी पोर्ट्स, पावर ग्रिड, टाटा स्टील, टीसीएस, बजाज फिनसर्व, टेक महिंद्रा और बजाज फाइनेंस के शेयर लाभ में रहे जबकि आईसीआईसीआई बैंक, ट्रेंट, बीईएल, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, एलएंडटी, एसबीआई, मारुति सुजुकी और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर गिरे। बाजार में बिकवाली का दबाव काफी बढ़ गया । बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में बढ़ने वाले शेयरों की संख्या 1,437 और गिरने वाले शेयरों की संख्या 2,831 और 137 शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुए।।

इससे पहले आज सुबह गिरावट पर खुला। सुबह सेंसेक्स 81,794 अंक पर खुला। सुबह यह 92.99 अंक बढ़कर 82,273.46 अंक पर कारोबार कर रहा था। वहीं इसी तरह निफ्टी भी 25,141 अंक पर खुला। शुरुआत में ये 4.20 अंक की गिरावट के साथ 25,228.30 पर था। वहीं दूनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजार में गिरावट में रहे। इसकी कारण ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका द्वारा यूरोपीय देशों को दी गई धमकी है। इससे जापान का निक्केई इंडेक्स 0.35 फीसदी टूटा। अमेरिका ने आठ यूरोपीय देशों पर 10 फीसदी टैरिफ लगाया है, जो 1 फरवरी से लागू होगा और अगर ये ग्रीनलैंड मामले में विरोध करते रहे तो ये जून में बढ़कर 25 फीसदी हो जाएगा। वॉल स्ट्रीट में भी गिरावट रही। बाजार में उतार-चढ़ाव नवंबर के बाद सबसे ज्यादा स्तर पर पहुंच गया। एसएंडपी 500 और नैस्डैक दोनों इंडेक्स 2 फीसदी से ज्यादा टूटकर बंद हुए। अब सभी की नजरे दावोस में हो रहे वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम पर है। यहां दुनिया भर के नेताओं ने अमेरिका का विरोध किया है।

रुपया डॉलर के मुकाबले फिर धड़ाम, 76 पैसे गिरकर सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंचा

डॉलर के मुकाबले 91.73 पर पहुंचा रुपया

नई दिल्ली।

वैश्विक बाजारों में सतर्कता और डॉलर की मजबूत मांग के बीच बुधवार को भारतीय रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले तेज गिरावट के साथ रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 76 पैसे गिरकर सर्वकालिक निचले स्तर 91.73 (अस्थायी) पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा व्यापारियों का कहना है कि रुपये ने 16 दिसंबर, 2025 को अपना अब तक का सबसे निचला स्तर 91.14 दर्ज किया था और इस महीने अब तक स्थानीय मुद्रा में 1.50 प्रतिशत की गिरावट आई है।

फॉरेक्स कारोबारियों के अनुसार, बढ़ती भू-राजनीतिक अनिश्चितता और अमेरिका से मिल रहे विस्तारवादी संकेतों के चलते निवेशकों में जोखिम से बचने का रुख बढ़ा है। इसका दबाव उभरती अर्थव्यवस्थाओं की मुद्राओं पर बना हुआ है, जिसमें भारतीय रुपया भी शामिल है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में, रुपया 91.05 पर खुला और डॉलर के मुकाबले दिन के निचले स्तर 91.74 तक गिर गया। मंगलवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 7 पैसे गिरकर रिकॉर्ड निचले स्तर 90.97 पर बंद हुआ।

रुपया क्यों हो रहा कमजोर?

सीआर फॉरेक्स एडवाइजर्स के एमडी अमित पबारी ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा व्यापार युद्ध की बयानबाजी को फिर से शुरू करने और ग्रीनलैंड पर अपना दबाव बढ़ाने से बाजार पहले से ही अस्थिर थे।

अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड चार महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई, जबकि डॉलर लगातार दूसरे दिन कमजोर हुआ। यह इस बात का संकेत है कि निवेशक न केवल जोखिम बल्कि दिशा पर भी सवाल उठा रहे हैं। पबारी ने आगे कहा कि लगातार वैश्विक बेचैनी, साथ ही 91.07 से ऊपर लगातार गिरावट, धीरे-धीरे 91.70-92.00 क्षेत्र की ओर द्वार खोल सकती है, जब तक कि आरबीआई के सक्रिय हस्तक्षेप द्वारा इसे रोका न जाए। उन्होंने कहा कि नकारात्मक गिरावट की ओर देखें तो, किसी भी सुधारात्मक गिरावट को 90.30-90.50 के दायरे में पहला समर्थन मिलने की संभावना है। इस बीच, डॉलर सूचकांक, जो छह मुद्राओं की एक टोकरी के मुकाबले डॉलर की मजबूती को मापता है, 0.02 प्रतिशत गिरकर 98.61 पर कारोबार कर रहा था।

कच्चे तेल की कीमतों में बदलाव से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आया फर्क

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल क्रूड की कीमतों में आये बदलाव से देश भर में पेट्रोल डीजल की कीमतों पर भी प्रभाव पड़ा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 64 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गयी हैं जिससे घरेल बाजार में भी पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर असर पड़ा है। इससे यूपी के गौतमबुद्ध नगर जिले में पेट्रोल की कीमतें 14 पैसे बढीं हैं जिससे ये 94.88 रुपये लीटर पहुंच गया। वहीं डीजल की कीमतों में भी 17 पैसे की बढ़त रही जिससे ये 87.98 रुपये लीटर पहुंच गया है। वहीं गाजियाबाद में पेट्रोल की कीमतें 12 पैसे कम हुई हैं जिससे ये 94.58 रुपये प्रति लीटर और डीजल 14 पैसे सस्ता होने के बाद 87.67 रुपये लीटर आ गया जबकि बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल की कीमतें 20 पैसे बढ़ी जिससे ये 105.73 रुपये लीटर पहुंच गया है। दूसरी ओर डीजल की कीमतें 19 पैसे बढ़ी हैं जिससे ये 91.96 रुपये लीटर आ गयी हैं कच्चे तेल की कीमतों में पिछले 24 घंटे में गिरावट रही है। ब्रेंट क्रूड का भाव 0.83 डॉलर गिरकर 64.09 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। वहीं डब्ल्यूटीआई का भाव करीब 0.90 डॉलर बढ़त के साथ 60.34 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। चारों महानगरों की बात करें तो दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर। मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर।

शांति का मुखौटा, सत्ता की रणनीतिः ट्रंप का वैश्विक विरोधाभास

ललित गर्ग

डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित नए वैश्विक शांति संस्थान का विचार अपने आप में जितना आकर्षक शब्दों से सुसज्जित है, उतना ही अपने अंतर्विरोधों में उलझा हुआ भी है। शांति स्थापना के नाम पर एक ऐसी अंतरराष्ट्रीय संस्था खड़ी करने की कोशिश, जो संयुक्त राष्ट्र जैसे स्वीकृत बहुपक्षीय ढांचे को दरकिनार करती हो, वस्तुतः शांति से अधिक सत्ता-केंद्रित वर्चस्व की आकांक्षा को उजागर करती है।

नोबेल शांति पुरस्कार की उत्कट अभिलाषा में डूबे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का व्यक्तित्व और कार्यशैली वैश्विक राजनीति के लिए एक गहरी विडंबना एवं विरोधाभास बनकर उभरी है। शांति का मसीहा बनने का उनका दावा जितना आकर्षक दिखता है, उतना ही विरोधाभासी उनके कदमों का यथार्थ है। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में वे जहां शांति स्थापित करने का श्रेय लेना चाहते हैं, वहीं उनके निर्णय, वक्तव्य और नीतियां अक्सर युद्ध, अशांति, भय और अस्थिरता को जन्म देती दिखाई देती हैं। यह कैसी शांति है, जो बमों की गूंज, प्रतिबंधों की मार और नफरत की भाषा के साथ चलती है? यह कैसा शांति-दूत होने का नाटक है, जिसमें मानवता का रक्त बहता रहे और सत्ता अपने हित साधती रहे? गाजा में शांति स्थापना के लिए ट्रंप की प्रस्तावित योजना इसी विरोधाभास का नवीन उदाहरण है। इसे शांति से अधिक व्यापारिक सौदे की तरह प्रस्तुत किया गया, मानो दशकों से हिंसा, विस्थापन और अस्मिता के संकट से जूझ रहे लोगों का भविष्य किसी रियल एस्टेट या आर्थिक पैकेज से तय किया जा सकता हो। अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र की भूमिका, स्थानीय जनता की सहमति और जवाबदेही-इन सबको दरकिनार कर शांति थोपने की यह कोशिश बताती है कि ट्रंप की दृष्टि में शांति कोई नैतिक या मानवीय मूल्य नहीं, बल्कि शक्ति-प्रदर्शन और राजनीतिक लाभ का औजार है। इस तरह बमों के साये में शांति का दावा डकोसला ही है, जिसमें शांति का सौदा एवं सत्ता की भूख ही दिखती है। ट्रंप की कथित शांति योजना, शांति के नाम पर वर्चस्व की राजनीति ही है। ऐसा लगता है शब्द अहिंसा के और कर्म हिंसा के है। ट्रंप संयुक्त राष्ट्र को अक्षम, पक्षपाती और नौकरशाही से ग्रस्त बताकर उसकी अवहेलना करते रहे हैं, जबकि सच यह है कि वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए बहुपक्षीय संस्थाओं का ढांचा अनिवार्य है। शक्तिशाली देशों को जब यह ढांचा अपने अनुकूल नहीं लगता, तो वे उसे कमजोर करने लगते हैं-ट्रंप इसी प्रवृत्ति का मुखर चेहरा हैं।

डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित नए वैश्विक शांति संस्थान का विचार अपने आप में जितना आकर्षक शब्दों से सुसज्जित है, उतना ही अपने अंतर्विरोधों में उलझा हुआ भी है। शांति स्थापना के नाम पर एक ऐसी अंतरराष्ट्रीय संस्था खड़ी करने की कोशिश, जो संयुक्त राष्ट्र जैसे स्वीकृत बहुपक्षीय ढांचे को दरकिनार करती हो, वस्तुतः शांति से अधिक सत्ता-केंद्रित वर्चस्व की आकांक्षा को उजागर करती है। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि जिस नेतृत्व की नीतियों का आधार

हथियारों के निर्माण और बिक्री, सैन्य गठबंधनों के विस्तार, युद्ध की धमकियों और आर्थिक दंड के जरिये दुनिया पर दबाव बनाना रहा हो, वह अचानक शांति का नया ठेकेदार कैसे बन सकता है? ट्रंप की राजनीतिक सोच में शांति किसी मानवीय प्रतिबद्धता का नहीं, बल्कि सौदेबाजी, नियंत्रण और लाभ का साधन प्रतीत होती है। इसलिए उनके प्रस्तावित शांति संस्थान की उपयोगिता पर गंभीर संदेह खड़ा होता है। बिना वैधता, जवाबदेही और वैश्विक सहमति के खड़ी की गई कोई भी संस्था शांति का वाहक नहीं बन सकती; वह केवल शक्तिशाली देशों की इच्छाओं को थोपने का उपकरण या जरिया ही बनती है। इस संदर्भ में ट्रंप का यह प्रयास शांति की दिशा में एक ठोस पहल नहीं, बल्कि हिंसा-प्रधान नीतियों पर पर्दा डालने और वैश्विक शासन व्यवस्था पर अपनी पकड़ मजबूत करने का एक और षडयंत्र एवं कुचेष्टा ही दिखाई देता है।

ट्रंप की सोच में शांति का अर्थ संघर्षों का समाधान नहीं, बल्कि उन्हें अपने पक्ष में मोड़ना है। कभी वे संयुक्त राष्ट्र के समानांतर इस तरह की एक कथित शांति-व्यवस्था खड़ी करने की बात करते हैं, तो कभी ईरान पर युद्ध की धमकी देते हैं। एक ओर वे यूरोपीय देशों की तारीफ कर अपना प्रभाव जमाने का प्रयास करते हैं, दूसरी ओर उन्हीं देशों पर व्यापारिक प्रतिबंधों और सैन्य खर्च का दबाव डालते हैं। यह दोहरा आचरण और कथनी और करनी का भेद वैश्विक अस्थिरता को बढ़ाता है। शांति की भाषा बोलते हुए हथियारों की बिक्री, सैन्य गठबंधनों का विस्तार और आर्थिक दंड-ये सब उनकी नीतियों के अभिन्न अंग रहे हैं। परिणामस्वरूप दुनिया एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां युद्ध की आहटें तेज हैं और मानवता अस्तित्व के मुहाने पर पहुंचती प्रतीत होती है। गाजा संकट के संदर्भ में यह और भी स्पष्ट हो जाता है कि बिना वैधता, सहमति और जवाबदेही के थोपी गई शांति कभी स्थायी नहीं होती। यदि नागरिकों की सुरक्षा, जीवन की गरिमा और राजनीतिक अधिकारों को नजरअंदाज किया जाए, तो कोई भी समझौता खोखला साबित होगा। ट्रंप का दृष्टिकोण इन मूलभूत सच्चाइयों को अक्सर अनदेखा करता है। आर्थिक वादों को राजनीतिक अधिकारों के विकल्प के रूप में प्रस्तुत करना एक खतरनाक भ्रम है, जो जमीनी वास्तविकताओं के बोझ से ढह जाता है। शांति तभी टिकाऊ हो सकती है जब उसमें स्थानीय लोगों की वास्तविक आवाज शामिल हो, उनके दुख-दर्द को समझा जाए और न्यायपूर्ण समाधान की दिशा में ईमानदार पहल हो।

भारत को गाजा में शांति प्रयासों में शामिल करने का प्रस्ताव भी इसी जटिलता को उजागर करता है। भारत का कूटनीतिक इतिहास बहुपक्षवाद, संयुक्त राष्ट्र की केंद्रीय भूमिका और द्विराष्ट्र सिद्धांत के समर्थन से जुड़ा रहा है। भारत के इस्राइल से अच्छे संबंध हैं, तो अरब देशों में भी उसकी विश्वसनीयता बनी हुई है। लेकिन यदि शांति प्रक्रिया संयुक्त राष्ट्र को दरकिनार करती है, तो यह भारत की स्थापित कूटनीतिक परंपरा के अनुकूल नहीं होगा। भारत ने हमेशा प्रत्यक्ष हस्तक्षेप के बजाय स्थिरता और संवाद को प्राथमिकता दी है। ऐसे में ट्रंप-प्रेरित पहल में शामिल होना भारत के लिए भी एक नैतिक और रणनीतिक चुनौती बन सकता है। वास्तव में ट्रंप की नीतियां एक ऐसे विश्व-दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करती हैं, जहां शक्ति ही सत्य है और नैतिकता केवल भाषणों तक सीमित है। उनकी बयानबाजी में नफरत और विभाजन की छाया साफ दिखती है। आप्रवासन, नस्ल, धर्म और राष्ट्रवाद के मुद्दों पर उनकी भाषा ने वैश्विक स्तर पर असहिष्णुता को बढ़ावा दिया। जब विश्व का सबसे शक्तिशाली देश इस तरह का संदेश देता है, तो उसका असर सीमाओं से परे जाता है। युद्ध केवल गोलियों और मिसाइलों से नहीं लड़ा जाता, वह विचारों और शब्दों से भी लड़ा जाता हैकृऔर ट्रंप के शब्द अक्सर आग में घी डालने का काम करते रहे हैं।

आज दुनिया जिन संकटों से जूझ रही है-यूक्रेन से लेकर मध्य पूर्व तक, एशिया से अफ्रीका तक, उनमें कहीं-न-कहीं महाशक्तियों की स्वार्थपूर्ण नीतियों की छाया है। ट्रंप का दौर इस प्रवृत्ति को और उग्र बनाता दिखाई दिया, जहां वैश्विक सहयोग के बजाय ह्यमैं पहलेह्न की मानसिकता हावी रही। शांति के नाम पर दबाव, सौदेबाजी और धमकी-यह त्रयी मानवता के लिए घातक है। जो नेता स्वयं को शांति का प्रतीक बताता है, उससे अपेक्षा होती है कि वह पुल बनाए, दीवारें नहीं; संवाद बढ़ाए, युद्ध नहीं; भरोसा पैदा करे, भय नहीं। इस तरह प्रश्न यही है कि क्या शांति पुरस्कार की आकांक्षा मात्र से कोई शांति-दूत बन सकता है? यदि जवाबदेही, सहमति और मानवीय मूल्यों के बिना शांति थोपने की कोशिश की जाए, तो वह शांति नहीं, एक नया संघर्ष जन्म देती है। ट्रंप की कार्यशैली इसी सच्चाई की गवाही देती है। आज जब मानवता युद्धों में अपने जीवन को खो रही है, तब शांति का ढोंग और भी क्रूर प्रतीत होता है। दुनिया को ऐसे नेतृत्व की जरूरत है जो शक्ति के प्रदर्शन से नहीं, बल्कि करुणा, न्याय और बहुपक्षीय सहयोग से शांति की राह प्रशस्त करे। अन्यथा शांति मसीहा होने का यह नाटक इतिहास में एक विफल और खतरनाक प्रयोग के रूप में ही दर्ज होगा।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

संपादकीय

मददवीर अग्निवीर

सेना में अग्निवीर योजना के क्रियान्वयन के वक्त इनकी अल्पकालिक सेवा और सेवानिवृत्ति के बाद उनके भविष्य को लेकर तमाम तरह की आशंकाएं व्यक्त की जा रही थीं। लेकिन अब धीरे-धीरे कई आशंकाएं निर्मूल साबित हो रही हैं। प्रशिक्षित अग्निवीरों के लिये नये-नये अवसर बन रहे हैं। हाल ही में हरियाणा सरकार ने राज्य में गठित होने जा रही डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स में अग्निवीरों को प्राथमिकता देने की घोषणा की है। यह सुखद ही है कि अग्निपथ योजना के पहले बैच के सेवा काल की समाप्ति से पहले हरियाणा सरकार ने उनके समायोजन की पहल की है, जिसका अनुकरण देश के अन्य राज्यों को भी करना चाहिए। जिससे इस कुशल-प्रशिक्षित युवा शक्ति की ऊर्जा के बेहतर इस्तेमाल की पहल हो सके। दरअसल, हरियाणा में स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स में अग्निवीरों को वरीयता देने की बात कही गई है। निश्चय ही इस कदम से जहां अग्निवीरों की नई पीढ़ी सामने आएगी, वहीं राज्य को इनके कुशल प्रशिक्षण का लाभ मिल सकेगा। यह भी हकीकत है कि बदलते वक्त के साथ आपदाओं की पुनरावृत्ति व घातकता बढ़ रही है, उससे जूझने के लिये भी अनुभवी व प्रशिक्षित बल की सख्त जरूरत महसूस की जा रही है। जो एक स्थायी, पेशेवर और पूर्णकालिक बल के जरिये ही संभव हो सकता है। दरअसल, हरियाणा में सरकार ने भरोसा दिलाया है कि राज्य में गठित होने वाली एसडीआरएफ बटालियन में अधिकतम संख्या अग्निवीरों की ही होगी। विश्वास किया जा रहा है कि अग्निवीरों वाली एसडीआरएफ प्राकृतिक आपदाओं मसलन बाढ़,भूकंप, औद्योगिक दुर्घटनाओं, अग्निकांडों व रासायनिक आपदाओं की चुनौती का सफलता से मुकाबला कर सकेगी। माना जा रहा है कि अग्निवीरों को मिला कठोर प्रशिक्षण आपातकालीन स्थितियों से मुकाबले में मददगार साबित होगा। दरअसल, ऐसी चुनौतीपूर्ण स्थितियों में तीव्र गति से कार्रवाई करते नागरिकों के जीवन की रक्षा करने की प्राथमिकता होती है। जो प्रशिक्षित और अनुभवी टीम के द्वारा ही संभव हो सकता है। कहा जा रहा है कि राज्य की सभी डिविजनों में क्विक रिस्पॉन्स टीम तैनात की जाएंगी। उल्लेखनीय है कि हाल ही में उत्तर प्रदेश में नोएडा में धुंध के चलते हुई एक सड़क दुर्घटना में एक युवा इंजीनियर की मौत हुई। बेटे को मौत के मुंह में समाते देख असहाय पिता ने पुलिस से मदद मांगी।

चिंतन-मनन

जैसा सोचेंगे वैसा ही फल मिलेगा

यदि आपका मन प्रसन्न नहीं है तो इसका जिम्मेदार कोई और नहीं है बल्कि आप स्वंय हैं। इसी प्रकार अगर आप सुखी है तो यह भी आपको अपने ही कारण प्राप्त हुआ है। ईश्वर का आपके सुख-दुः ख से कोई संबध नहीं है। ईश्वर तो मात्र कर्म का फल प्रदान करने वाला है। यूं समझ लीजिए कि ईश्वर कमल का पुष्प है। कमल पुष्प जैसे कीचड़ में रहकर भी कीचड़ के गुण दोष से प्रभावित नहीं होता, उसी प्रकार ईश्वर सब में और सब के बीच में रहकर भी किस से न तो मित्रता करता है और न शत्रुता। आप जैसा करेंगे और जैसा चाहेंगे वैसे ही आपके आस-पास का वातावरण तैयार कर देगा। हस्तरेखा विज्ञान भी भविष्य को जानने का एक माध्यम है। लेकिन अगर आप अपने हाथों को गौर से देखें तो पाएंगे कि समय-समय पर हाथों की रेखाओं में परिवर्तन हो रहा है। यह परिवर्तन आपके कर्म और व्यवहार के अनुरूप होता है। इसलिए अगर आप सोचते हैं कि एक बार जो किस्मत में लिखकर आ गया है ऐसा होना तय है तो मन से इस धारणा को निकाल दीजिए। अगर ऐसा होता है तो ज्योतिषशास्त्र से सिर्फ भविष्य देखा जा सकता था। लेकिन ज्योतिषशास्त्रों में भविष्य देखने के साथ ही साथ उपाय भी बताये जाते हैं ताकि घटना में बदलाव किया जा सके। भगवान श्री कृष्ण ने गीता में कहा है कि उद्धारेदात्मनात्मानं नात्मानवसादयेत। आत्मैव ह्यात्मनो बन्धुरात्मैव रिपुरात्मन?।। अर्थात मनुष्य स्वयं ही अपना शत्रु और मित्र है। मनुष्य को चाहिए कि वह स्वयं को पतन से बचाये और संसार रूपी समुद्र से उद्धार के लिए प्रयास करे। जो मनुष्य स्वयं का मित्र होता है वह सकरात्मक सोच रखता है और ईश्वर ने जो भी साधन प्रदान किये हैं उसी से संतुष्ट होकर उन्नति के लिए प्रयास करता है। इसके विपरीत जो लोग साधन हीनता का रोना रोते रहते हैं और उन्नति के प्रयास नहीं करते हैं वह स्वयं ही अपने शत्रु हैं।

वेद में कहा गया है कि उद्यानं ते पुरूष नावयनम्। यानी हे पुरूष! तुझे ऊपर उठना है न कि नीचे गिरना। इसलिए मनुष्य को हमेशा उन्नति के लिए ऊपर उठने के लिए प्रयास करना चाहिए। नकारात्मक सोच रखने से मन दु?खी होता है और प्रोध बढ़ता है। वाणी में प्रेम और मधुरता नहीं रह जाती है। अनायास ही कोई गलत कार्य कर बैठते हैं। इसलिए सोच बदलिए और उन्नति के लिए प्रयास कीजिए। जैसा आप सोचेंगे वैसा हो जाएगा।

शेयर बाजार की गिरावट से निवेशकों को भारी झटका

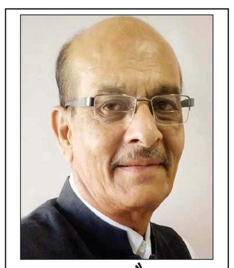

सनत जैन

सोना-चांदी नई ऊंचाई पर, रुपये का अवमूल्यन..

भारत का वित्तीय बाजार इन दिनों अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है। एक ओर शेयर बाजार में लगातार गिरावट से निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है, तो वहीं दूसरी तरफ सोने और चांदी की कीमतें रोजाना नया रिकॉर्ड बना रही हैं। इसी बीच डॉलर के मुकाबले रुपये के मूल्य में लगातार गिरावट होने से भारत में महंगाई और आयातित सामान की लागत बढ़ने से नई चिंताएं खड़ी हो गई हैं। शेयर बाजार में पिछले कुछ सत्रों में सेंसेक्स और निफ्टी में भारी गिरावट देखने को मिली है। पिछले तीन-चार सत्रों में 20 लाख करोड़ से ज्यादा का नुकसान हो चुका है। वैश्विक बाजारों में कमजोरी, अमेरिका में ब्याज दरों को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। पश्चिम एशिया और यूरोप में भू-राजनीतिक तनाव तथा भारत के शेयर बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली ने भारतीय बाजार पर दबाव बढ़ा दिया है। आईटी, बैंकिंग और मेटल जैसे प्रमुख सेक्टरों के शेयरों में मुनाफा वसूली से छोटे निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। संस्थागत वित्तीय निवेशकों को भी भारी नुकसान हुआ है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है, जब तक वैश्विक स्तर पर इस तरह की अराजकता देखने को मिल रही है, तब तक बाजार में यह उतार-चढ़ाव बना रहेगा। शेयर बाजार की इस स्थिति को देखते हुए सोना और चांदी को सुरक्षित निवेश का विकल्प माना जा रहा है। वही शेयर बाजार की गिरावट से बैंकिंग सेक्टर में भी जिस तरह की स्थिति देखने को मिल रही है, ऐसी स्थिति में निवेशक बैंक और शेयर बाजार से अपना पैसा निकालकर सोने एवं चांदी में निवेश कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी के दाम निरंतर बढ़ रहे हैं। चीन से सबसे ज्यादा चांदी का निर्यात होता है। चीन सरकार ने चांदी के निर्यात पर लाइसेंस प्रणाली लागू कर दी है, जिसके कारण चांदी में भारी तेजी देखने को मिल रही है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में तेजी, डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी से घरेलू बाजार में सोना महंगा होता जा रहा है। चांदी की कीमतों में भी तेज उछाल बना हुआ है। चांदी की औद्योगिक मांग और निवेश दोनों में मांग बढ़ रही है। आर्थिक विश्लेषकों का कहना है, ट्रंप के टैरिफ एवं उनकी आक्रामक नीतियों के कारण आर्थिक जगत में वैश्विक अनिश्चितता बढ़ती जा रही है। रिजर्व बैंक यदि बैंक ब्याजदरों में कटौती करता है तो ऐसी स्थिति में, आने वाले महीनों में सोने-चांदी की कीमतें और भी बढ़ सकती हैं। सोने एवं चांदी में जिस तरह से सट्टेबाजी बढ़ गई है, उसके कारण बाजार में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। डॉलर के मुकाबले रुपये का लगातार कमजोर होना, भारत की आर्थिक स्थिति को और भी गंभीर बना रहा है। कच्चे तेल, खाद्य तेल और इलेक्ट्रॉनिक सामान, आयातित उत्पाद लगातार महंगे हो रहे हैं। रुपये के अवमूल्यन से निर्यातकों को राहत जरूर मिली है, लेकिन आयात के मुकाबले भारत का निर्यात बहुत कम है। आम उपभोक्ता के लिए यह स्थिति चिंता का विषय है। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार, शेयर बाजार में यदि सुधार नहीं हुआ, डॉलर के मुकाबले रुपया मजबूत नहीं हुआ, रुपये पर इसी तरह का दबाव यदि आगे भी बना रहा तो भारत के लिए आर्थिक स्थिति बहुत चिंतनीय होगी। कुल मिलाकर, भारतीय अर्थव्यवस्था के सामने यह समय सबसे चुनौतीपूर्ण है। शेयर बाजार की गिरावट से निवेशकों विशेष रूप से बैंकिंग और वित्तीय संस्थानों को भारी नुकसान हुआ है। आने वाले समय में सरकार की नीतियां, नए साल का बजट रिजर्व बैंक की नीतियां और वैश्विक परिस्थितियां भारत की अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बनकर सामने आ रही हैं। यह अस्थिरता कब तक बनी रहेगी कहना मुश्किल है।

समय की पुकार : सूफी विचारों का प्रसार

ललित गर्ग

आज लगभग पूरी दुनिया स्वार्थ, नफरत, ईर्ष्या, विद्वेष, धार्मिक व जातीय मतभेद, वर्चस्व व विस्तारवाद की आग में जल रही है। धर्म, जाति, भाषा वर्ग व समुदाय के आधार पर लोग एक दूसरे की जान के दुश्मन बने हुये हैं। ऐसे खतरनाक माहौल में केवल संतों व फक ीरों की शिक्षा उनके दिखाये गये मानवतावादी रास्ते, उनके परोपकारी विचार व उनकी संगत ही समाज को सद्मार्ग दिखा सकती है। केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के दरबार में गत 66 वर्षों से आयोजित होता आ रहा सप्ताह भर चलने वाला यह सर्व धर्म समागम एक ऐसा ही प्रयास है जहाँ हर धर्म व हर जाति के लोग प्रत्येक आस्था व विश्वास के लोग क्या अमीर तो क्या गरीब, सभी समान रूप से शिरकत करते आ रहे हैं। प्रत्येक वर्ष इसी अवसर पर रामायण व भागवत गीता का अखंड पाठ आयोजित होता है साथ ही पवित्र गुरु ग्रन्थ साहब का अखंड पाठ भी रखा जाता है। इतना ही नहीं बल्कि प्रत्येक वर्ष उर्स-ए-मुबारक के अंतिम दो दिनों में यानी 19 व 20 जनवरी की रात सूफी संगीत व कव्वाली की महफिल भी सजाई जाती है।

इस पवित्र स्थान की संस्थापक मर्द-ए -कलन्दर माता राम बाई अम्मी हुजूर जी का जीवन परोपकार, सर्वधर्म समभाव व मानवतावादी मूल्यों पर आधारित था। अम्मी हुजूर जी संतों व फक ीरों की शिक्षाओं का अनुसरण करने वाली एक सच्ची व आदर्शवादी फक ीर थीं। और आज अम्मी हुजूर जी के वारिस व गद्दी नशीन शहजादा पप्पू सरकार द्वारा इसी सिलसिले व रिवायत को शानदार तरीके से अंजाम देने की कोशिश की जा रही है। अपने निजी व्यापार तथा पारिवारिक व्यस्तताओं को छोड़ कर शहजादा पप्पू सरकार जी गत चालीस वर्षों से भी लंबे समय से पूरे समर्पण, श्रद्धा तथा विश्वास के साथ अपनी गद्दीनशीनी का कर्तव्य निभाते हुए अम्मी हुजूर तथा सखी सरवर बाबा सखी चंद जी के सपनों को साकार करते हुए इस स्थल को चंडीगढ़ के एक सबसे विशाल, आकर्षक तथा सर्वधर्म समभाव के राष्ट्रीय प्रतीक के रूप में स्थापित किए जाने के प्रयास में लगे हुये हैं। उनका मानना है कि ईश्वर-अल्लाह, वाहेगुरू तथा गॉड सभी एक ही सर्वोच्च सत्ता के अलग-अलग नाम हैं। राम दरबार की परंपरा किसी भी व्यक्ति में विराजमान ह्यमैं ही मैंह्न को समाप्त कर ह्यतू ही तूह्न के विचारों को धारण कराने की है। ह्यतू ही तूह्न राम दरबार का मुख्य वाक्य भी है। राम दरबार की शिक्षाएं सभी धर्मों के आम लोगों को अंधविश्वास, पाखंड आदि से मुक्त कराती हैं। राम दरबार न केवल धार्मिक वैमनस्य को समाप्त कर सांप्रदायिक सद्भाव बनाने का मार्ग दिखाता है बल्कि छूआछूत व जात-पात जैसी प्राचीन विघटनकारी दकियानूसी परंपराओं को समाप्त करने की दिशा में भी कार्य करता है। सहभोज या सामूहिक लंगर व भंडारा इसी दिशा में उठाया गया एक सकारात्मक कदम हैं।

सप्ताह भर चलने वाले इस पूरे आयोजन में सभी धर्मों के लोगों का एक साथ मिल-बैठ कर किसी धार्मिक समागम में शिरकत करना जहां अपने-आप में एक अनूठा प्रयास है बल्कि यह इस समय पूरे देश व दुनिया की सबसे बड़ी जरूरत भी है। आज जहां हमारे देश में अनेक ऐसी शक्तियां सक्रिय हैं जो लोगों को धर्मों व जातियों के नाम पर लड़वा रही हैं। वहीं शहजादा पप्पू सरकार की गद्दीनशीनी में संचालित होने वाला राम दरबार, भारत का एक ऐसा गौरवपूर्ण स्थान है जहाँ हर धर्म व समुदाय के लोग पूरी श्रद्धा व आस्था के साथ अपने शीश झुकाते हुए नजर आते हैं। राम दरबार एक ऐसा स्थान है जहाँ विभिन्न धर्मों, आस्थाओं तथा विश्वासों को लेकर टकराव अथवा विवाद की बात नहीं होती बल्कि यहां मानवता का संदेश दिया जाता है। यहाँ धर्म की रूढ़िवादी व अतिवादी मान्यताओं से अलग हटकर सहनशीलता, मानवता, प्रेम, सद्भाव तथा परस्पर भाईचारे को सबसे अधिक अहमियत दी जाती है। राम दरबार के भक्तगण एक-दूसरे के खाने, पहनने, उसके धार्मिक पूर्वाग्रहों पर न तो चर्चा करना चाहते हैं न ही इन्हें परस्पर विवाद या चर्चा का विषय समझते हैं।

शहजादा पप्पू सरकार इस आयोजन के संबंध में फरमाते हैं कि चूंकि मानवता धर्म से कहीं ज्यादा बड़ी चीज है इसलिए सभी धर्मों के लोगों को अपने-अपने धर्म के उसी स्वरूप को मानना चाहिए तथा उन बातों पर अमल करना चाहिए जो हमें मानवता, प्रेम, सद्भाव, सहयोग तथा भाईचारे की सीख देती हों। यदि किसी भी धर्म का मानने वाला कोई भी व्यक्ति धार्मिकता का चोला लपेटकर समाज में जहर फैलाए, समाज को धर्म के नाम पर विभाजित करने की कोशिश करे, देश को धर्म व जाति के नाम पर बांटने या तोड़ने की कोशिश करे, धर्म के नाम पर हिंसा, आगजनी, हत्या तथा लूटपाट को प्रोत्साहित करे या धर्म को धन संग्रह करने का धंधा बनाये, ऐसा व्यक्ति धार्मिक कहने योग्य ही नहीं है। देश के अमनपसंद लोगों को ऐसे फिरका परस्त व सांप्रदायिकतावादी, लोभी, स्वार्थी, दुराचारी तथा व्याभिचारी किस्म के तथाकथित स्वयंभू धर्मगुरुओं से दूर रहना चाहिए। और एक सच्चे व अच्छे इंसान को हमेशा यही कोशिश करनी चाहिए कि वह प्रत्येक माध्यम से संसार में मानवता व भाईचारे की शमा रौशन करे।

दरबार की संस्थापक मर्दे कलन्दर अम्मी हुजूर के तेज, उनके प्रताप व चमत्कारों से जहां चंडीगढ़ के आम लोग, प्रशासनिक अधिकारी, राजनेता, अनेक राजघरानों के लोग, बुद्धिजीवी व उद्योगपति वर्ग के लोग प्रभावित होते थे वहीं मुंबई की फिल्म नगरी के अनेक प्रमुख लोग भी राम दरबार के मोह से अछूते नहीं रहे। अम्मी हुजूर जी द्वारा सर्वधर्म संभाव व सांप्रदायिक सौहार्द्र की मशाल रौशन करने का फिल्म जगत के लोगों पर इतना प्रभाव पड़ा कि न केवल दरबार में विशेष हाजिरी लगाने के लिये बल्कि जब कभी फिल्मी दुनिया के लोग अपनी फिल्म की शूटिंग के सिलसिले में भी चंडीगढ़ अथवा हिमाचल प्रदेश आते-जाते तो उनका पड़ाव राम दरबार ही रहता था। वे लोग राम दरबार में ही अम्मी हुजूर के सानिध्य में रहकर यहां का पवित्र व लजीज लंगर ग्रहण करते तथा बल्कि 'अम्मी हुजूर ' से अपनी फिल्मों की व शूटिंग की सफलता के लिए आशीर्वाद लेते तथा कव्वालियाँ सुना करते थे। मर्द-ए-कलन्दर माता राम बाई 'अम्मी हुजूर ' जी के फिल्म जगत के अनेक भक्तों में एक प्रसिद्ध अभिनेता दादा साहब फाल्के अवार्ड विजेता प्रसिद्ध अभिनेता 'प्राण ' भी थे। सादा जीवन उच्च विचार की प्रतिमूर्ति अम्मी हुजूर जी हमेशा चंडीगढ़ व आस पास प्रायः अपने निजी रिक्शे पर ही आना जाना पसंद करते थे। परन्तु अपने शिष्य शहजादा पप्पू सरकार जी के निवेदन पर उन्होंने दरबार में जब पहली कार लेने का विचार किया तो अभिनेता 'प्राण ' ने ही दरबार में पहली फिएट कार जून 1981 में' अम्मी हुजूर ' जी को तोहफे में पेश की थी। दरअसल आज हमारे देश को ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया को किसी कट्टरपंथी विचारधारा या संकीर्णतावादी धर्म सोच या विश्वास की नहीं बल्कि मर्द-ए -कलन्दर माता राम बाई अम्मी हुजूर जी जैसे मानवतावादी व परोपकारी फक ीरों की सोच का अनुसरण करने की जरूरत है ताकि दुनिया में अमन शांति प्रेम भाईचारा व सद्भाव का पैगाम पहुँचाया जा सके। आज दरबार के गद्दीनशीन शहजादा पप्पू सरकार जी के अथक प्रयासों से अपने गुरु मर्द-ए-कलन्दर माता राम बाई 'अम्मी हुजूर ' जी की स्मृति में बनाया जाने वाला चंडीगढ़ का यह आलीशान 'राम दरबार ' भवन व उनकी यादों को संरक्षित करने की कोशिशें रहती दुनिया तक लोगों को प्रेम सद्भाव भाईचारा व सामाजिक एकता का सन्देश देती रहेंगी।

संक्षिप्त समाचार

ईरान में प्रदर्शनकारियों को पुलिस का अल्टीमेटम

तेहरान, एजेंसी। ईरान में जारी विरोध-प्रदर्शनों को लेकर पुलिस ने सख्त चेतावनी दी है। सोमवार को देश के राष्ट्रीय पुलिस प्रमुख अहमद-रेजा रादन ने कहा है कि जिन लोगों ने दंगों में हिस्सा लिया है, वे 72 घंटे के भीतर सरेंडर कर दें। ऐसा नहीं करने पर उनके खिलाफ 'कानून की पूरी ताकत' के साथ कार्रवाई की जाएगी। यह जानकारी समाचार एजेंसी स्त्रक ने दी है। रादन ने कहा, जो युवा अनजाने में दंगों में शामिल हो गए, उन्हें दुश्मन नहीं माना जाएगा। अगर वे तय समय के भीतर सरेंडर करते हैं, तो उनके साथ नरमी बरती जाएगी। ईरान में 28 दिसंबर से जारी हिंसक प्रदर्शन में अब तक 5,000 लोगों की मौत हो गई है। इनमें करीब 500 सुरक्षाकर्मी शामिल है। एक ईरानी अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर रॉयटर्स को यह जानकारी दी है। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि प्रदर्शन शुरू में शांतिपूर्ण थे, लेकिन बाद में हिंसा में बदल गए। सरकार का आरोप है कि इसमें अमेरिका और इजराइल जैसे विदेशी दुश्मनों की भूमिका रही है।

कराची के शॉपिंग मॉल की आग में मौतों की संख्या 14 तक पहुंची

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के कराची में गुल प्लाजा मॉल में आग लगने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है। बचाव दल ने मलबे से आठ और शव बरामद किए। यह आग शनिवार रात मॉल के बेसमेंट, मीडियानिन और तीन अन्य मंजिलों में लगी थी। आग को रविवार रात तक काबू में कर लिया गया। आग लगने के बाद तुरंत छह लोगों की मौत हो गई थी। गुल प्लाजा में लगभग 1200 दुकानें थीं और यह मॉल 1980 के दशक से कराची का प्रमुख मार्केट रहा है। आग लगने के कारणों में शॉर्ट सर्किट की संभावना जताई गई है, लेकिन जांच जारी है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि मलबे और कमजोर इमारत संरचना के कारण नुकसान और बढ़ सकता है। सिंध गवर्नर कमरान तेस्सोरी ने कहा कि 70 लोग अभी भी मलबे में फंसे हो सकते हैं। यह घटना कराची के इतिहास की बड़ी राष्ट्रीय त्रासदियों में से एक है।

प्रिंस हैरी फिर कोर्ट में, ब्रिटिश टैब्लॉइड्स से संघर्ष जारी

लंदन, एजेंसी। ससेक्स के ड्यूक प्रिंस हैरी इस सप्ताह फिर कोर्ट लौट रहे हैं, जहां उनका ब्रिटिश टैब्लॉइड्स के खिलाफ कानूनी संघर्ष का तीसरा और अंतिम चरण शुरू होगा। हैरी इस मामले में प्रमुख वादी हैं, जिसमें कई मशहूर लोग जैसे एल्टन जॉन, अभिनेता एलिज़ाबेथ हर्ले और सैडी फ्रॉस्ट भी शामिल हैं। इन वादियों का आरोप है कि डेली मेल के प्रकाशक ने निजी जासूसों को काम पर रखा, जिन्होंने उनके कारों में छेड़छाड़ की, निजी रिकॉर्ड देखे और फोन कॉल्स को टेप किया, ताकि सनसनीखेज खबरें बनाई जा सकें। प्रकाशक ने इन आरोपों को गलत और अविश्वसनीय बताया है। लंदन की हाई कोर्ट में यह मुकदमा लगभग नौ हफ्तों तक चलेगा। 2023 में प्रिंस हैरी ने शताब्दियों में पहली बार रॉयल परिवार के वरिष्ठ सदस्य के रूप में गवाह के तौर पर बयान दिया था। इस मुकदमे में वह दूसरी बार गवाही देंगे।

ड्रोन हमले से अंधेरे में दक्षिणी यूक्रेन के 2 लाख लोग

कीव, एजेंसी। ड्रोन हमले के कारण रूस के कब्जे वाले दक्षिणी यूक्रेन के दो लाख लोगों को रविवार की रात अंधेरे में गुजारनी पड़ी। इस बीच रूस ने यूक्रेन के ऊर्जा प्रतिष्ठानों को निशाना बनाना जारी रखा है। रूसी हमले में दो लोगों की मौत भी हो गई। क्रेमलिन की तरफ से नियुक्त स्थानीय गवर्नर के अनुसार, यूक्रेन के दक्षिणी जापोरिज्जिया इलाके के रूस के कब्जे वाले हिस्से में दो लाख से ज्यादा घरों की बिजली गुल हो गई।

वकील की मौत में हिंदू संत चिन्मय दास समेत 39 पर आरोप तय, अदालत ने मुकदमा चलाने का दिया आदेश

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की एक अदालत ने सोमवार को दक्षिण-पूर्वी बंदरगाह शहर चट्टोग्राम में नवंबर 2024 में एक वकील की मौत के मामले में हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास और 38 अन्य लोगों के खिलाफ आरोप तय कर दिए। चिन्मय दास बांग्लादेश सम्मिलित सनातनी जागरण जोत के प्रवक्ता हैं। वह पहले इस्कॉन से जुड़े रहे हैं। उन्हें 25 नवंबर 2024 को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तार किए जाने के बाद में चट्टोग्राम की अदालत ने उन्हें जमानत देने से इनकार कर जेल भेज दिया था। दास की गिरफ्तारी के विरोध में अगले दिन ढाका और अन्य जगहों पर प्रदर्शन हुए। 26 नवंबर, 2024 को चट्टोग्राम में यह प्रदर्शन हिंसक हो गया, जिसमें जूनियर सरकारी वकील सैफुल इस्लाम आलिफ की मौत हो गई थी। सोमवार को चट्टोग्राम डिविजनल स्पीडी ट्रायल ट्रिब्यूनल के जज जाहिदुल हक ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आरोप तय किए।

अमेरिका में भीषण बर्फीला तूफान, मिशिगन में इंटरस्टेट हाईवे पर 100 से ज्यादा वाहन टकराए

मिशिगन, एजेंसी। अमेरिका के मिशिगन राज्य में ग्रेट लेक्स क्षेत्र से आए भीषण बर्फीले तूफान ने भारी तबाही मचाई। सोमवार सुबह इंटरस्टेट-196 पर करीब 100 से अधिक वाहन आपस में टकरा गए या सड़क से फिसलकर बाहर चले गए। यह हादसा ग्रैंड रैपिड्स के पास हडसनविल इलाके में हुआ।

कई घायल, मौत की पुष्टि नहीं : राज्य पुलिस के अनुसार, इस दुर्घटना में कई लोग घायल हुए हैं, हालांकि राहत की बात यह रही कि अब तक किसी की मौत की सूचना नहीं मिली है। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। ओटावा काउंटी शेरिफ कार्यालय ने बताया कि सड़क पर कई वाहन फिसलकर पलट गए और कई ट्रक जैक-नाइफ स्थिति में फंस गए। हाईवे पर फंसे यात्रियों को बसों के जरिए हडसनविल हाई स्कूल पहुंचाया गया, जहां वे अपने परिजनों से संपर्क कर सके या वैकल्पिक यात्रा की व्यवस्था कर पाए।

हाईवे पूरी तरह बंद : इस बड़े हादसे के बाद मिशिगन स्टेट पुलिस ने सुरक्षा कारणों से इंटरस्टेट-196 को दोनों दिशाओं में बंद कर दिया। राहत और बचाव कार्य में जुटी टीमों को सड़क से वाहनों को हटाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। हादसे में 30 से ज्यादा सेमी-ट्रेलर ट्रक भी शामिल थे। अधिकारियों का कहना है कि सफाई कार्य के चलते इंटरस्टेट-196 को कई घंटों तक बंद रखा जा सकता है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि खराब मौसम में अनावश्यक यात्रा से बचें।

पूरे देश में असर : यह हादसा उस बड़े शीतकालीन तूफान का हिस्सा है, जो पूरे अमेरिका में फैल रहा है। नेशनल वेदर सर्विस ने उत्तरी मिनेसोटा से लेकर विस्कॉन्सिन, इंडियाना, ओहायो, पेंसिल्वेनिया और न्यूयॉर्क तक कड़ाके की ठंड और बर्फबारी की चेतावनी जारी की है। एक दिन पहले बर्फबारी फ्लोरिडा पैनहैंडल तक पहुंच गई थी, जबकि मैसाचुसेट्स और शिकागो में फुटबॉल प्लेऑफ मैचों के दौरान खिलाड़ियों को गेंद पकड़ने में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग ने यह भी चेतावनी दी है कि उत्तर-मध्य फ्लोरिडा और दक्षिण-पूर्व जॉर्जिया में मंगलवार तक अत्यधिक ठंड पड़ सकती है।

सड़क पर गाड़ियां मुश्किल से दिखीं : फॉक्स न्यूज से बात करते हुए लोगों ने बताया कि बर्फीली हवा के चलते आगे चल रही गाड़ियां भी मुश्किल से दिख रही थीं। एक पिकअप ड्राइवर ने बताया कहा कि वह 20 से 25 मील प्रति घंटे की रफ्तार से गाड़ी चला रहे थे और किसी तरह अपना वाहन ट्रक रोक पाए। उन्होंने कहा पीछे से लगातार टकराने की आवाजें आ रही थीं। आगे तो दिख रहा था, लेकिन पीछे क्या हो रहा है, यह साफ नजर नहीं आ रहा था। हालात काफी डरावने थे।

सैकड़ों लोग फंसे, स्कूल में ठहराया गया : मिशिगन के ओटावा काउंटी शेरिफ ऑफिस ने बताया कि इलाके में कई जगह दुर्घटनाएं हुईं और कई ट्रक जैकनाइफ हो गए। कई कारें सड़क से फिसलकर बाहर चली गईं। फंसे हुए यात्रियों को बसों के जरिए हडसनविल हाई स्कूल ले जाया गया, जहां वे मदद के लिए कॉल कर सके या अपने घर जाने की व्यवस्था कर सके। अधिकारियों का कहना है कि सफाई और वाहनों को हटाने का काम पूरा होने तक सड़क कई घंटों तक बंद रह सकती है। प्रशासन ने चेतावनी दी कि क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाने और जमी हुई सड़क का ट्रीटमेंट करने में कई घंटे लग सकते हैं, इस दौरान इंटरस्टेट-196 बंद रहेगी।

अमेरिका में कई राज्यों में बर्फीले तूफान का असर : अमेरिका के कई राज्य इन दिनों बर्फीले तूफान का सामना कर रहे हैं। नेशनल वेदर सर्विस ने चेतावनी जारी की है कि उत्तरी मिनेसोटा से लेकर विस्कॉन्सिन, इंडियाना, ओहायो, पेंसिल्वेनिया और न्यूयॉर्क तक बेहद ठंडा मौसम या बर्फीले तूफान की स्थिति बन सकती है। मौसम विभाग ने यह भी चेतावनी दी है कि सोमवार रात से मंगलवार सुबह तक नॉर्थ-सेंट्रल फ्लोरिडा और साउथईस्ट जॉर्जिया में तापमान जीरो डिग्री तक गिर सकता है।

नेपाल: जनकपुर में बालेन शाह की हुंकार, बोले-भाषण नहीं काम करके दिखाऊंगा

जनकपुर, एजेंसी। काठमांडो के पूर्व मेयर और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) की ओर से पीएम पद के उम्मीदवार बालेन्द्र शाह बालेन ने जनकपुरधाम में एक विशाल चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान बालेन ने कहा कि वे केवल भाषण देने वाले नेता नहीं, बल्कि धरातल पर काम करने वाले व्यक्ति हैं। उन्होंने काठमांडो के कार्यों का उदाहरण देते हुए जनता से काम का अवसर मांगा। अपने संबोधन मं बालेन ने कहा कि अयोध्या में प्रतिवर्ष 10 करोड़ पर्यटक पहुंचते हैं, वहीं जनकपुर की जानकी माता में महज 1 करोड़ पर्यटक ही आते हैं। विश्व प्रसिद्ध राम-जानकी विवाह स्थल होने के बावजूद लोग डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए जयपुर-बाली जाते हैं, क्योंकि सरकार ने मिथिला को आकर्षक नहीं बनाया।

प्रदेशों को व्यापक स्तर पर सशक्त बनाने की बात : संघीयता पर बोलते हुए बालेन ने कहा कि आरएसपी प्रदेशों को इतना सशक्त बनाना चाहती है कि उन्हें अधिकारों के लिए काठमांडो न जाना पड़े। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जनता को काठमांडो केवल पशुपतिनाथ के दर्शन के लिए जाना चाहिए, प्रशासनिक तबादलों जैसे छोटे कामों के लिए नहीं। बालेन ने स्वीकार किया कि मेयर रहते हुए कई बार वे गन्ना किसान और मीटर ब्याज पीड़ितों के आंदोलनों में कानूनन मजबूर थे, फिर भी उन्होंने 35 पालिकाओं तक एम्बुलेंस पहुंचाई।

बालेन शाह ने मेयर पद से दिया इस्तीफा : काठमांडू महानगरपालिका के मेयर बालेन शाह ने 5 मार्च को होने वाले चुनाव लड़ने के लिए अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी ने उन्हें प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया है। बालेन झापा-5 सीट से चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं, जहां उनका मुकाबला केपी शर्मा ओली से माना जा रहा है। इस कदम के बाद नेपाल की सियासत में नई हलचल तेज हो गई है। बता दें, नेपाल में हुई क्रांति का ये मुख्य चेहरा थे।

नेपाल की राजनीति में नई पीढ़ी की एंट्री : एक समय रैपर के रूप में पहचान बनाने वाले बालेन शाह ने 2022 में काठमांडू मेयर का चुनाव जीतकर राजनीति में नई सोच का संकेत दिया था। अब उनका प्रधानमंत्री पद का दावेदार बनना नेपाल की राजनीति में पीढ़ीगत बदलाव के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। झापा-5 की चुनावी जंग को इस बार बेहद रोचक और निर्णायक माना जा रहा है।

अफगानिस्तान के काबुल शहर के एक होटल में धमाका, कई लोगों के मारे जाने की संभावना

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां अफगानिस्तान की राजधानी काबुल के शहर-ए-नवा इलाके में सोमवार को एक होटल में भीषण बम धमाका हुआ। सूत्रों के अनुसार, इस हमले में विशेष रूप से चीनी नागरिकों को निशाना बनाया गया। धमाके में सात लोगों के मारे जाने की खबर है। विस्फोट से दर्जन भर लोग घायल भी हुए हैं। मामले में एक एनजीओ ने बताया कि उनके सर्जिकल केंद्र में 20 घायलों को लाया गया, जिनमें से 7 लोग अस्पताल पहुंचने से पहले ही दम तोड़ चुके थे।

अधिकारियों ने कहा कि धमाके के बाद मौके पर राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। वहीं घायल लोगों को निकटस्थ अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। वहीं इस घटना के कारण इलाके में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है और जांच शुरू कर दी गई है। बता दें कि घायलों में चार महिलाएं और एक बच्चा भी शामिल है। चीनी मीडिया के अनुसार, इस हमले में दो चीनी नागरिक गंभीर रूप से घायल हुए हैं और एक सुरक्षा गार्ड की मौत हो गई है। काबुल सुरक्षा कमान के प्रवक्ता खालिद जादरान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर घटना की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि धमाका शहर के चौथे जिले की फ्लावर स्ट्रीट स्थित एक होटल में हुआ। सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर दी है और धमाके की प्रकृति की जांच की जा रही है। फिलहाल किसी भी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। धमाके के सटीक कारण को लेकर जांच जारी अफगानिस्तान के इंटीरियर मिनिस्ट्री के प्रवक्ता अब्दुल मतीन कानी ने कहा कि धमाके के कारण मौतें और चोटें हुई हैं। दूसरी ओर धमाके के सटीक वजह की अभी जांच की जा रही है। वहीं अफगानिस्तान के स्थानीय टीवी चैनल की फुटेज में देखा गया कि सड़क पर लोग दौड़ रहे थे और पीछे धुआं और धूल उठ रही थी। अभी तक धमाके में हुए मारे गए और घायल लोगों का विवरण नहीं मिला है।

आसिम मुनीर बोले-पाकिस्तान बनने का मकसद पूरा होने वाला है

इस्लामी देशों के बीच इसका खास दर्जा, इसकी अहमियत अब और बढ़ेगी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर ने दावा किया कि इस्लाम के नाम पर बने पाकिस्तान का असली मकसद पूरा होने वाला है। उन्होंने ये बात रविवार को लाहौर में पाकिस्तानी अखबार द न्यूज इंटरनेशनल से कही। आसिम मुनीर यहां पूर्व पीएम शहबाज शरीफ के नाती जुनैद सफदर के वलीमा (रिसेप्शन) में शामिल होने आए थे। इसमें प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, नवाज शरीफ, मरियम नवाज, कई सीनियर नेता, मंत्री और सैन्य अधिकारी मौजूद थे। इस बातचीत में आसिम मुनीर ने कहा कि अल्लाह ने पाकिस्तान को एक ऐतिहासिक मौका दिया है, ताकि वो अपने बनने का मकसद हासिल कर सके और देश तेजी से उसी तरफ बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान इस्लाम के नाम पर बना था और आज उसे इस्लामिक देशों के बीच एक खास दर्जा हासिल है। अब इसकी अहमियत और ज्यादा बढ़ेगी।

मुनीर बोले- पाकिस्तान की हालात में बहुत सुधार हुआ : आसिम मुनीर ने दावा किया कि दुनिया में पाकिस्तान की स्थिति और उसकी आर्थिक हालत में काफी सुधार हुआ है। जब उनसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिल रही पहचान को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि अगर उन्हें व्यक्तिगत रूप से कोई सराहना मिल रही है, तो वह भी अल्लाह की मेहरबानी है। उन्होंने कहा कि असल में यह पाकिस्तान को मिली पहचान है, किसी एक इंसान को नहीं। उनके इस बयान को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से हुई मुलाकातों से भी जोड़कर देखा जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आसिम मुनीर और शहबाज शरीफ ने ट्रम्प को पाकिस्तान में दुर्लभ खनिजों और कच्चे तेल के रिसोर्स का भरोसा भी दिलाया, जिनकी कोई पुख्ता जानकारी नहीं है।

आसिम मुनीर लगातार कट्टरपंथी बयान देते रहे हैं : आसिम मुनीर ने अप्रैल 2025 में इस्लामाबाद में हुए ओवरसीज पाकिस्तानियों के सम्मेलन में कहा था कि टू नेशन थ्योरी ही पाकिस्तान की बुनियाद है। उन्होंने कहा था कि मुसलमानों और हिंदुओं के बीच बुनियादी फर्क है और दोनों एक नहीं, बल्कि अलग-अलग राष्ट्र हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान की नींव कलमा पर टिकी है और इस सोच को आगे आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना जरूरी है। आसिम मुनीर अपने भाषणों में इस्लामिक विचारधारा, टू नेशन थ्योरी और भारत के खिलाफ बयानबाजी पर जोर देते रहे हैं। आसिम मुनीर अपने पहले के सेना प्रमुखों से काफी अलग माने जाते हैं। पहले के ज्यादातर सेना प्रमुख पश्चिमी सैन्य संस्थानों में प्रशिक्षित पेशेवर सैनिक थे, जो धर्म और राजनीति से दूरी बनाए रखते थे। इसके उलट आसिम मुनीर हाफिज-ए-कुरान हैं और मजहब उनकी पब्लिक इमेज का अहम हिस्सा है। वह पाकिस्तान के ऐसे पहले अधिकारी हैं, जिन्होंने मिलिट्री इंटेलिजेंस और ढ्रस्ढ्ढ दोनों की लीडरशिप की है। उनकी लीडरशिप में पाकिस्तानी सेना खुद को सिर्फ देश की रक्षा करने वाली ताकत नहीं, बल्कि इस्लाम की रक्षा करने वाली ताकत के रूप में भी पेश कर रही है।

नोबेल शांति पुरस्कार विवाद: ट्रंप की नाराजगी, नॉर्वे PM बोले- सरकार नहीं, स्वतंत्र समिति देती है पुरस्कार

ओस्लो, एजेंसी। नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोरे ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस संदेश पर प्रतिक्रिया दी है, जिसमें ट्रंप ने नोबेल शांति पुरस्कार न मिलने को लेकर नाराजगी जताई थी। प्रधानमंत्री स्टोरे ने साफ शब्दों में कहा कि नोबेल शांति पुरस्कार नॉर्वे सरकार नहीं, बल्कि एक स्वतंत्र नोबेल समिति द्वारा दिया जाता है। स्टोरे ने बताया कि उन्होंने यह बात स्वयं ट्रंप को भी स्पष्ट रूप से समझाई है। उन्होंने कहा मैंने राष्ट्रपति ट्रंप को स्पष्ट किया है कि यह सर्वविदित तथ्य है कि नोबेल शांति पुरस्कार का निर्णय एक स्वतंत्र समिति करती है, न कि नॉर्वे सरकार। कैसे शुरू हुई बातचीत? प्रधानमंत्री स्टोरे के अनुसार, ट्रंप का यह संदेश उस समय आया जब उन्होंने और फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब ने मिलकर अमेरिका द्वारा प्रस्तावित टैरिफ बढ़ोतरी का विरोध करते हुए ट्रंप को एक संदेश भेजा था। यह टैरिफ नॉर्वे, फिनलैंड और कुछ अन्य देशों पर लगाए जाने की बात कही गई थी। स्टोरे ने बताया कि उन्होंने स्थिति को शांत करने और बातचीत के जरिए समाधान निकालने के लिए ट्रंप के साथ फोन कॉल का प्रस्ताव भी रखा था। हालांकि, ट्रंप ने अपने जवाबी संदेश को अन्य नाटो नेताओं के साथ साझा करने का निर्णय लिया। नोबेल पुरस्कार पर ट्रंप की नाराजगी ट्रंप के संदेश में कहा गया कि नॉर्वे द्वारा उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार न दिए जाने से उनके वैश्विक राजनीति और गठबंधन नीति के दृष्टिकोण में बदलाव आया है। ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने 8 युद्ध रुकवाए, इसके बावजूद उन्हें यह सम्मान नहीं मिला। ट्रंप के संदेश का सबसे विवादास्पद हिस्सा ग्रीनलैंड को लेकर था। उन्होंने डेनमार्क के ऐतिहासिक और कानूनी अधिकारों पर सवाल उठाते हुए कहा कि वह इस क्षेत्र की सुरक्षा नहीं कर सकता। ट्रंप ने यहां तक दावा किया कि दुनिया तब तक सुरक्षित नहीं है, जब तक अमेरिका का ग्रीनलैंड पर पूर्ण नियंत्रण न हो। प्रधानमंत्री स्टोरे ने ग्रीनलैंड के मुद्दे पर नॉर्वे की स्थिति दोहराते हुए कहा कि ग्रीनलैंड डेनमार्क के साम्राज्य का हिस्सा है और नॉर्वे इस मामले में पूरी तरह डेनमार्क के साथ खड़ा है। उन्होंने यह भी कहा कि आर्कटिक क्षेत्र की सुरक्षा के लिए नाटो जिम्मेदार और संतुलित भूमिका निभा रहा है। गौरतलब है कि ट्रंप ने यह भी धमकी दी है कि यदि ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के देश ग्रीनलैंड को अमेरिका को बेचने पर सहमत नहीं होते हैं, तो उन पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाया जा सकता है।

जेल में इमरान खान पर सैकड़ों पाबंदिया?: दावा- तीन महीने से अलग जेल में रखा, वकीलों से भी मिलने की अनुमति नहीं

इस्लामाबाद, एजेंसी। अगस्त 2023 से जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) की तरफ से दावा किया जा रहा है कि इमरान खान को तीन महीने से अलग जेल (सोलिटरी कंफाइनमेंट) में रखा गया है और उन्हें अपने कानूनी वकीलों से मिलने की अनुमति नहीं दी जा रही। इमरान खान को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच सोमवार को उनकी पार्टी ने यह दावा किया।

पीटीआई ने कहा कि लंबे समय तक अलग जेल में रखने को अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत हानिकारक और अमानवीय माना जाता है। पार्टी ने कहा कि खान को जेल मैनुअल में तय बुनियादी सुविधाएं भी नहीं दी जा रही हैं। बता दें कि पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में बंद हैं। उनके खिलाफ कई मामले दर्ज हैं, जो उनके अप्रैल 2022 में सरकार गिरने के बाद शुरू हुए।

जेल में उनकी बैठकों पर लगाया प्रतिबंध : बता दें कि इससे पहले पिछले महीने, सेना समर्थित शहबाज शरीफ सरकार ने उनके सभी जेल मीटिंग्स पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया, क्योंकि खान ने चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेस (सीडीएफ) फील्ड मार्शल असिम मुनीर के खिलाफ बयान दिया था। 4 दिसंबर को अपनी बहन से मिलने के बाद खान ने सोशल मीडिया पर कहा था कि असिम मुनीर मानसिक रूप से अस्थिर व्यक्ति हैं। खान की पार्टी ने क्या-क्या दावा किया? इमरान खान को लेकर उनकी पार्टी का कहना है कि पूर्व पीएम को पूरी तरह अलग कर रखा गया है और उन्हें वकीलों और परिवार से मिलने का अधिकार नहीं दिया गया, जो किसी भी कैदी का संवैधानिक अधिकार है। पार्टी ने सरकार से तुरंत वकीलों और परिवार को उनसे मिलने की अनुमति देने की मांग की है। पीटीआई ने यह भी कहा कि फरवरी 2024 के आम चुनाव में उनके अनुसार उनकी पार्टी का जनादेश चोरी कर पीएमएल-एन और पीपीपी को सत्ता में लाया गया और इसलिए वे आठ फरवरी को विशाल प्रदर्शन करने जा रहे हैं।

मुनीर को लेकर खान ने क्या कहा था : गौरतलब है कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने अपने अंतिम सोशल मीडिया पोस्ट में असिम मुनीर पर जमकर निशाना साधा था। उन्होंने लिखा था कि असिम मुनीर एक मानसिक रूप से अस्थिर व्यक्ति हैं, जिनकी नैतिक गिरावट ने पाकिस्तान के संविधान और कानून के शासन को पूरी तरह ढहा दिया है, जिससे हर पाकिस्तानी के बुनियादी अधिकार असुरक्षित हो गए हैं।

ट्रंप ने ग्रीनलैंड में भेजा 'नोराड' विमान, तनाव के बीच बड़ा फैसला

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। डेनमार्क समेत यूरोपीय देशों से जारी तनाव के बीच अमेरिका ने ग्रीनलैंड के सैन्य अड्डे पर उत्तरी अमेरिकी एयरोस्पेस डिफेंस कमांड (एनओआरएडी) का एक विमान तैनात करने का फैसला लिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का ये फैसला चौंकाने वाला है। राष्ट्रपति ट्रंप ने ग्रीनलैंड के पिटुफिक अंतरिक्ष अड्डे पर एनओआरएडी का एक विमान तैनात करने का एलान किया। नोराड की ओर से कहा गया है कि विमान अलग-अलग पूर्व नियोजित गतिविधियों में सहयोग देने के लिए बेस पर पहुंचेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह कार्रवाई डेनमार्क और ग्रीनलैंड के समन्वय से की जा रही है। नोराड ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, नोराड के विमान जल्द ही ग्रीनलैंड के पिटुफिक स्पेस बेस पर पहुंचेंगे। अमेरिका और कनाडा के मुख्य भूभाग में स्थित ठिकानों से संचालित होने वाले विमानों के साथ मिलकर, वे नोराड की गतिविधियों में सहयोग करेंगे। यह अमेरिका और कनाडा के साथ-साथ डेनमार्क साम्राज्य के बीच स्थायी रक्षा सहयोग को और मजबूत करेंगी।

क्या ट्रंप का ये कदम ग्रीनलैंड पर कब्जे की ओर इशारा : नोराड की ओर से बताया गया कि यह गतिविधि डेनमार्क साम्राज्य के साथ मिलकर की जा रही है और सभी सहायक बलों को जरूरी राजनयिक मंजूरी प्राप्त है। बताया गया है कि ग्रीनलैंड सरकार को भी गतिविधियों की जानकारी दी गई है। नोराड नियमित रूप से उत्तरी अमेरिका की रक्षा में लगातार अभियान चलाता है। ये अभियान नोराड के तीनों क्षेत्रों (अलास्का, कनाडा और महाद्वीपीय अमेरिका) में से एक या सभी के जरिए चलाए जाते हैं। अमेरिकी सेनाओं के साथ

डेनमार्क और अन्य देशों ने किया सैन्य अभ्यास अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ग्रीनलैंड को हासिल करने की धमकियों को लेकर वॉशिंगटन के साथ तनाव के बीच डेनमार्क की सेनाओं के नेतृत्व में हुए एक बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास के बाद अमेरिका ने यह कदम उठाया है। जर्मनी, स्वीडन, फ्रांस, नॉर्वे, नीदरलैंड और फिनलैंड ने आर्कटिक की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अभ्यास में शामिल होने के लिए ग्रीनलैंड में थोड़ी संख्या में सैन्य कर्मियों को भेजा है। डेनमार्क ने अमेरिका को भी सैन्य अभ्यास में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था। ग्रीनलैंड में बड़े पैमाने पर सैनिकों के तैनाती की संभावना डेनमार्क पहले से ग्रीनलैंड में करीब 200 सैनिक तैनात किए हुए है। इसके अलावा 14 सदस्यीय सीरियस डॉग स्लेज पेट्रोल भी वहां मौजूद है, जो आर्कटिक इलाकों में गश्त करते हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा है कि आने वाले दिनों में इन्हें जमीन, हवा और समुद्र के जरिए और मजबूत किया जाएगा। यह संख्या छोटी है, लेकिन यह राजनीतिक संदेश देने के लिए है कि नाटो एकजुट है। डेनमार्क की अगुआई में चल रहा ऑपरेशन आर्कटिक एंड्योरेंस एक सैन्य अभ्यास है। इसका मकसद यह देखना है कि अगर भविष्य में ग्रीनलैंड में बड़ी संख्या में सैनिक तैनात करने पड़े, तो उसकी तैयारी कैसी होगी। डेनमार्क के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक इस अभ्यास का फोकस आर्कटिक इलाके में सहयोगी देशों के बीच तालमेल और काम करने की क्षमता बढ़ाने पर है। आगे चलकर इससे भी बड़ा मिशन लाने की योजना है, जिसे ऑपरेशन आर्कटिक सेंट्री कहा जा रहा है। यह एक नाटो मिशन होगा। इसका उद्देश्य ग्रीनलैंड और उसके आसपास के इलाकों में निगरानी बढ़ाना और किसी भी खतरे का सैन्य जवाब देने की ताकत मजबूत करना है। हालांकि यह मिशन तुरंत शुरू नहीं होगा। जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस के मुताबिक, ऑपरेशन आर्कटिक सेंट्री को शुरू होने में अभी कई महीने लग सकते हैं। यानी फिलहाल ग्रीनलैंड में कोई बड़ा नया सैन्य मिशन शुरू नहीं हुआ है, बल्कि उसकी तैयारी और योजना पर काम चल रहा है।

नाखूनों का सौंदर्य बढ़ाने के तरीके

गुलाबी, दोषरहित नाखून किसी भी व्यक्ति के उत्तम स्वास्थ्य की निशानी होते हैं। नाखून के रोग इनकी सुंदरता कम करने के साथ आपके स्वास्थ्य का राज भी खोल देते हैं। नाखूनों की कई बीमारियां होती हैं। अगर आप उन्हें सही समय पर पहचान लें और उनकी सही देखभाल करें तो वे दोबारा स्वस्थ और सुंदर हो सकते हैं। इसके अलावा कुछ जरूरी टिप्स अपनाकर आप आकर्षक और खूबसूरत नाखूनों की धनी हो सकती हैं-

स्वस्थ-सुंदर नाखून

- भोजन में पोषक तत्वों की कमी भी नाखूनों के कई बीमारियों का कारण होती है। अपनी डाइट में पोषक पदार्थो का सेवन करके नाखूनों की चमक लौटाई जा सकती है।
- मजबूत नाखून पाने के लिए दिन में 8-10 ग्लास पानी अवश्य पिएं।
- कैल्शियम की कमी नाखूनों के कई रोगों का कारण बनता है। इसलिए अपने भोजन में दूध और उससे बनी चीजें, यानी डेयरी प्रोडक्ट भी शामिल करें।
- सैलेड, फलों व उनके रस का सेवन करने पर पर्याप्त पोषक पदार्थो की आपूर्ति होती है।
- अगर आप शाकाहारी हैं तो ब्रॉक्ली व प्याज, अगर मांसाहारी हैं तो मछली खाएं। उनमें सिलिकॉन और सल्फर होता है जो नाखूनों के लिए फायदेमंद होता है।
- विटिमिन बी के स्त्रोत खमीर व सोयाबीन नाखूनों के सफेद धब्बों और दरारों या धारियों को दूर करने में सहायक होते हैं, अत: उनका सेवन करें।
- गाजर के रस में कैल्शियम व फास्फोरस प्रचुर मात्रा में होता है, जो नाखूनों के स्वास्थ्य के लिए आवश्यकहोता है।
- हाथों और नाखूनों की रोज अच्छी तरह सफाई करने से उनमें फंसा मैल निकल जाता है और किसी भी प्रकार के बैक्टीरियल इन्फेक्शन होने की संभावना नहीं रहती।
- रूखे, बेजान नाखूनों से परेशान होने के बजाय यदि आप उनकी सही और नियमित ढंग से देखभाल करेंगी तो कुछ ही दिनों में सुंदर नाखून आपके हाथों का सौंदर्य दोगुना कर देंगे।
- यदि नाखून अधिक कमजोर या बदरंग हो रहे हों तो तेज खुशबूदार लोशन के प्रयोग से बचें, क्योंकि इन प्रोडक्ट्स में उपस्थित एल्कोहॉल नाखूनों को हानि पहुंचाता है।
- अगर नाखून बहुत अधिक कमजोर हों तो आप नेल हार्डनर का प्रयोग भी कर सकती हैं। नेल हार्डनर नाखूनों को सुरक्षा प्रदान करते हैं और उन्हें मजबूत बनाते हैं।
- ध्यान रखें, अधिक देर पानी में हाथ न डालें और हाथ धोने के बाद उन्हें अच्छी तरह सुखाकर क्रीम या मॉयस्चराइजर लगाएं और सोने से पहले नाखूनों पर क्यूटिकल ऑयल, क्यूटिकल क्रीम या बेबी ऑयल लगाएं।
- नाखून बहुत कडे हों तो नॉन एसीटोन नेल पेंट रिमूवर का प्रयोग करें, क्योंकि एसीटोन पॉलिश रिमूवर नाखूनों से नमी सोखकर उन्हें कडा बना देता है।
- नेल पेंट हटाने के बाद नाखूनों पर क्यूटिकल क्रीम या ऑलिव ऑयल से मालिश करें।
- नाखूनों को शेप देते समय ध्यान रखें कि वे सूखे हों।
- नाखूनों को दांत से न कांटे। ऐसा करने से उनके विकास की प्रक्रिया धीमी हो जाती है और वे देखने में खराब भी लगते हैं।
- अगर अधिक लंबे नाखून न हों तो उन्हें काटने की जगह फाइलर से फाइल करना बेहतर है लेकिन कभी भी साइड से अधिक फाइल ना करें अन्यथा नाखून टूट सकते हैं।
- कई स्त्रियां यह सोचती हैं कि मेनीक्योर और पेडीक्योर को हर हफ्ते क्यों कराएं, लेकिन हफ्ते में एक बार ऐसा करने से नाखून सही शेप में रहते हैं और उनकी एक प्रकार से कंडीशनिंग भी हो जाती है। मेनीक्योर अथवा पेडीक्योर करवाते समय प्रयोग में लाए जाने वाले सामान स्टरलाइज्ड हों वरना बैक्टीरियल इन्फेक्शन होने का डर रहता है।
- हफ्ते में दो बार नाखूनों पर नेल स्ट्रेंथनर लगाएं। इसे आप नेलपॉलिश लगे नाखूनों पर या बिना नेलपॉलिश लगे नाखूनों पर भी लगा सकती हैं।
- सप्ताह में कम से कम एक बार नाखूनों पर गुनगुने ऑलिव ऑयल से हलके हाथों मसाज करें। ऐसा करने से पहले गुनगुने पानी में नीबू का रस डालें और हाथों को इसमें कुछ देर तक डुबोकर रखें। फिर मसाज करें।
- नाखूनों को आकर्षक बनाने के लिए नेल पेंट रिमूवर से पुरानी नेलपॉलिश अच्छे से साफ कर लें और नाखूनों को फाइल करके मनचाहा शेप दें।
- नेलपॉलिश लगाने से पहले बेस कोट लगाएं, फिर नेल पेंट के दो कोट लगाकर टॉप कोट अप्लाई करें।
- लाइड शेड्स के नेल कलर सदाबहार होते हैं। इन्हें आप किसी भी अवसर और समय पर लगा सकती हैं।
- नेलपॉलिश जल्दी सुखाना चाहती हैं तो लगाने के बाद नाखूनों को कुछ देर ठंडे पानी में डुबो दें या हेयर ड्रायर की कूल सेटिंग से सुखा लें। एक बात का और ध्यान रखें कि अगर नेलपॉलिश जल्दी सुखानी है तो सिर्फ एक कोट ही एप्लाई करें।
- रिमूवर का अधिक प्रयोग करने से बचें। अधिक इस्तेमाल करने से नाखूनों पर धब्बे पड जाते हैं।
- हमेशा अच्छी कंपनी की नेलपॉलिश का ही प्रयोग करें।
- कोई जरूरी नहीं है कि नाखूनों पर हरदम नेलपॉलिश लगी रहे। कभी-कभी उन्हें ऐसे ही छोड दें। बहुत मन हो तो ट्रांसपेरेंट नेलकलर लगाएं।

यूं निखर जाए रूप आपका

- अपनी त्वचा के अनुरूप ही मेकअप का इस्तेमाल करें।
- हमेशा चेहरा धोने के बाद टोनर लगाएं। इससे मेकअप अधिक देर तक टिकता है।
- फाउंडेशन लगाने से पहले गीली त्वचा पर ही हलका-सा मॉयस्चराइजर लगाएं, ताकि वह एकसार दिखे और चेहरे पर स्वाभाविक ग्लो नजर आए।
- कभी भी क्रैश डाइटिंग न करें। इससे त्वचा की खूबसूरती नष्ट हो जाती है।
- खाने-पीने पर हमेशा नियंत्रण रखना जरूरी है, साथ ही थोडा-सा व्यायाम भी। इससे खूबसूरती बरकरार रहने के साथ शरीर भी स्वस्थ रहता है।
- तैलीय त्वचा में निखार लाने के लिए मलाई में नीबू का रस मिलाकर लगाएं। इससे त्वचा कोमल और मुलायम हो जाती है।
- रोज 6-7 घंटे की नींद जरूर लें।
- सस्ती लिपस्टिक बिंदी कभी इस्तेमाल न करें, इससे एलर्जी की संभावना अधिक रहती है।
- सुबह खाली पेट एक सेब रोज खाने से त्वचा में निखार आता है और मानसिक तनाव भी कम होता है।
- बालों के झडने और सफेद होने के कारण अकसर तनाव होता है, जिससे चेहरे की कांति नष्ट हो जाती है। इसके लिए खाने में पोषक तत्वों की मात्रा पर्याप्त रखें।
- सुबह उठकर गुनगुने पानी में आधा चम्मच शहद व नीबू का रस मिलाकर पिएं। इससे पेट साफरहता है।
- जहां तक संभव हो सके, सुबह की पहली धूप की किरणें शरीर को दें, जिससे विटमिन ए और डी की प्राप्ति शरीर को हो जाती है, स्वास्थ्य भी उत्तम रहता है।
- रात को सोने से पहले क्लींजिंग मिल्क से चेहरा साफ करें ताकि त्वचा का अतिरिक्त तेल निकल जाए।
- हाथों में क्लींजर डालकर हथेलियों को रगड कर झाग बना लें, फिर चेहरे पर मलें, इससे चेहरा जल्दी साफ हो जाता है।
- विटमिन ए, बी, सी, डी और ई त्वचा में निखार लाते हैं, इन्हें भोजन में शामिल करना न भूलें। किसी न किसी रूप में इनका प्रयोग जरूर करें।

मां तुम बदल जाओ

मेरी मां मुझे बात-बात पर टोकती है। कहीं भी जाओ उनसे पूछकर जाना पड़ता है। आखिर वे क्यों नहीं बदलतीं। अक्सर टीनएज लड़कियों के मुंह से अपनी मां को लेकर इस तरह की शिकायतें सुनने मे आ ही जाती हैं। हो सकता है कि आपका भी अपनी मां के साथ अच्छा तालमेल नहीं बैठ पा रहा हो। पर अब ज्यादा परेशान न हों बस मनोचिकित्सकों और जाने-माने लेखकों की इन बातों पर गौर फरमाएं-

बदलने की कोशिश न करें : आपकी मां की कई ऐसी आदतें होंगी जिन्हें आप बदलना चाहती हैं। क्योंकि, वे आपको पसंद नहीं। बस यही तो आपकी भूल है। डॉटर एंड मदर पुस्तक की लेखिका और साइकोथैरेपिस्ट डोरेथी फिरमैन कहती हैं कि हम में से कई लोग अपनी मां को बदलने की कोशिश करते हैं। यह सोचकर कि इससे आपसी रिश्तों में सुधार होगा। पर शायद हम यह भूल जाते हैं कि हम उन्हें नहीं बदल सकते।

नियंत्रण अपना लें : जिन बातों को लेकर आपकी मां को आपकी चिंता होती है, आपको बंधन लगती हैं। जितना वे आपकी जिंदगी का हिस्सा बनने की कोशिश करती हैं उतना ही आप उन्हें खुद से दूर कर देती हैं। इसका परिणाम यह होता है कि वे आपको हर बात पर टोकने लगती हैं। आप चाह कर भी उनसे दूर नहीं भाग सकतीं। अपनी जिंदगी मे उन्हें शामिल करें। उन्हें महत्त्व देकर आप उनका अपनी जिंदगी में नियंत्रण थोड़ा कम कर सकती हैं।

रजामंदी जरूरी : आपको लगता है कि हर बात पर मां की रजामंदी लेना क्या जरूरी है। अक्सर आपको इस बात पर झुंझलाहट भी होती होगी। पर ऐसे में आप अपनी मां का अनादर करने की बजाय बीच का रास्ता निकालें। उनके सामने अपनी ऐसी छवि बनाएं कि आप बेहतर डिसीजन ले सकती हैं। अगर एक बार उनको तसल्ली हो जाएगी कि आप जो काम कर रही हैं वह सही है और आपने जो राह अपने लिए चुनी है वह भी सही है, तो हो सकता है कि वे आपका साथ दें।

तरीका बदलें : उनकी अगर यह आदत है कि उन्हें आपसे जुड़ी हर बात पर बोलना है, चाहे वे उसे समझ रही हैं या नहीं। तो भड़कें नहीं। इससे उनकी इस आदत को बढ़ावा ही मिलेगा। उनकी किसी बात का जवाब देने का तरीका बदलें। ऐसे तर्क उनके सामने रखें जिनसे उन्हें लगे कि उनका हर बात पर बोलना और राय देना ठीक नहीं है।

मां से प्यार करें : आपकी मां आए दिन आप पर गुस्सा करती हैं या फिर बड़बड़ाती रहती हैं तो हो सकता है कि उन्हें ऐसा महसूस हो रहा है कि आपने उन्हें अपने से दूर कर दिया है। इस बात का हमेशा ध्यान रखें कि आपके लिए आपकी मां अच्छा ही सोचेगी। उन्हें प्यार-सम्मान दें और यह मानकर चलें कि जो कुछ वे कह रही हैं या कर रही हैं उसमें उनका कोई स्वार्थ नहीं है।

बीन्स विद पनीर

सामग्री: 175 ग्राम चवली (बीन्स), 200 ग्राम पनीर, 1 कप फ्रेंच बीन्स, गाजर, हरी प्याज, मटर, 1 छोटा प्याज, 1 टेबलस्पून टोमैटो केचअप, नमक स्वादानुसार, आधा टीस्पून जीरा, सजाने के लिए हरी धनिया।

विधि: चवली को रातभर पानी में भिगोकर रखें। प्रेशर कुकर में पका लें। फ्रेंच बीन्स को थोड़ा-सा उबाल लें। एक पैन में तेल गर्म करें। जीरा डालें। प्याज, शिमला मिर्च, गाजर, पकी हुई फ्रेंच बीन्स और चवली डालें। नमक व पनीर डालें। 1 टीस्पून टॉमैटो केचअप डालकर हरी धनिया से सजाकर सर्व करें।

किचन टिप्स

- कस्टर्ड बनाते वक्त चीनी के साथ अगर थोड़ा सा शहद डालें तो कस्टर्ड और भी स्वादिष्ट बनता है।
- पालक, मेथी जैसी हरी सब्जियों को अगर प्लास्टिक की थैली में अलग-अलग बांध कर रखा जाए तो खराब नहीं होती।
- नींबू को ज्यादा देर तक ताजा रखने के लिए नमक के बर्तन में डालकर रखें।
- ब्रेड बटर पेपर में लपेटकर रखने से ताजा रहती है।
- चावल पानी में उबालते समय एक तेज पत्ता डालने से खुश्बूदार बनते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। विद्यार्थियों को लाभ। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। शुभांक-6-7-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-3-4-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। संतान की उन्नति के योग हैं। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-4-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): पुराने मित्र से मिलन होगा। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। व्यापार में वृद्धि होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। शुभांक-4-2-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-6-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-3-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। किसी कार्य विशेष के लिए यात्रा आवश्यक होगी। शुभांक-6-7-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। काम पर पैनी नजर रखिए। सब्र का फल मीठा होता है अत: धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। शुभांक-2-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सफलता मिलेगी। शुभांक-3-7-8

काकुरो पहेली - 1964

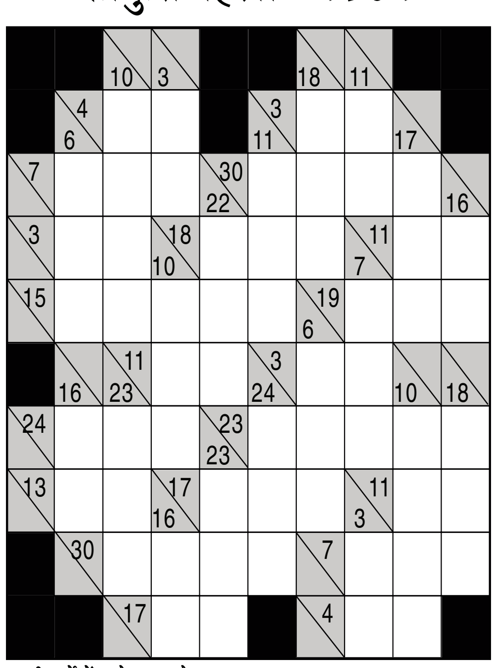

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

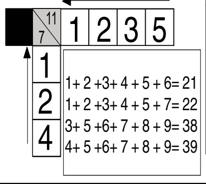

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 1963 का हल

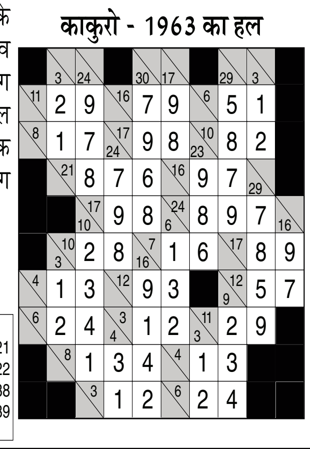

हंसी के फूव्वारें

दो बेवकूफ एक नाव में यात्रा कर रहे थे. अचानक नाव में एक छेद हो गया. जब नाव में पानी भरने लगा तो एक बेवकूफ ने चिन्तित होते हुए कहा-'नाव में पानी भर रहा है.'

'लगता है कोई छेद हो गया है.' दूसरा बेवकूफ बोला.

'फिर ?'

'एक छेद और कर देते हैं. एक छेद से पानी आ रहा है, दूसरे छेद से निकल जायेगा.' दूसरे बेवकूफ ने सुझाव दिया तो पहले बेवकूफ ने सिर हिलाकर उसकी बात का अनुमोदन कर दिया.

□ □ □

एक भिखारी ने एक बार लाटरी का टिकट खरीद लिया. टिकट खरीदने के बाद वह उछलने-कूदने लगा. अन्त में वह घर पहुंचकर अपनी घरवाली से बोला-'मैंने लाटरी का टिकट खरीद लिया है. अब हम बहुत जल्दी लखपति बनने वाले हैं.'

'ओह!'

घरवाली करवट बदलते हुए बोली-'यह कितनी अच्छी बात है. फिर तो हम कार में बैठकर भीख मांगा करेंगे!'

□ □ □

एक अभिनेत्री को अपना पासपोर्ट बनवाना था. उसे एक फार्म भरने को दिया गया. उस फार्म में एक प्रश्न यह भी था-'आप विवाहित हैं, अविवाहित हैं या तलाकशुदा ?'

अभिनेत्री ने तुरन्त जवाब लिखा-'तीनों !'

फिल्म वर्ग पहेली- 1964

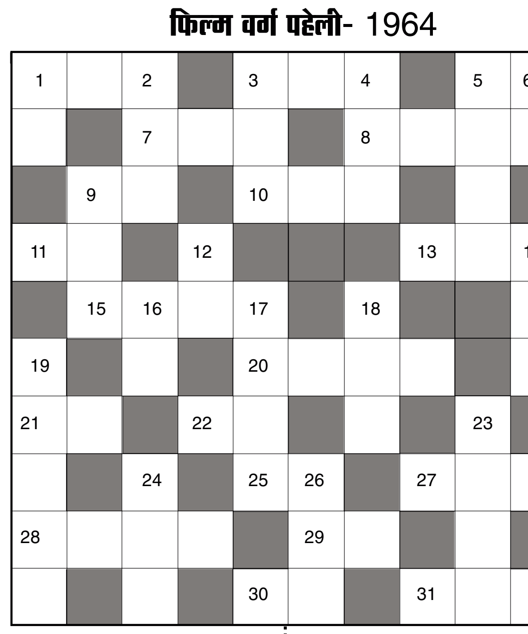

बायें से दायें:-

१. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'जब दिल चुराए' गीत वाली फिल्म-३
३. 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली धर्मेन्द्र, रेखा की फिल्म-३
५. सलमान, नगमा की 'चांदनी रात है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'टुट गई तड़क करके' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी की फिल्म-३
८. अनिल धवन, रेहाना सुल्तान की 'दिल बेचैन रहा' गीत वाली फिल्म-२,२
९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली संजयदत्त, सलमान खान, रवीना की फिल्म-२
१०. डैनी, विनोद मेहरा, मौसमी की 'संसार है एक' गीत वाली फिल्म-३
११. 'गाड़ी बुला रही है' गीत वाली धर्मेन्द्र हेमा की फिल्म-२
१३. जीतेन्द्र, रामेश्वरी की 'काहे बिंदिया लगाई' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'वो लड़की बहुत' गीत वाली अजय देवगन, नेहा धूपिया की फिल्म-४
२०. बॉबी, अक्षय खन्ना, अमीषा की 'दिल ने कर लिया' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'मुझे साजन के' गीत वाली अनिल, जैकी, मनीषा, माधुरी की फिल्म-२
२२. सनी, सुनील, सेलिना की 'प्यार होने लगा' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल की फिल्म-२
२७. फरदीन खान, उर्मिला की 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'लाल लाल होठों पे' गीत वाली अजय देवगन, जूही की फिल्म-४
२९. फिल्म 'एलओसी' में अजय देवगन के साथ किस की जोड़ी है-२
३०. 'सोल्जर' में प्रीति का नायक ?-२
३१. 'मेरे दिल का पता' गीत वाली राहुल राय, दीपक, पूजा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'दुनिया हसीनों का' गीत वाली बॉबी देओल, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
२. अनिल धवन, नीतूसिंह की 'अपने दिल में जगह' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मैं निकला' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-३
४. करण दीवान, वैजयंती की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-३
५. 'किताबें बहुत सी' गीत वाली शाहरूख, काजोल, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-४
६. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'बांसुरी बजाय के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'मिलने से पहले' गीत वाली शरद कपूर, मुकुल आनंद, सुष्मिता की फिल्म-३
१२. विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'एक तो ये बैरी' गीत वाली दिलीपकुमार, शर्मिला की फिल्म-३
१६. रितिक, करीना की 'ए री रे एरी क्या है' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आपका चेहरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, नसीर, सोनू, पल्लवी की फिल्म-४
१८. गोविंदा, ऋषिकपूर, नीलम, मीनाक्षी की 'तेरे डैडी ने दिया' गीत वाली फिल्म-३
१९. शाहरूख, सैफ, प्रीती जिंटा की 'कुछ तो हुआ है' गीत वाली फिल्म-२,१,१,१
२३. अमिताभ, सलमान, हेमा की 'चली चली फिर चली' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'इंतहा हो गई' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 1963

सूडोकु -1964

	8	5						
3								
			6			7	4	
6			2		4			
1								8
			7		5			3
	4	7			1			
								6
						5	2	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1963 का हल

4	3	9	2	6	8	5	1	7
8	1	6	7	4	5	9	2	3
7	5	2	3	9	1	6	4	8
1	7	5	4	2	6	8	3	9
6	4	3	8	5	9	2	7	1
2	9	8	1	7	3	4	5	6
5	2	1	6	8	7	3	9	4
9	8	7	5	3	4	1	6	2
3	6	4	9	1	2	7	8	5

शब्द पहेली - 1964

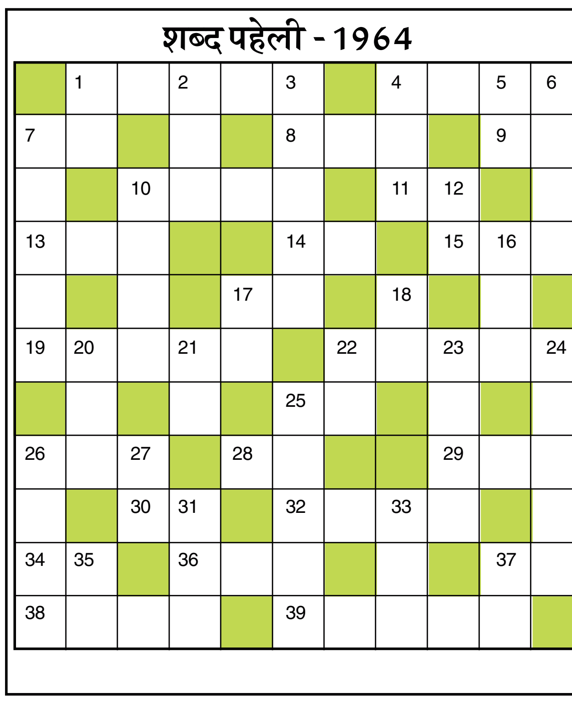

बाएँ से दाएँ

1.अपनापन का विलोम-5
4.हठ करना,रोना,लालसा करना-4
7.गीत (अंग्रेजी-2)
8.गलीचा,कारपेट-3
9.किनारा,छोर-2
10.झगड़ा,कहासुनी-4
11.समय,वक्त-2
13.बेबस-3
14.राष्ट्र,स्वदेश-2
15.पुत्र,लड़का-3
17.प्राप्त करना-2
19.सेंधमार-5
22.चरित्र,व्यवहार-2,3
25.जीव,दूत,जासूस-2
26.आत्मबलि देना-3
28.ताकत,जोश,बल-2
29.कराह,टीस,लालसा-3
30.वहम,संदेह-2
32.आह भरना-4
34.दूर्वा,घास-2
36.चोंगा,गाऊन-3
37.सफर,जात्रा-2
38.दयालु,कृपालु-4
39.निर्माण करने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.पांव, पैर-2
2.भिखारी,मंगता-3
3.अस्वीकृत करना-3,2
4.माला का मोती-3
5.बुरी आदत-2
6.नाटक से परिपूण-4
7.हल्का काला,श्याम-5
10.व्यवस्थित-4
12.बुरी आदत-2
16.अनुकृति-3
17.तांबूल,पत्ता-2
18.रुखसार,कपोल-2
20.डोली अथवा पालकी उठाने वाले -3
21.जोड़,योग-2
22.चतुर्थ-2
23.आनंद ध्वनि करना-4
24.महात्मा गांधी की दांडी यात्रा-5
25.चमकीला-5
26.नीच,नराधम -4
27.विनाश, नेस्तनाबूत-2
31.रंग (अंग्रेजी-3)
33.पराजित करना-3
35.गौरैया, एक चिड़िया-2
37.दोस्त,मित्र, सखा-2

शब्द पहेली - 1963 का हल

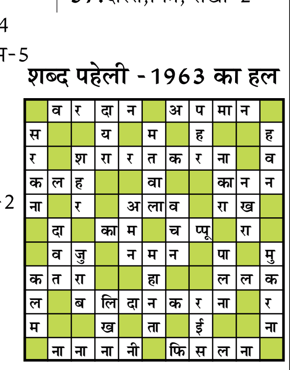

माघ मेला में वसंत पंचमी व अचला सप्तमी को नहीं चलेंगे वाहन

एजेंसरी

प्रयागराज। वसंत पंचमी एवं अचला सप्तमी स्नान पर्व के मद्देनजर 23 से 25 जनवरी तक माघ मेला क्षेत्र में स्नानार्थियों और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ की संभावना को देखते हुए वाहनों के आवागमन को पूरी तरह से प्रतिबंधित रखा जाएगा। यह जानकारी मंगलवार की शाम माघ मेला पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार पांडेय ने दी। उन्होंने बताया कि दोनों स्नान पर्वों को सकुशल संपन्न कराने के लिए मार्गवार पार्किंग और आवागमन की विस्तृत योजना लागू की जाएगी। 22 जनवरी की रात आठ बजे से मेला क्षेत्र में सभी तरह के वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा। सिर्फ एंबुलेंस और आपातकालीन वाहनों को छूट रहेगी। श्रद्धालु निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही वाहन खड़ा करके पैदल निर्धारित मार्गों से स्नान घाटों तक पहुंच सकेंगे। संगम नोज पर किसी भी तरह पार्किंग पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। उन्होंने श्रद्धालुओं से निर्धारित मार्गों और पार्किंग स्थलों का ही प्रयोग करने की अपील की है। ताकि स्नान पर्व के दौरान आवागमन सुचारु बना रहे और किसी तरह की असुविधा न हो। प्लॉट नंबर 17 पार्किंग से श्रद्धालु काली मार्ग होते हुए अपर संगम मार्ग से संगम, हनुमान व रामघाट तक पहुंच सकेंगे। वापसी अक्षयवट व त्रिवेणी मार्ग से होगी। इसी तरह गल्ला मंडी पार्किंग से काली मार्ग, मोरी रैंप व किलाघाट होते हुए काली उत्तरी, मोरी, शिवाला और दशाश्वमेध घाट जा सकेंगे। नागवासुकी पार्किंग से रिवर फ्रंट मार्ग होते हुए नागवासुकी घाट तक आवागमन रहेगा।

प्रधानमंत्री के चेन्नई दौरे को लेकर हवाई अड्डे पर विशेष सुरक्षा बल के अधिकारियों ने किया निरीक्षण

एजेंसी

चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चेन्नई आगमन को लेकर चेन्नई हवाई अड्डे पर विशेष सुरक्षा बल के अधिकारियों ने निरीक्षण किया। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव कुछ ही महीनों में होने वाले हैं। इस पृष्ठभूमि में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन(एनडीए) की ओर से एक विशाल चुनावी प्रचार जनसभा शुक्रवार को चेंगलपट्टू जिले के मदुरांतकम में आयोजित की जाएगी। इस जनसभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भाग लेंगे और गठबंधन दलों के नेताओं को संबोधित करेंगे। चेन्नई हवाई अड्डा के अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी गठबंधन के प्रमुख नेताओं- एडप्पाडी के. पलानीस्वामी, जी.के. वासन, जॉन पांडियन सहित अन्य से मुलाकात

कर चर्चा भी करेंगे। इसके लिए वे शुक्रवार को तिरुवनंतपुरम से विशेष विमान से दोपहर 1.15 बजे रवाना होकर 2.15 बजे चेन्नई के पुराने हवाई अड्डे पर पहुंचेंगे। वहां से वे हेलीकॉप्टर के माध्यम से मदुरांतकम में होने वाली जनसभा स्थल पर जाएंगे। जनसभा में भाषण देने के बाद प्रधानमंत्री मोदी शाम करीब 5 बजे हेलीकॉप्टर से वापस चेन्नई हवाई अड्डे पहुंचेंगे और वहां से विशेष विमान द्वारा दिल्ली रवाना होंगे। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चेन्नई दौरे को ध्यान में रखते हुए दिल्ली से विशेष सुरक्षा बल की एक टीम एआईजी अमीचंद यादव के नेतृत्व में चेन्नई हवाई अड्डे पहुंची और निरीक्षण किया। इस दौरान प्रधानमंत्री की सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर विस्तृत समीक्षा बैठक भी की गई। इस बैठक में चेन्नई महानगर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवान, राजस्व अधिकारी, चेन्नई हवाई अड्डा प्रबंधन, केंद्रीय और राज्य खुफिया विभाग के अधिकारी शामिल हुए।

नगर परिषद में पहुंची सीएम फ्लाइंग,पार्को का रिकॉर्ड खंगाला

एजेंसी

सिरसा। सिरसा नगर परिषद में पिछले लंबे समय से गड़बड़ी की शिकायतों पर मुख्यमंत्री उड़नदस्ते ने दस्तक दी और गोद लिए गए पार्कों के भुगतान को लेकर रिकार्ड खंगाला। बताया जा रहा है कि सीएम फ्लाइंग टीम नगर परिषद की ओर से सिरसा शहर के विभिन्न गोद दिए गए पार्कों में क्षेत्रफल कम होने और उसकी एवज में भुगतान अधिक किए जाने के आरोपों की जांच के लिए सिरसा पहुंची है। टीम का नेतृत्व उपनिरीक्षक राजेश कुमार ने किया। हालांकि टीम की ओर से अभी तक इस बात का खुलासा नहीं किया गया है कि उन्हें इस मामले से जुड़े किस प्रकार के दस्तावेज हासिल हुए हैं।

इससे पूर्व भी मुख्यमंत्री उड़नदस्ते की टीम सिरसा में गलियों के निर्माण में प्रयोग की गई निम्न स्तर सामग्री, नगर परिषद की ओर से शहर में बार-बार चलाए जाने वाले अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत लोगों के जब्त किए गए लोहे के सामान को खुर्द बुर्द किए जाने जैसे मामलों की जांच कर रही है। मुख्यमंत्री को गोद लिए हुए पार्कों में गोलमाल की शिकायतें मिल रही थी। नगर परिषद की बैठक में गोद दिए गए पार्कों को रद्द करने के बाद भी भुगतान किया जा रहा था। उल्लेखनीय है कि जब-जब भी मुख्यमंत्री उड़नदस्ते की टीम सिरसा जांच के लिए पहुंचती है तो नगर परिषद के अधिकांश अधिकारी व कर्मचारी अवकाश पर चले जाते हैं ताकि कहीं न कहीं जांच प्रभावित हो। ऐसे में अब मुख्यमंत्री उड़नदस्ते ने अपनी जांच में तेज कर दी है।

कुंभलगढ़ वन्यजीव अभयारण्य के चारोंओर 0-1 किलोमीटर क्षेत्र इको-सेंसिटिव जोन घोषित

नई दिल्ली। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने अरावली श्रृंखला में स्थित कुंभलगढ़ वन्यजीव अभयारण्य के चारों ओर 0-1 किलोमीटर क्षेत्र को इको-सेंसिटिव जोन घोषित किया है। उदयपुर, राजसमंद और पाली जिलों के 94 गांवों को कवर करने वाले इस 243 वर्ग किमी क्षेत्र में खनन, भारी उद्योग, और नए होटल-रिसॉर्ट पर सख्त पाबंदी होगी। यह कदम तेंदुओं, भेड़ियों और अन्य जैव विविधता की सुरक्षा के लिए उठाया गया है। केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा कि पर्यावरण मंत्रालय ने अरावली पर्वत श्रृंखला में स्थित कुंभलगढ़ वन्यजीव अभ्यारण्य के आसपास शून्य से एक किलोमीटर तक फैले जैव विविधता से समृद्ध क्षेत्र को पर्यावरण संवेदनशील क्षेत्र घोषित करते हुए अधिसूचना जारी की है। वनस्पति और जीव-जंतुओं से समृद्ध इस अभ्यारण्य में तेंदुआ, धारीदार लकड़बग्घा, जंगली बिल्ली, भारतीय पैंगोलिन, नीलगाय और चिंकारा जैसे जानवर पाए जाते हैं। यह पेंटेड फ्रैंकोलिन जैसी पक्षी प्रजातियों का भी घर है। ईएससी क्षेत्र की घोषणा से न केवल समृद्ध जैव विविधता को फलने-फूलने में मदद मिलेगी, बल्कि क्षेत्र के स्वदेशी समुदायों को जैविक खेती और कृषि वानिकी जैसी पर्यावरण के अनुकूल और समुदाय-केंद्रित पहलों के साथ स्वतंत्र रूप से जीवन जीने में भी मदद मिलेगी। उन्हें एक स्थायी भविष्य के लिए कौशल विकास भी प्रदान किया जाएगा।

दक्ष आयुष्मान पहल के लिए मप्र देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य घोषित, मिला राष्ट्रीय सम्मान

भोपाल। मध्य प्रदेश(मप्र) सरकार को आयुष्मान भारत निरामयम योजना के उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिए एंटी-फ्रॉड एक्शन श्रेणी में देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य घोषित किया गया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के भुवनेश्वर में आयोजित चिंतन शिविर 2026 में अभिनव 'दक्ष आयुष्मान' पहल के लिए मध्य प्रदेश को पुरस्कृत किया गया। चिंतन शिविर में देशभर के स्वास्थ्य क्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारी एवं विशेषज्ञ उपस्थित रहे। मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने विभागीय अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि राज्य सरकार की जीरो टॉलरेंस फॉर फ्रॉड नीति और निरंतर निगरानी व्यवस्था का परिणाम है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आयुष्मान भारत योजना का लाभ केवल पात्र हितग्राहियों तक ही पहुँचे और किसी भी प्रकार की अनियमितता पर सख्त कार्रवाई की जाए। 'दक्ष आयुष्मान' पहल मध्य प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और जनहितकारी बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रीय सम्मान मध्य प्रदेश के स्वास्थ्य क्षेत्र में नवाचार, सुशासन और प्रभावी क्रियान्वयन के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

टोल बकाया होने पर अब नहीं मिलेगा एनओसी, फिटनेस प्रमाणपत्र और परमिट

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) पर टोल शुल्क वसूली को सख्त करने के लिए केंद्रीय मोटर वाहन (द्वितीय संशोधन) नियम, 2026 अधिसूचित किए हैं। इन बदलावों के बाद यदि किसी वाहन पर टोल शुल्क बकाया है तो उस वाहन से जुड़े कामकाज रोक दिए जाएंगे। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार, अब यदि किसी वाहन पर टोल शुल्क बकाया है तो उसका अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) जारी नहीं होगा। यानी वाहन का स्वामित्व किसी और को हस्तांतरित नहीं किया जा सकेगा और न ही वाहन को एक राज्य से दूसरे राज्य में ले जाया जा सकेगा। इसी तरह फिटनेस प्रमाणपत्र का नवीनीकरण भी तभी होगा जब टोल शुल्क का बकाया चुका दिया गया हो। वाणिज्यिक वाहनों को राष्ट्रीय परमिट लेने के लिए भी यह शर्त पूरी करनी होगी कि उन पर कोई टोल शुल्क बकाया न हो। मंत्रालय ने बताया कि अब प्रपत्र 28 में भी बदलाव किया गया है। एनओसी के लिए आवेदन करते समय यह बताना अनिवार्य होगा।

इंडिगो का परिचालन हुआ स्थिर, उड़ान ड्यूटी नियमों के पालन के लिए पर्याप्त पायलट मौजूद : डीजीसीए

एजेंसी

नई दिल्ली। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कहा कि लगातार नियामक निगरानी और सुधारात्मक उपायों से इंडिगो के परिचालन को स्थिर करने में मदद मिली है। एयरलाइन के पास अब पर्याप्त संख्या में पायलट हैं ताकि बिना किसी व्यवधान के नए उड़ान ड्यूटी नियमों का पालन सुनिश्चित किया जा सके।

डीजीसीए ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि इंडिगो एयरलाइन के पास अब पर्याप्त संख्या में पायलट हैं, ताकि बिना किसी व्यवधान के नए उड़ान ड्यूटी नियमों का पालन सुनिश्चित किया जा सके। पिछले महीने उड़ानों में हुए भारी व्यवधान के लिए इंडिगो पर कुल 22.20 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाने के कुछ ही दिनों बाद डीजीसीए ने यह भी कहा कि वह एयरलाइन के परिचालन की बारीकी से निगरानी कर रहा है।

डीजीसीए ने बताया कि इसमें 'रोस्टर की मजबूती, चालक दल की उपलब्धता, पर्याप्त बफर, प्रणाली की मजबूती और एफडीटीएल आवश्यकताओं के पालन पर विशेष जोर दिया जा रहा है।' नियामक ने कहा कि 19 जनवरी को हुई समीक्षा बैठक के दौरान इंडिगो ने 10 फरवरी के बाद की अनुमानित परिचालन आवश्यकताओं के मुकाबले पायलटों की पर्याप्त उपलब्धता के बारे में बताया है। इंडिगो एयरलाइन के आंकड़ों का हवाला देते हुए डीजीसीए ने कहा कि 2,280 की आवश्यकता के मुकाबले 2,400 'पायलट इन कमांड' (पीआईसी)

उपलब्ध हैं, जबकि 2,050 की आवश्यकता के मुकाबले प्रथम अधिकारियों की संख्या 2,240 है। दरअसल, उड़ानों में भारी गड़बड़ी के कारण डीजीसीए ने 10 फरवरी तक एयरलाइन के शीतकालीन सत्र में 10 फीसदी की कटौती कर दी थी।

जमात-ए-इस्लामी हिंद ने केंद्रीय बजट 2026-27 के लिए वित्त मंत्रालय को रचनात्मक सुझाव सौंपे

एजेंसी

नई दिल्ली। जमात-ए-इस्लामी हिंद ने भारत सरकार के वित्त मंत्रालय को एक विस्तृत सुझाव सौंपा है, जिसमें केंद्रीय बजट 2026-27 के लिए नीति निर्धारण सुझाव दिए गए हैं। यह सुझाव रोज़गार बढ़ाने, धन के वितरण को बेहतर बनाने और मांग-आधारित विकास को मज़बूत करने पर केंद्रित हैं। जमात-ए-इस्लामी हिंद ने एक विज्ञप्ति जारी कर सूचित किया है।जमात-ए-इस्लामी हिंद का कहना है कि सरकार के सामने हमने सबूतों पर आधारित और नतीजों पर केंद्रित सिफारिशें एक बार फिर पेश की हैं, जिसका मकसद भारतीय अर्थव्यवस्था में संरचनात्मक असंतुलन को दूर करना है। यह सुझाव भारत के हालिया आर्थिक प्रदर्शन के एक बड़े नीतिगत संदर्भ में है। हालांकि देश ने लगातार सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के विकास, बढ़ते वित्तीय बाज़ार और बढ़ती कॉर्पोरेट लाभप्रदता के रूप में धन सृजन करने की मज़बूत क्षमता दिखाई है, लेकिन यह फायदे समान रूप से दौलत के बंटवारे या पर्याप्त रोज़गार पैदा करने में प्रवर्तित नहीं हुए हैं। आय और धन-संग्रह के संकेतक, साथ ही विकास की कमज़ोर रोज़गार लचीलापन और ज़्यादा युवा बेरोज़गारी राजस्व सुधार की ज़रूरत को रेखांकित करते हैं। भोजन, स्वास्थ्य सेवा, आवास और शिक्षा जैसी ज़रूरी चीज़ों पर बढ़ते घरेलू खर्च ने खपत और घरेलू मांग को और सीमित कर दिया है। इस पृष्ठभूमि से सुझावों में राजकोषीय नीति बनाने में रोज़गार के नतीजों को साफ़ तौर पर शामिल करने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया गया है। इसमें बड़े सार्वजनिक खर्चों और इंसेंटिव के श्रम-प्रभाव का आंकलन करने के लिए संस्थागत तंत्र का प्रस्ताव है, साथ ही जलवायु परिवर्तन रोधी बुनियादी ढांचे, शहरी सेवाओं और संरक्षण कार्य पर केंद्रित लक्षित शहरी रोज़गार पहल भी शामिल हैं। ग्रामीण इलाकों के लिए सुझावों में गैर-कृषि रोज़गार के लिए ज़िला-स्तरीय, जगह-आधारित दृष्टिकोण की वकालत की गई है जो स्थानीय आर्थिक ताकतों पर आधारित हो और आधारभूत संरचना, खरीद और स्थानीय भर्तियों से जुड़े रियायती वित्त के ज़रिए समर्थित हो।इन सिफारिशों में रोज़गार के नतीजों को बेहतर बनाने के लिए लघु, कुटीर और मध्यम उद्यमों से संबंधित सार्वजनिक ऋण सहायता के लिए नई रूपरेखा तैयार करने की भी बात कही गई है। खासकर महिलाओं और पहली बार काम करने वालों के लिए क्रेडिट इंसेंटिव को सत्यापित रोज़गार सृजन से जोड़कर। इन सुझावों का मकसद सार्वजनिक वित्त पर सामाजिक लाभ को बढ़ाना है। इसी तरह, सुझावों में औद्योगिक प्रोत्साहन योजना को श्रम प्रोत्साहन क्षेत्र की ओर दुबारा उन्मुखी बनाने पर ज़ोर दिया गया है जिसमें रोज़गार-आधारित इंसेंटिव दिए जाएं जो पूंजी की तीव्रता के बजाय रोज़गार सघनता को प्रतिफल दें।स्वास्थ्य संबंधी खर्चों से होने वाली परिवारों की वित्तीय कमज़ोरी को कम करने पर भी ध्यान दिया गया है।

समाज के सभी वर्गों के साथ सहृदयता रखना ही समरसता: रमेश पतंगे

एजेंसी

लखनऊ। विश्व हिन्दू परिषद के आयाम विश्व हिन्दू अकादमिक संगठन की ओर से लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में हिन्दुत्व की शाश्वत प्रासंगिकता विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सामाजिक समरसता पर अपने विचार रखते हुए पद्मश्री रमेश पतंगे ने कहा कि समाज के सभी वर्गों के साथ सहृदयता रखना ही सामाजिक समरसता है। समाज में सबके साथ हमारा व्यवहार समता का समानता का समरसता का होना चाहिए। किसी भी प्रकार से सामने वाले को यह महसूस नहीं होना चाहिए कि मेरी जाति व रंग रूप के कारण हमारे साथ अलग व्यवहार हो रहा है। क्षमता की दृ?ष्टि से अलग–अलग हो सकते हैं। रंग रूप स्त्री भेद जाति पांत का भेद नहीं होना चाहिए। कानून के सामने सब समान हैं। सबको अवसर की समानता होनी चाहिए। पद्मश्री रमेश पतंगे ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने स्वार्थ

के आधार पर अस्पृश्यता को धर्म के साथ जोड़ दिया। धर्म के नाम पर कुछ भी करना यह हिन्दू समाज का स्वभाव बन गया है। चारित्रय सम्पन्न ज्ञानी व्यक्ति की समाज को आवश्यकता होती है। जाति पांत की बहुमंजिली इमारत को ध्वस्त करने की जरूरत है। समाज की विषमता के निराकरण के लिए प्रयास करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत के उत्थान में नाथ सम्प्रदाय का बड़ा योगदान है। आज जो अभिमान से कहते हैं कि मैं हिन्दू हूं इसका श्रेय नाथ सम्प्रदाय को जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय समाज की शक्ति उसकी विविधता में निहित एकता है। आपसी सहयोग, संवाद और समान दायित्व की भावना से ही सामाजिक समरसता सुदृढ़ होती है, जो राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। रमेश पतंगे ने कहा संघ का विचार है जो तत्वज्ञान व्यवहार में नहीं आता उसे बांझ समझना चाहिए। सब के साथ हमारा व्यवहार समरसता का होना चाहिए। हर व्यक्ति सम्मान चाहता है। परस्परानुकूल समान व्यवहार करने की आदत सबको होनी चाहिए। कर्म से कोई छोटा बड़ा नहीं होता। सबका सत्कार सम्मान होना चाहिए। भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भातृत्व की भावना का निर्माण करें जो धर्म भाषा और वर्ग से परे हो। वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के वकील की चेतावनी- मेला प्राधिकरण तत्काल वापस ले नोटिस, नहीं तो होगा सुप्रीम कोर्ट के अवमानना का जिम्मेदार

एजेंसरी

प्रयागराज (उत्तर प्रदेश)। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज एवं प्रयागराज मेला प्राधिकरण के बीच शुरू विवाद अब थमने का नाम नहीं ले रहा है। उनके उच्चतम न्यायालय के अधिवक्ता ने रात नोटिस का जवाब भेजा। इसमें चेतावनी दी गई है कि शिविर में चस्पा की गई नोटिस को तत्काल वापस नहीं लिया तो प्राधिकरण उच्चतम न्यायालय के अवमानना का जिम्मेदार होगा। यह जानकारी स्वामी के मीडिया प्रभारी शैलेन्द्र योगी सरकार ने दी।

उन्होंने बताया कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज के उच्चतम न्यायालय के अधिवक्ता ने प्रयागराज मेला प्राधिकरण को 19 नवंबर को दी गई नोटिस का जवाब मेल आईडी पर भेजा है। इसमें कहा गया है कि मेला प्राधिकरण 24 घंटे में नोटिस वापस नहीं लिया तो उच्चतम न्यायालय के

अवमानना का जिम्मेदार होगा। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज की आमजनमानस के बीच में छवि धूमिल धूमिल करने का काम किया है। इसलिए उच्चतम न्यायालय में मानहानि का मुकदमा भी दाखिल किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ के धमतरी-गरियाबंद के जंगलों से नक्सलियों का हथियार डम्प बरामद

एजेंसी

धमतरी/गिरयाबंद। छत्तीसगढ़ के धमतरी एवं गरियाबंद में नक्सल विरोधी अभियान को बड़ी सफलता मिली है। विशेष नक्सल सर्च अभियान के तहत सुरक्षा बल के जवानों ने धमतरी और गरियाबंद में नक्सलियों के छिपाकर रखे गए हथियारों का एक बड़ा डम्प बरामद किया है। यह सफलता जनवरी 2026 में आत्मसमर्पण करने वाली पांच लाख रुपये की इनामी महिला नक्सली भूमिका उर्फ गीता उर्फ लता उर्फ सोमारी की निशानदेही पर मिली है। शासन की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर उसने माओवादी हिंसक विचारधारा को त्यागते हुए मुख्यधारा में वापसी की और अभियान में महत्वपूर्ण कड़ी बनी।जानकारी के अनुसार डीआरजी धमतरी द्वारा दौड़पंडरीपानी के घने जंगल क्षेत्र में विशेष सर्च ऑपरेशन चलाया गया। इस दौरान नक्सलियों द्वारा जमीन में गहरा गड्ढा खोदकर छिपाए गए हथियारों का डम्प बरामद किया गया। हथियारों को पत्तियों और प्राकृतिक सामग्री से ढककर इस तरह छिपाया गया था, जिससे वे सुरक्षा बलों की नजर से बच सकें। इसी तरह गरियाबंद में सर्चिंग के दौरान टेकरी के ऊपर चट्टान के किनारे नक्सलियों

के एक नग एके 47 एवं 01 नग 12 बोर हथियार बरामद किए गए। पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह कार्रवाई नक्सलियों की गतिविधियों को कमजोर करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। साथ ही, यह स्पष्ट संकेत है कि आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सकारात्मक और प्रभावी परिणाम दे रही है। धमतरी पुलिस ने नक्सलियों से हिंसा का रास्ता छोड़कर शासन की आत्मसमर्पण नीति का लाभ लेने, शांति एवं विकास की मुख्यधारा से जुड़ने की अपील की है। नक्सल उन्मूलन के लिए ऐसे अभियान आगे भी लगातार जारी रहने की बात कही गई है। बरामद हथियारों का विवरणः एसएलआर 7.62 एमएम ऑटोमेटिक राइफल 1 नग (सिलिंग सहित), एसएलआर की खाली मैग्जीन 2 नग, 12 बोर बंदूक 1 नग (सिलिंग सहित), भरमार बंदूक 1 नग (सिलिंग सहित), 1 नग एके - 47 एवं 1 नग 12 बोर हथियार बरामद किया गया है।

प्लाईवुड फैक्ट्री में भीषण आग, बड़ा हादसा टला

एजेंसी

यमुनानगर। यमुनानगर में दोपहर सहारनपुर रोड स्थित टिंबर मार्केट में एक प्लाईवुड फैक्ट्री में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। फैक्ट्री परिसर में रखे वेस्ट वुड ने कुछ ही समय में आग पकड़ ली, जिससे धुआं दूर तक फैल गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए फैक्ट्री में कार्यरत कर्मचारियों को तत्काल बाहर निकाल लिया गया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग सक्रिय हुआ और कुछ ही देर में फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। आग की तीव्रता को देखते हुए अतिरिक्त दमकल वाहन भी बुलाए गए। लगभग दो घंटे तक चले रेस्क्यू और अग्निशमन अभियान के बाद आग पर नियंत्रण पाया जा सका। धुएं के प्रभाव को कम करने के लिए फैक्ट्री शेड के कुछ हिस्सों को हटाना भी पड़ा। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, जो राहत की बात रही। हालांकि, फैक्ट्री में संग्रहित बड़ी मात्रा में वेस्ट वुड जलकर नष्ट हो गया, जिससे आर्थिक नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है।

भारत की आर्थिक मजबूती के लिए महत्वपूर्ण मंच है वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एजेंसी

भोपाल/दिल्ली। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम भारत की आर्थिक मजबूती के लिए महत्वपूर्ण मंच है। ऐसे आयोजन में मध्य प्रदेश की सहभागिता उल्लेखनीय रहेगी।मुख्यमंत्री डॉ. यादव नई दिल्ली से वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की बैठक में शामिल होने के लिए दावोस रवाना होने से पहले मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हम दावोस इस उद्देश्य के साथ जा रहे हैं कि हमारे युवाओं को रोजगार मिले और उत्पाद सही ढंग से बाजार तक पहुंचे और मध्य प्रदेश आर्थिक रूप से सम्पन्न बने। हमारा मार्गदर्शक सिद्धांत है कि इन प्रयासों से हमारा प्रदेश समृद्ध हो मध्य प्रदेश में निवेश की सभी तरह की संभावनाएं हैं। अच्छी टेक्नॉलोजी को लागू करने के लिए विश्व के प्रमुख उद्यमियों को आमंत्रित करने की जरूरत है। रोजगारपरक कामों के लिए सभी का साथ होना आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आर्गेनिक एग्रीकल्चर एक बड़ा सेक्टर है जिसमें फूड से लेकर कई क्षेत्रों में व्यापार की संभावनाएं हैं। कॉटन से लेकर अन्य कई क्षेत्रों में व्यापार-व्यवसाय के

उन्नयन की संभावनाएं हैं। इन संभावनाओं को साकार किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में निवेश के लिए हर तरह के अवसर मौजूद हैं। हमें बेहतर तकनीक को अपनाने के लिए उद्योग क्षेत्र को प्रोत्साहित करना होगा। रोजगार सृजन करने वाली गतिविधियों को बढ़ावा देना होगा और जैविक कृषि क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करना होगा, जो खाद्य पदार्थों से लेकर अन्य उद्योगों तक कई क्षेत्रों को कवर करता है। कपास उत्पादन से लेकर वस्त्र निर्माण के अलावा अन्य कई क्षेत्रों में व्यापार और वाणिज्य के विकास के अवसर मौजूद हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत चौथा स्थान हासिल करते हुए अब विश्व की तीसरी सबसे सशक्त अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। इस प्रकार से बदलते समय में देश के प्रत्येक राज्य के पास आगे बढ़ने के सुनहरे अवसर है। अन्य राज्यों को भी वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम जैसे वैश्विक आयोजन में शामिल होना चाहिए, जहां राज्यों को औद्योगिक निवेश प्राप्त करने का व्यापक अवसर मिलता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले साल भोपाल में हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 के बेहतर परिणाम सामने आए हैं। मध्य प्रदेश को देश-विदेश से जो निवेश मिले उसका 30 प्रतिशत धरातल पर उतारा जा चुका है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गत 25 दिसंबर में ग्वालियर में आयोजित अभ्युदय मध्य प्रदेश ग्रोथ समिट में एक साथ 2 लाख करोड़ से अधिक लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन किया था। इस प्रकार से कुल 8.5 लाख करोड़ के औद्योगिक विकास कार्य धरातल पर आ गए हैं, आगे भी कार्य जारी हैं। यह मध्य प्रदेश की ग्रोथ को दर्शाता है।मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार ने वर्ष 2026 को प्रदेश के किसानों की समृद्धि के लिए समर्पित किया है। मध्य प्रदेश में कृषि विकास और उससे संबंधित उद्योगों की अपार संभावनाएं हैं।

दो सौ तैंतीस वर्ष पुरानी वाल्मीकि रामायण राम कथा संग्रहालय को भेंट

एजेंसी

नई दिल्ली। नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में 233 साल पुरानी 'वाल्मीकि रामायण' की एक दुर्लभ पांडुलिपि को अयोध्या के अंतरराष्ट्रीय राम कथा संग्रहालय को स्थायी रूप से सौंप दिया गया । संस्कृति मंत्रालय की जारी विज्ञप्ति के अनुसार केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर श्रीनिवास वरखेड़ी ने आज प्रधानमंत्री संग्रहालय और पुस्तकालय (पीएमएमएल) की कार्यकारी परिषद के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा को यह दुर्लभ पांडुलिपि भेंट की। नृपेन्द्र मिश्र श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट के भी सदस्य हैं। उल्लेखनीय है कि यह महत्वपूर्ण पांडुलिपि इससे पहले राष्ट्रपति भवन को प्रदर्शनी हेतु दी गई थी। अब इसे स्थायी रूप से उत्तर प्रदेश के अयोध्या स्थित अंतरराष्ट्रीय राम कथा संग्रहालय को सौंप दिया गया है। इस कदम का उद्देश्य रामायण से जुड़ी विरासत को उसके मूल केंद्र (अयोध्या) में स्थापित करना है ताकि दुनिया भर के विद्वान और भक्त इसका दर्शन लाभ उठा सकें। ऐतिहासिक दृष्टि से अमूल्य यह पांडुलिपि देवनागरी लिपि और संस्कृत भाषा में रचित है। इसमें महेश्वर तीर्थ कृत शास्त्रीय टीका के

साथ वाल्मीकि रामायण के श्लोक संकलित हैं। 1792 ईस्वी (वि.सं. 1849) की यह कृति रामायण की प्राचीन लेखन और संरक्षण परंपरा का प्रतिनिधित्व करने वाला एक दुर्लभ दस्तावेज है। इस संग्रह में महाकाव्य के पांच प्रमुख बालकांड, आरण्यकांड, किष्किंधाकांड, सुंदरकांड और युद्धकांड शामिल हैं, जो इतिहास की कथात्मक और दार्शनिक गहराई को दर्शाते हैं। इसे भेंट करते हुए प्रोफेसर वरखेड़ी ने कहा कि यह उपहार वाल्मीकि रामायण के गहन ज्ञान को अमर बनाता है, जिससे यह अयोध्या के पवित्र शहर में दुनिया भर के विद्वानों, भक्तों और आगंतुकों के लिए सुलभ हो जाता है। नृपेंद्र मिश्रा ने कहा कि वाल्मीकि रामायण की इस दुर्लभ पांडुलिपि का अयोध्या स्थित राम कथा संग्रहालय को दान करना राम भक्तों और अयोध्या के मंदिर परिसर के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है।

आईसीसी बैठक में बांग्लादेश की टी20 विश्व कप मैच भारत से बाहर रखे जाने की मांग खारिज

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कांउसिल (आईसीसी) ने यहां हुई एक बैठक के बाद बांग्लादेश की टी20 विश्वकप के लिए मैच स्थल बदलने की मांग खारिज कर दी है। इससे पहले बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने सुरक्षा कारणों से भारत में खेलने से इंकार करते हुए कहा था कि उसके मैचों को श्रीलंका में रख दिया जाये। आईसीसी ने इस मामले में आंखिरकार अंतिम फैसला सुना दिया है। आईसीसी ने बीसीबी की भारत में टी20 विश्व कप नहीं खेलने खेलने की मांग को ठुकरा दिया है। इसे लेकर वोटिंग की गई और 14-2 के बहुमत के बाद बांग्लादेश की भारत में टी20 विश्व कप नहीं खेलने की मांग को खारिज किया गया। इसी के साथ ही अब यदि बांग्लादेश टीम भारत में नहीं खेलने की मांग पर अड़ी रहती है तो उसे टी20 विश्व कप से बाहर कर दिया जाएगा। ऐसे में बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया जाएगा। बांग्लादेश टूर्नामेंट में ग्रुप सी में है। उन्हें अपने पहले तीन मैच 7, 9 और 14 फरवरी को कोलकाता में और आखिरी मैच 17 फरवरी को मुंबई में खेलना है।

आईसीसी की बैठक इसके चेयरमैन जय शाह के साथ बीसीबी प्रेसिडेंट अमीनुल इस्लाम, बीसीसीसीआई सेक्रेटरी देवजीत सैकिया, श्रीलंका बोर्ड के प्रेसिडेंट शम्मी सिल्वा, पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी, सीए चेयरमैन माइक बेयर्ड सहित सभी बोर्ड प्रमुख शामिल थे। गौरतलब है कि बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों से भारत में टी20 विश्व कप नहीं खेलने की मांग की थी। अब अगर बीसीबी आधिकारिक तौर पर टूर्नामेंट से हटता है, तो आईसीसी स्कॉटलैंड को सीधे ग्रुप सी में शामिल कर लेगा।

इंडोनेशिया मास्टर्स में सिंधु ने की जीत से शुरुआत, श्रीकांत भी अगले दौर में पहुंचे

जकार्ता (एजेंसी)। भारत की पीवी सिंधु और किदांबी श्रीकांत ने इंडोनेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में अच्छी शुरुआत करते दूसरे दौर में प्रवेश किया है। वहीं अन्य खिलाड़ियों को हार का सामना करना पड़ा है।

सिंधु ने महिला एकल के पहले दौर में जापान की मनामी सुइजू को संघर्षपूर्ण मुकाबले में 22-20, 21-18 से हराया। 53 मिनट तक चले इस मैच का पहला गेम जीतकर सिंधु ने बढ़त हासिल की। इसके बाद दूसरे गेम में भी सिंधु ने ये सिलसिला बनाये रखा। दूसरे दौर में सिंधु का मुकाबला डेनमार्क की लाइन केयर्सफील्ड और चीनी की हान कियासी के बीच होने वाले मैच की विजेता से होगा।

वहीं पुरुष एकल में श्रीकांत को भी काफी पसीना बहाना पड़ा। श्रीकांत ने जापान के कोकी वतनाबे (जापान) को 21-15, 21-23, 24-22 से हराया। यह मुकाबला 1 से अधिक समय तक चला। तीसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच काफी कड़ा मुकाबला हुआ पर अंत में श्रीकांत ने बाजी मार ली। अब श्रीकांत का मुकाबला चीनी ताइपे के चोउ तिएन चेन से होगा। तिएन ने एक अन्य मुकाबले में आयरलैंड के न्हाट गुयेन को 21-14, 21-15 से पराजित किया।

भारत के ही किरण जॉर्ज पुरुष एकल के पहले दौर में ही इंडोनेशिया के मोह जकी उबैदिल्लाह से 21-17, 21-14 से हार गये। इसके अलावा महिला सिंगल्स में आकार्शी कश्यप को डेनमार्क की जूली डावॉल जैकबसेन ने 8-21, 22-20, 21-17 से पराजित किया। मिश्रित युगल में भी भारतीय खिलाड़ी असफल रहे। ध्रुव कपिला और तनिष क्रास्टो को फ्रांस की जूलियन माओ और लिया पालेर्मो की जोड़ी ने 21-23, 22-20, 21-6 से पराजित किया । इसके अलावा रोहन कपूर और रुथविका की जोड़ी को फ्रांस की थॉम गिकेल और डेल्फिन डेलरू के हाथों 21-9, 22-20 से हार का सामना करना पड़ा।

आरसीबी और रॉयल्स 27 जनवरी तक बतायें घरेलू मैदान का नाम : बीसीसीआई

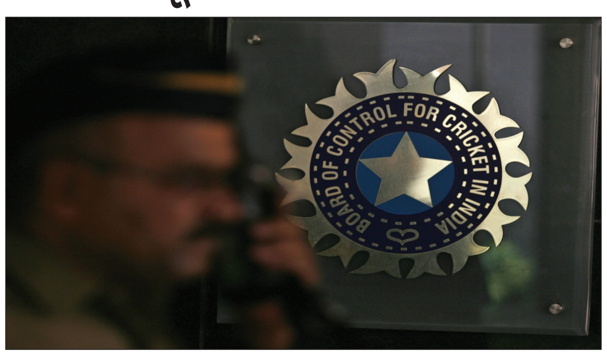

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल के 2026 सत्र में घरेलू मैदान को लेकर राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मामला अभी तक हल नहीं हुआ है। ऐसे में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इन दोनो को 27 जनवरी तक का समय दिया है। तब तक इन दोनो को बताना होगा कि ये दोनो अपने मैच घरेलू मैदान पर ही चाहते हैं या किसी अन्य स्थल को घरेलू मैदान मान सकते हैं। दोनो ही टीमों को शायद ही घरेलू मैदानों पर खेलने का अवसर मिल पाये। रॉयल्स को जयपुर इसलिए नहीं मिल सकता क्योंकि राजस्थान क्रिकेट संघ (आरसीए) के चुनाव नहीं हुए हैं। वहीं बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में आईपीएल 2025 की जीत के बाद मैदान में हुए जश्न के दौरान भगदड़ में कई लोगों की मौत हो गयी थी। उसको देखते हुए अब आईपीएल आयोजक उसे यहां खेलने की अनुमति देंगे इसकी संभावना नहीं है। ऐसे में रॉयल्स अपने घरेलू मैच पुणे में खेल सकती है, जबकि आरसीबी डीवाई पाटिल स्टेडियम में पांच और रायपुर में दो घरेलू मैच रख सकती है। नवी मुंबई में मैच आयोजित कराने के लिए आरसीबी को मुंबई इंडियंस से अनुमति लेनी होगी, क्योंकि आईपीएल के नियमों के मुताबिक, एक शहर में दो टीमों के मैच आयोजित नहीं हो सकते हैं। आरसीबी के मालिक इसलिए भी बेंगलुरु के मैदान पर अधिक जोर नहीं देंगे कयोंकि नये कानून के अनुसार अगर कोई घटना होती है तो उन्हें जिम्मेदार माना जाएगा। आईपीएल 2026 की शुरुआत 26 मार्च से होने वाली है और फाइनल मुकाबला 31 मई को आयोजित होगा।

अंडर-19 यूथ विश्वकप : ऑस्ट्रेलिया के विल मलाजचुक ने 51 गेंदों ही शतक लगाकर वैभव का रिकार्ड तोड़ा

विंडहॉक (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के युवा बल्लेबाज विल मलाजचुक ने अंडर-19 विश्वकप में जापान के खिलाफ मुकाबले में 51 गेंदों में ही शतक लगाकर अपनी टीम को जीत दिलाने के अलावा एक बड़ी उपलब्धि भी अपने नाम की है। अब विल अंडर-19 क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गये हैं। इससे पहले ये रिकार्ड पाकिस्तान के समीर मिन्हास के नाम था। मिन्हास ने केवल 42 गेंदों में ही शतक लगा दिया था। वहीं अपनी इस पारी से विल ने भारत के वैभव सूर्यवंशी का रिकार्ड जरुर तोड़ दिया वैभव ने 52 गेंदों में शतक लगाया था। इस मैच में विल की तूफानी पारी से ऑस्ट्रेलिया ने जापान को आठ विकेट से हराकर ग्रुप-ए में लगातार दूसरी जीत हासिल की है।

इस मैच में जापानी टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 50 ओवर में 8 विकेट पर 201 रन बनाये। सबसे अधिक 79 रन ह्यूगो केली ने बनाये। वहीं ऑस्ट्रेलिया की ओर से नादोन कूराय ने तीन जबकि विल बायरम ने दो विकेट लिए। इसके बाद 202 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत धमाकेदार रही। विल मलाजचुक ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए तेजी से रन बनाये और 51 गेंदों में शतक लगा दिया।। इसके साथ ही वह विश्कप में सबसे तेज शतक लगाने वो दूसरे बल्लेबाज बन गये हैं। यूथ वनडे में सबसे तेज शतक का रिकार्ड पाकिस्तान के समीयर मिन्हास के नाम है। मिन्हास ने 42 गेंदों में ही शतक लगाया था। वहीं भारत के वैभव 52 गेंदों में शतक के साथ ही तीसरे नंबर पर खिसक गये हैं। मलाजचुक इस मैच में 12 चौके और पांच छक्के लगाकर 102 रन बनाये जबकि सैमुअल ने 60 रन बनाये जिससे ऑस्ट्रेलिया ने आसानी से जापान को हरा दिया।

पर्थ स्कॉर्चर्स बीबीएल लीग के फाइनल में पहुंची

पर्थ । पर्थ स्कॉर्चर्स की टीम ऑस्ट्रेलिया में जारी घरेलू बिग बैश लीग (बीबीएल) क्रिकेट के फाइनल में पहुंच गयी है। स्कॉर्चर्स ने क्वालिफायर मुकाबले में सिडनी सिक्सर्स को 48 रन से हराकर फाइनल में प्रवेश किया है। सिडनी सिक्सर्स ने क्वालिफायर मुकाबले में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी शुरु करते हुए 9 विकेट पर 147 रन बनाए। उसकी ओर से फिन एलेन ने 30 गेंद पर सबसे अधिक 49 रन बनाये। वहीं कप्तान एश्टन टर्नर ने 29 जबकि झे रिचर्डसन ने 20 रन बनाये। सिडनी सिक्सर्स की ओर से मिचेल स्टार्क, बेन ड्वारशुईस और जैक एडवॉर्ड्स ने 2-2 विकेट लिए जबकिजोएल डेविस और बेंजामिन मानेंटी को 1-1 विकेट मिला। इसके बाद जीत के लिए मिले 148 रन रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए सिडनी सिक्सर्स के बल्लेबाज असफल रहे और टीम 15 ओवर में केवल 99 रन ही बना पायी। इस प्रकार उसे 48 रनों से हार का सामना करना पड़ा है। स्टीव स्मिथ ने 24 गेंदों पर सबसे ज्यादा 37 रन की पारी खेली। उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज पर्थ के गेंदबाजों का सामना नहीं कर सका। बाबर आजम फिर फ्लॉप रहे और 2 गेंदों पर बिना खाता खोले आउट हो गए। वहीं स्कॉर्चर्स की ओर से महली बियर्डमैन ने सबसे अधिक 3 विकेट लिए जबकि कूपर कोनोली और डेविड पायने को 2-2 विकेट मिले। झे रिचर्डसन और आरोन हार्डी ने 1-1 खिलाड़ी को आउट किया। लीग का फाइनल मुकाबला 25 जनवरी को खेला जाएगा।

एम्बाप्पे ने दागे दो गोल, रियल मैड्रिड ने मोनाको को हराया

मैड्रिड। किलियन एम्बाप्पे ने अपने पुराने क्लबों में से एक के खिलाफ दो गोल किए जिससे रियल मैड्रिड ने घरेलू मैदान पर मोनाको को 6-1 से हराकर चैंपियंस लीग शुरुआती चरण के टॉप आठ में जगह बनाने की अपनी संभावनाओं को मजबूत किया। स्ट्राइकर एम्बाप्पे ने मंगलवार को खेले गये मुकाबले में फेडे वाल्वरडे के थ्रू बॉल पर शानदार फिनिश के साथ पांचवें मिनट में गोल दागकर रियल मैड्रिड को बढ़त दिलाई और फिर 26वें मिनट गोलकर हाफटाइम तक स्कोर 2-0 कर दिया। मैच का तीसरा गोल फ्रेंको मास्टांटोनो ने 51वें मिनट में किया। फिर थिलो केहरर ने 55वें मिनट में गेंद को अपने ही नेट में डाल दिया। विनिसियस जूनियर ने गोलकर स्कोर 5-0 किया और जूड बेलिंघम ने छठा गोल किया। वहीं मोनाको के लिए एकमात्र गोल जोडर्न तेजे ने किया।

शुभमन अपने खिलाड़ियों का बेहतर प्रयोग नहीं कर पाये : अश्विन

चेन्नई । भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने भारतीय टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान शुभमन गिल की नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठाये हैं। अश्विन के अनुसार न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में बीच के ओवरों में प्रबंधन की कमी दिखी। अश्विन के अनुसार सही से गेंदबाज रोटेट नहीं किये गये। विशेषकर दूसरे ओर तीसरे एकदिवसीय में बीच के ओवरों में संसाधनों का सही से उसयोग नहीं किया गया जिससे मुकाबल भारतीय टीम के हाथों से निकल गये। अश्विन के अनुसार जब मैच दांव पर लगा था, तब शुभमन अपने सबसे बेहतर खिलाड़ियों का सही से उपयोग नहीं कर पाए। अश्विन ने डेरिल मिशेल और ग्लेन फिलिप्स के खिलाफ स्पिनर कुलदीप के इस्तेमाल के तरीके पर भी सवाल उठाये।अश्विन ने कहा, महेन्द्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा की कप्तानी की इतनी तारीफ इसलिए होती रही है क्योंकि उन्हें पता होता है कि अपने संसाधनों का इस्तेमाल कहां और कब करना है और किस बल्लेबाज के खिलाफ। इस सीरीज में इस बात की थोड़ी कमी नजर आयी। अश्विन ने सुझाव दिया कि शुभमन के फैसले पिछले मैचों की विफलता से प्रभावित लग रहे थे, जिससे अहम तीसरे मैच उनके गेंदबाजों पर उनका भरोसा कम हो गया जबकि पिछले मैच के आधार पर किसी गेंदबाज को नहीं आंका जाना चाहिये। अश्विन ने कहा कि शुभमन के पास एक तरीका विफल होने पर प्लान बी नहीं था। उन्होंने कहा, अगर आप संसाधनों का सही इस्तेमाल करते हैं और फिर भी असलता मिलती है, तो कोई बात नहीं पर पहले सही प्रकार से प्रयोग तो करें।

प्रिटोरिया कैपिटल्स के खिलाफ एस20 लीग में पूरी गंभीरता से खेलना होगा : स्टब्स

जोहांसबर्ग (एजेंसी)। (ईएमएस)। सनराइजर्स ईस्टर्न केप के कप्तान ट्रिस्टन स्टब्स ने कहा है कि प्रिटोरिया कैपिटल्स के खिलाफ होने वाले एसए20 लीग के पहले क्वालीफायर में उनकी टीम को पूरी गंभीरता से खेलना होगा। स्टब्स के अनुसार ये मुकाबला आसान नीं रहेगा। इसलिए हमें जीत के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। उन्होंने टीम को अतिआत्मविश्वास से बचने को भी कहा है। उन्होंने कहा कि प्ले ऑफ से पहले लय हासिल करना अच्छा है पर लीग चरण में शीर्ष पर होने से कोई खास फर्क नहीं पड़ता है। इसलिए बुधवार को होने वाले मैच में उन्हें अच्छी शुरुआत करनी होगी। गौरतलब है कि पहली बार स्टब्स की कप्तानी में खेलते हुए सनराइजर्स की टीम ने 10 मैच में से पांच मैच जीतकर तालिका में 28 अंक के साथ नंबर एक स्थान हासिल किया है।

स्टब्स ने कहा, ' लीग में नंबर एक होना जीत की गारंटी नहीं है। यह अच्छा है कि हमने पूरे सत्र में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन प्ले ऑफ से पहले हमें पता है कि आप हर मैच में शून्य से शुरुआत करते हैं। प्ले ऑफ से पहले लय हासिल करना अच्छा है लेकिन इसका कोई खास मतलब नहीं है।' गत उप विजेता सनराइजर्स ने अब तक चारों सत्र में प्ले ऑफ में जगह बनाई है और उन्होंने कहा कि पुराने अनुभवों से भी टीम को लाभ होगा।

स्टब्स ने कहा, 'निश्चित तौर पर मुझे तो ऐसा ही लगता है। मुझे लगता है कि हमारे पास बहुत से ऐसे खिलाड़ी हैं जो पहले भी इन मुकाबलों में खेल चुके हैं और जानते हैं कि इसे जीतने के लिए क्या करना पड़ता है। इससे निश्चित रूप से मदद मिलती है लेकिन जैसा कि मैंने पहले कहा, यह अब भी क्रिकेट का खेल है।।'

स्टब्स ने अपनी टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक की सराहना की जिन्होंने इस सत्र में चार अर्धशतक की मदद से 328 रन बनाये हैं। कप्तान ने कहा, 'डिकॉक ने हमारे लिए शानदार प्रदर्शन किया है। जिस तरह से उन्होंने मैदान पर और मैदान के बाहर आगे बढ़कर अगुआई की है वह युवा खिलाड़ियों के लिए बहुत अच्छे रहे हैं।' स्टब्स ने क्रिस ग्रीन की भी जमकर तारीफ की जिन्होंने एमआई केपटाउन के खिलाफ खेलते हुए 29 रन देकर तीन विकेट लिए।

ऑस्ट्रेलियन ओपन : डेनियल मेदवेदेव शुरुआती मुश्किलों से बचकर तीसरे राउंड में पहुंचे

मेलबर्न । रूस के डेनियल मेदवेदेव बुधवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे राउंड में फ्रांसीसी खिलाड़ी क्वेंटिन हैलिस के खिलाफ शुरुआती मुश्किलों से बच गए, लेकिन उन्होंने कड़ी मेहनत करके 6-7(9) 6-3 6-4 6-2 से जीत हासिल की। मेलबर्न पार्क में तीन बार के फाइनलिस्ट मेदवेदेव ने पहले सेट में एक घंटे से ज़्यादा समय तक संघर्ष किया, लेकिन एक कड़े टाईब्रेक के बाद हार गए। रूसी खिलाड़ी का दूसरे सेट में भी दुनिया के 83वें नंबर के खिलाड़ी ने शुरुआती गेम तोड़ दिया था, लेकिन उन्होंने अपनी लय वापस पाई और मैच बराबर कर लिया। 11वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने तीसरे सेट में बेसलाइन पर नियंत्रण रखा और शुरुआती ब्रेक पॉइंट को भुनाया और उसके बाद आक्रामक सर्विस गेम खेला। फिर मेदवेदेव ने हैलिस के कमजोर रिटर्न का फायदा उठाते हुए ज़ोरदार ग्राउंडस्ट्रोक से जीत हासिल की और तीसरे राउंड में पहुंच गए। जीत के बाद मेदवेदेव ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं ब्रिस्बेन में बहुत बेहतर खेल रहा था। मैं अभी भी यहां के कोर्ट के हिसाब से पूरी तरह से ढल नहीं पाया हूं। मुझे लगता है कि मेरे शॉट्स में थोड़ी पावर की कमी है। लेकिन जब आप किसी टूर्नामेंट में जीतते रहते हैं, तो आप धीरे-धीरे इसमें ढल जाते हैं। यह पिछले कुछ सालों में पहली बार है जब मैं किसी ग्रैंड स्लैम के तीसरे राउंड में हूँ, इसलिए अच्छा महसूस कर रहा हूं।'

घर से टी20 वर्ल्ड कप देखना थोड़ा अजीब लगेगा: रोहित शर्मा

मुंबई (एजेंसी)। भारत के 2024 टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाले कप्तान रोहित शर्मा जियोहॉटस्टार के 'कैप्टन रोहित शर्माज रोडमैप फॉर टी20 वर्ल्ड कप' में जतिन सप्रू के साथ बैठे, जहां उन्होंने पहले टी20 वर्ल्ड कप के बारे में बात की जिसमें वह हिस्सा नहीं लेंगे, अपने टीम के साथियों के साथ बनाए गए रिश्तों और बॉन्ड के बारे में अपने विचार शेयर किए, मुश्किल सिलेक्शन के फैसले लेने और आने वाले टूर्नामेंट के लिए टीम के बारे में अपनी राय बताई।

रोहित शर्मा ने माना कि अपने करियर में पहली बार टी20 वर्ल्ड कप मिस करना उनके लिए एक अजीब एहसास होगा। उन्होंने कहा, 'हम घर पर इस बारे में बात कर रहे थे कि घर से इसे देखना अजीब लगेगा, खासकर टी20 वर्ल्ड कप। जब से यह शुरू हुआ है, तब से अब तक मैं हर वर्ल्ड कप का हिस्सा रहा हूं, इसलिए यह अलग लगेगा। जब मैं टीम को टी20 मैच खेलते हुए देखता हूं, तो मिस करने का एहसास उतना नहीं होता। लेकिन जब आप वर्ल्ड कप मिस करते हैं, तो असलियत का एहसास होता है। तभी आपको पता चलता है कि आप इसका हिस्सा नहीं बनने वाले हैं। तो यह थोड़ा अजीब लगेगा। हालांकि, मैं स्टेडियम में कहीं रहूंगा। यह वैसा नहीं होगा और यह एक अलग अनुभव होगा, लेकिन मैं असल में इसके लिए उत्सुक हूं। यह काफी शानदार होगा।'

अपनी कप्तानी के दौरान टीम के साथियों के बीच सम्मान पाने और रिश्ते बनाने के बारे में रोहित ने कहा, 'खिलाड़ियों के साथ अभी भी वैसा ही रिश्ता होना बहुत अच्छा लगता है और यही मैं हमेशा टीम में चाहता था, किसी भी चीज पर खुलकर बात करना, सिर्फ क्रिकेट ही नहीं, बल्कि जिंदगी के बारे में भी, खेल के बाहर की कोई भी बात। जिंदगी में क्या चल रहा है, घर पर क्या हो रहा है, इस तरह की बातें। मैं हमेशा वैसा ही इंसान बनना चाहता था, क्योंकि मुझे पता है कि जब आप पहली बार टीम में शामिल होते हैं, तो खुलने में समय लगता है। इसलिए, जब मैं यहां बैठा होता हूं या जब मैं टीम के ड्रेसिंग रूम में जाता हूं, तो मैं कभी नहीं चाहता कि किसी को ऐसा लगे कि उन्हें खुलने में समय लगेगा।'

भारतीय ओपनर ने कहा, 'मैं चाहता हूं कि उन्हें लगे कि वे बस आकर खुलकर बात कर सकते हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए कि वे सोचें कि उन्हें आकर बात करनी चाहिए या नहीं। मैं कभी नहीं चाहता था कि किसी के मन में ऐसा ख्याल आए। मैं जितना हो सके उतना खुला और सीधा रहने की कोशिश करता हूं, और इसीलिए ये लोग मेरा बहुत मजाक उड़ाते हैं। कोई सीमा नहीं है; हमेशा एक खुला दरवाजा होता है। साथ ही, हम एक-दूसरे की टांग खींचते हैं, खैर, हम नहीं, वे मेरी टांग खींचते हैं। मैं हमेशा ऐसा ही माहौल चाहता था, और मुझे यह सच में बहुत पसंद है।'

टीम में एकजुटता और पुरुष टी20 वर्ल्ड कप इंडिया और श्रीलंका 2026 के लिए भारतीय टीम के बारे में रोहित ने कहा, 'मुझे लगता है कि एकजुटता और आपसी भरोसा सबसे जरूरी चीजें हैं। अगर मैं गलत नहीं हूं, तो ये खिलाड़ी लगभग 2 साल से एक साथ खेल रहे हैं। कुछ खिलाड़ी बाहर हुए हैं और कुछ नए आए हैं, लेकिन इसके अलावा, मुझे लगता है कि पिछले टी20 वर्ल्ड कप के बाद से लगभग 80 से 90 प्रतिशत टीम वही रही है। जब मैं मैच देखता हूं, तो मुझे लगता है कि टीम में आपसी समझ बहुत अच्छी है, जो एक साथ खेलने से बनी है।'

रोहित ने कहा, 'एक अच्छी बात यह है कि कुछ अपवादों को छोड़कर, लगभग सभी खिलाड़ी एक ही उम्र के हैं। वैसे, मुझे लगता है कि औसत उम्र शायद 25 के आस-पास है, जो हमेशा अच्छा होता है, क्योंकि जब आप वर्ल्ड कप में जा रहे होते हैं, तो आपको बहुत सारी बातचीत, खुलकर बातचीत और कुछ मुश्किल बातचीत भी करनी पड़ती है, क्योंकि एकमात्र लक्ष्य वर्ल्ड कप जीतना होता है। इसके लिए, अगर आपको कुछ मुश्किल फैसले लेने पड़ते हैं, जिससे आपके साथ खेलने वाले किसी खिलाड़ी, यहाँ तक कि किसी करीबी दोस्त को भी बुरा लग सकता है, तो भी ठीक है। इसलिए मुझे लगता है कि खिलाड़ियों के बीच इस तरह का रिश्ता बनाना बहुत जरूरी है।'

टी20 वर्ल्ड कप ऑस्ट्रेलिया 2022 टीम और उससे पहले एशिया कप से श्रेयस अय्यर को बाहर रखने पर उन्होंने कहा, 'वर्ल्ड कप से पहले ऐसे मुश्किल फैसले लेने के कई मौके आए हैं। मुझे 2022 टी20 वर्ल्ड कप के दौरान श्रेयस अय्यर की बात याद आती है। मुझे आज भी याद है कि हम वेस्टइंडीज में खेल रहे थे। राहुल भाई और मुझे हमेशा लगता था कि अगर आप ऐसे फैसले ले रहे हैं, तो यह जरूरी है कि उस खिलाड़ी को पता चले कि आप ऐसा क्यों कर रहे हैं। मुझे याद है कि हमने श्रेयस को पूल के पास बुलाया, और राहुल भाई और मैंने दोनों ने उससे बात की कि वह उस एशिया कप और उसके बाद होने वाले टी20 वर्ल्ड कप का हिस्सा क्यों नहीं होगा।'

उथप्पा बोले, हर प्रारुप के लिए अलग-अलग कोच रखा जाये

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने कहा है कि भारतीय टीम के लिए अलग-अलग प्रारुपों के लिए अलग कोच बनाये जाने चाहिये। उथप्पा के अनुसार एक ही कोच के लिए हर सीरीज के बाद अपने माइंडसेट को बदलाना आसन नहीं होता है। साथ ही कहा कि आजकल इतना क्रिकेट हो रहा है कि एक कोच मानसिक रुप से थक जाता है। कोच को हर प्रारुप के अनुसारन रणनीति बदलनी पड़ी है और ये काफी कठिन काम होता है। जिस प्रकार से भारतीय टीम उन्यूज़ीलैंड के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय सीरीज में हारी है। माना जा रहा है कि उसी को उसको देखते हुए उथप्पा ने ये बयान दिया है। टीम की हार के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर पर भी सवाल उठते है। उनके कोच रहते भारतीय टीम घरेलू टेस्ट सीरीज के बाद एकदिवसीय सीरीज भी हारी है। यह पहली बार था जब न्यूीलैंड टीम भारत में कोई एकदिवसीय सीरीज जीतने में सफल रही। ऐसे में उथप्पा के बयान के बाद गंभीर पर दबाव बढ़ना तय है। उथप्पा का मानना है कि एक ही कोच पर सभी प्रारुपों का बोझ डालना सही नहीं है। उथप्पा ने कहा, मैं अलग-अलग प्रारुपों के लिए अलग कोच रखने के विचार के लिए पूरी तरह से तैयार हूं। भारत बहुत ज्यादा क्रिकेट खेलता है। एक प्रारुप से दूसरे में जाते वक्त दिमाग भी थक जाता है।उन्होंने साथ ही कहा कि जब कोई कोच एक एक प्रारुप में लीन रहता है तो दूसरे की तैयारी करना कठिन हो जाता है। ऐसे में नये माइंडसेट और उर्जा की जरुरत होती है। एसे में अलग-अलग कोच रहना फायदेमंद रहेगा।उथप्पा ने हालांकि ये भी माना है कि कि अलग-अलग कोच रखने का फैसला करना आसान फैसला नहीं होगा। इसमें सभी कोचों को एक-दूसरे के साथ तालमेल रखते हुए काम करना होगा।

धनुष और मृणाल ठाकुर नहीं कर रहे शादी!

मृणाल ठाकुर और धनुष की शादी को लेकर खबरें जोरों पर हैं। दोनों ने इस बात को लेकर कुछ नहीं कहा लेकिन फैंस एक्साइटेड हो गए हैं। हालांकि, नई रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि ये बातें निराधार हैं और इनका सच्चाई से कोई लेना-देना नहीं है।

धनुष और मृणाल ठाकुर की शादी शुक्रवार की सुबह फैंस को खबर मिली कि एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर और धनुष फरवरी 2026 में शादी करने वाले हैं। जैसे-जैसे यह खबर फैलती गई, फैंस ने सोशल मीडिया पर अपनी खुशी जाहिर करना शुरू कर दिया। हालांकि, अब पता चला है कि फैंस को इस खुशी के लिए थोड़ा और इंतजार करना पड़ेगा। नई जानकारी के अनुसार, इस बात में कोई सच्चाई नहीं है। सूत्र ने बताया, मृणाल की शादी अगले महीने नहीं हो रही है। यह एक अफवाह है जो फैल चुकी है। सूत्र ने आगे बताया कि मृणाल की फिल्म दो दीवाने शहर में की रिलीज भी उसी डेट के आसपास है, जिसमें सिद्धांत चतुर्वेदी लीड रोल में हैं।

मृणाल ठाकुर से नहीं हो रही धनुष की शादी

सूत्रों के अनुसार, फरवरी में उनकी एक फिल्म रिलीज होने वाली है, तो वो रिलीज के इतने करीब शादी क्यों करेंगी? और फिर मार्च में उनकी एक और तेलुगू फिल्म रिलीज होने वाली है। मृणाल और धनुष काफी समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं, लेकिन दोनों में से किसी ने भी अपने रिश्ते की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

कब और कैसे शुरू हुआ ये सब

यह सब अगस्त 2025 में शुरू हुआ, जब मृणाल अपनी फिल्म सन ऑफ सरदार 2 के प्रीमियर पर धनुष के आने पर उनसे मिलने दौड़ पड़ीं। इस पर इंटरनेट यूजर्स ने खूब तारीफ की और कहा कि धनुष खास तौर पर मृणाल को सपोर्ट करने के लिए स्क्रीनिंग में आए थे।

विक्रम फडनीस की फिल्म में लीड रोल प्ले करेंगी सैयामी खेर

अभिनेत्री सैयामी खेर नए साल की शुरुआत एक नए और खास प्रोजेक्ट के साथ करने जा रही हैं। वह मशहूर फैशन डिजाइनर से निर्देशक बने विक्रम फडनीस की अगली अनटाइटल्ड फिल्म का हिस्सा बन गई हैं। इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है और यह सैयामी के करियर का एक अहम पड़ाव मानी जा रही है। यह फिल्म एक इमोशनल ड्रामा है, जिसमें सैयामी लीड रोल निभा रही हैं। उनके साथ विनीत कुमार सिंह और ताहिर राज भसीन भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। इस प्रोजेक्ट का निर्माण रील यूफोरिया और नाइट स्काई मूवीज के बैनर तले किया जा रहा है। फिल्म की घोषणा करते हुए सैयामी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर सेट से पहली झलक साझा की। तस्वीर में वह फिल्म की स्क्रिप्ट के साथ नजर आईं। उन्होंने कैप्शन में लिखा... और आज हर खामोश दुआ अपने घर पहुंच गई। नया साल, नई शुरुआत। हमेशा की तरह मुझे आप सभी की दुआओं की जरूरत है। इस पोस्ट से सैयामी की खुशी और उत्साह साफ झलक रहा है। इस फिल्म के जरिए विक्रम फडनीस निर्देशन में अपनी तीसरी फिल्म बना रहे हैं, जबकि यह उनकी पहली हिंदी निर्देशित फिल्म होगी। सैयामी ने इस प्रोजेक्ट को लेकर कहा कि 2026 की इससे बेहतर शुरुआत वह नहीं चाह सकती थीं। इस फिल्म में सैयामी खेर के अलावा विनीत कुमार सिंह और ताहिर राज भसीन भी लीड रोल में दिखाई देंगे।

किताब ब्लैक रिवर पर बेस्ड होगी सैफ की अगली फिल्म

बालीवुड एक्टर सैफ अली खान हमेशा से ही अलग और चुनौतीपूर्ण किरदारों के लिए जाने जाते हैं। एक बार फिर वह दर्शकों के लिए कुछ खास लेकर आने की तैयारी में हैं। आने वाले दिनों में सैफ फिल्म हैवान में नजर आएंगे, जिसमें उनके साथ अक्षय कुमार मुख्य भूमिका निभाते दिखेंगे। यह फिल्म साल 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस बीच सैफ अली खान ने अपनी एक नई फिल्म से जुड़ी अहम जानकारी साझा की है। एक्टर ने बताया कि उनकी अगली फिल्म एक क्राइम-ड्रामा होगी, जो एक मशहूर उपन्यास पर बेस्ड है। सैफ ने खुलासा किया कि उन्होंने लेखिका निलंजना रॉय की किताब ब्लैक रिवर के फिल्मी राइट्स खरीद लिए हैं। सैफ के मुताबिक... ब्लैक रिवर उनकी पसंदीदा किताबों में से एक है। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि फिल्म बनने की प्रक्रिया में थोड़ा समय लग रहा है। बता दें कि सैफ को आखिरी बार फिल्म ज्वेल थीफ में देखा गया था। इसके अलावा सैफ को आखिरी बार ज्वेल थीफ में देखा गया था। यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज हुई थी।

ऑडियंस एजेंडे के साथ फिल्म देखने नहीं आती है

फिल्मों की रिलीज के साथ सोशल मीडिया पर अचानक फैलने वाली नेगेटिविटी आज एक बड़ी समस्या बनती जा रही है। कई बार रिलीज से पहले ही किसी फिल्म या एक्टर को लेकर माहौल बना दिया जाता है, जिससे लोगों की राय पहले से तय होने लगती है। इसी मुद्दे पर एक्ट्रेस रानी मुखर्जी ने अपने मन की बात रखी है। अमर उजाला डिजिटल से की गई बातचीत में रानी ने इस मुद्दे पर खुलकर बात की है।

ऑडियंस किसी एजेंडे के साथ थिएटर नहीं आती

ऑडियंस हमेशा सही होती है। मैं आज भी यह नहीं मानती कि ऑडियंस किसी एजेंडे के साथ फिल्म देखने आती है। लोग सिनेमाघर खुले दिल से आते हैं। लेकिन आज के दौर में खासकर सोशल मीडिया की वजह से, फिल्मों और कलाकारों को लेकर एक माहौल बना दिया जाता है। कुछ लोग या ऑडियंस का एक छोटा सा हिस्सा जान-बूझकर नेगेटिविटी फैलाता है। इस बात से मैं वाकिफ हूं।

इंसान की फितरत नेगेटिव नहीं होती

मैं दिल से मानती हूं कि कोई भी इंसान नेगेटिव नहीं होना चाहता है। हर कोई अच्छा काम करना चाहता है। हर कोई प्यार करना चाहता है। हर कोई बदले में प्यार पाना चाहता है। इसी सोच के साथ मैं भी आगे बढ़ती हूं।

सोशल मीडिया रिएक्शन पर राय

हां, आज सोशल मीडिया ऐसी जगह बन गया है, जहां लोग सही और गलत समझे बिना तुरंत रिएक्शन दे देते हैं। ऐसे में मैं बस यही दुआ करती हूं कि लोगों को थोड़ी समझ मिले। वह सोशल मीडिया पर एकदम से रिएक्शन की आदत से बचें।

विजडम बेल बटन होना चाहिए

यह मेरा सुझाव है। (हंसते हुए) सोशल मीडिया पर जैसे लाइक और डिसलाइक का बटन होता है, वैसे ही कुछ लिखने या बोलने से पहले एक सोचने वाला बटन (विजडम बेल) भी होना चाहिए। जिससे इंसान एक पल रुककर सोच सके कि वह जो कहने जा रहा है, वो सही है या नहीं।

बेटी को सोशल मीडिया से दूर रखा है

रानी मुखर्जी से जब उनकी बेटी अदिरा के सोशल मीडिया पर होने को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने साफ कहा कि बेटी अभी बहुत छोटी है। रानी की बेटी सोशल मीडिया पर नहीं है।

एक्शन थ्रिलर फिल्म में टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आ सकती हैं कृति शेट्टी

दक्षिण भारतीय फिल्म एक्ट्रेस कृति शेट्टी, बॉलीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ के साथ एक्शन थ्रिलर फिल्म में काम करती नजर आ सकती हैं। टाइगर ने अपनी अगली फिल्म के लिए निर्देशक मिलाप जावेरी से हाथ मिलाया है। यह एक एक्शन थ्रिलर फिल्म होगी, जिसे टी-सीरीज अपने बैनर तले प्रोड्यूस करेगा। चर्चा है कि इस फिल्म में कृति शेट्टी नजर आएंगी। इस फिल्म की शूटिंग 21 जनवरी को शुरू होगी और दो महीने का शूटिंग शेड्यूल प्लान किया गया है। मुंबई की अलग-अलग लोकेशंस पर हाई-ऑक्टेन एक्शन सीन्स फिल्माए जाएंगे, जो शहर की वाइब्रेंट बैकग्राउंड देगा। मेकर्स इस फिल्म को 2026 के दूसरे हाफ में रिलीज करने की तैयारी कर रहे हैं। हालांकि, अभी इस फिल्म का कोई टाइटल डिसाइड नहीं हुआ है। पूरी कास्ट और क्रू के बारे में और ऑफिशियल अनाउंसमेंट जल्द ही होने की उम्मीद है। बता दें कृति ने सुपर 30, एआरएम, श्याम सिंह रॉय, द वॉरियर, उप्पेना और बंगाराजू जैसी फिल्मों में काम किया है।

कॉमेडी में नैतिकता अहम है

रकुल प्रीत सिंह जल्द ही आयुष्मान खुराना और दो एक्ट्रेसेज के साथ फिल्म पति पत्नी और वो 2 में नजर आने वाली हैं।

सीक्वल की शुरुआत कैसे हुई?

सच कहूं तो मैं पार्ट 2 को लेकर पहले दिन से ही बेहद उत्साहित थी। पहले पार्ट के अंत में ही कहानी को एक दिलचस्प मोड़ पर छोड़ा गया था, जहां आयशा का नायक के परिवार से मिलना तय था। मैं मजाक में अक्सर लव रंजन से पूछती रहती थी सर, पार्ट 2 कब बनेगी? लेकिन कोविड के चलते चीजें टलती रहीं। जब लव सर और अंशुल सर ने बताया कि वे स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं, तो मेरी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। नरेशन सुनते ही स्क्रिप्ट इतनी पसंद आई कि मैंने तुरंत हां कर दी। फिल्म में कॉमेडी सिर्फ संवादों में नहीं, बल्कि परिस्थितियों में भी है, जो इसे एक शानदार फैमिली एंटरटेनर बनाती है।

फिल्म पति पत्नी और वो 2 की शूटिंग कितनी पूरी हुई है?

फिल्म का मुख्य हिस्सा शूट हो चुका है। कुछ गाने और कुछ छोटे-मोटे पैचवर्क बाकी हैं, लेकिन हम जल्द ही इसे पूरा कर लेंगे। यह भी एक बहुत ही मजेदार प्रोजेक्ट होने वाला है।

क्या आप मल्टी-स्टारर फिल्म्स को लेकर अब ज्यादा चूजी हो गई हैं?

इस दौर में मेरे लिए सबसे अहम चीज इम्पैक्ट है। मुझे मल्टी-स्टारर फिल्मों से कोई परहेज नहीं है। पति, पत्नी और वो 2 भी एक मल्टी-स्टारर फिल्म है। मेरे लिए यह ज्यादा मायने रखता है कि मेरा किरदार कहानी में क्या योगदान दे रहा है। हर फिल्म आपके कंधों पर टिकी हो, यह जरूरी नहीं, लेकिन हर फिल्म में आपका किरदार यादगार होना चाहिए।

अजय के साथ बॉन्डिंग कैसी रही?

अजय सर को अक्सर फ्रैंकस्टर कहा जाता है, लेकिन यकीन मानिए न तो पहले पार्ट में और न ही इस बार उन्होंने मेरे साथ कोई फ्रैंक किया। वह खुद मजाक में कहते हैं कि मैं बचपन में फ्रैंक करता था, अब शांत हो गया हूं। उनके साथ काम करना सीखने जैसा होता है। वे बेहद सहज हैं और सेट पर माहौल हल्का रखते हैं, जिससे कलाकार खुलकर परफॉर्म कर पाते हैं।

आप किस तरह से किरदार की तैयारी करती हैं?

मेरा तरीका बहुत सरल है। जब मैं किसी सीन में होती हूं, तो सिर्फ उस पल और उस किरदार के भावनात्मक सच पर ध्यान देती हूं। मैं कभी यह सोचकर अभिनय नहीं करती कि मुझे यहां अच्छा दिखना है।

क्या फिल्मों में शादीशुदा महिला के रिश्ते को भारतीय दर्शक स्वीकार करेंगे?

मुझे नहीं लगता कि हमारी ऑडियंस अभी इस तरह के प्लॉट के लिए पूरी तरह तैयार है। पति पत्नी और वो जैसी फिल्मों में पुरुष की चालाकी और उसकी उलझनों से कॉमेडी पैदा होती है, जिसे दर्शक मनोरंजन के तौर पर देख लेते हैं। लेकिन अगर कोई कहानी नैतिक रूप से गलत लगती है, तो फिर चाहे वह पुरुष हो या महिला, दर्शक उसे आसानी से स्वीकार नहीं करते। महिला के लिए ऐसा प्लॉट फिलहाल स्वीकार्य होना मुश्किल लगता है।

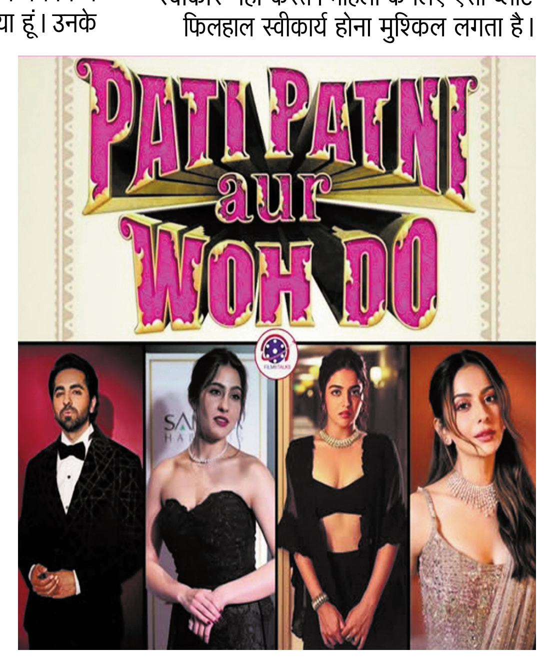

बालों की खोई हुई खूबसूरती
वापस पाना चाहते है तो अपनाए शहद

चेहरे के साथ-साथ बाल भी हमारी पर्सनैलिटी को बढ़ाते हैं। इसके बिना हमारी खूबसूरती अधूरी सी लगती है, लेकिन कई बार उम्र बढ़ने से पहले ही हमें झड़ते बाल, रूखे-बेजान बाल, रूसी और खुजलीज्जैसी कई समस्याएं face करनी पड़ती हैं। अगर आप इसके लिए ढेर सारे उपाय भी कर चुके हैं और कोई फायदा नहीं हुआ, तो अब आजमाएं कुछ Natural। इसमे honey important रोल प्ले कर सकता है। ये आपके बालों की खोई हुई खूबसूरती वापस ला सकता है।

1. बालों की लंबाई (Hair Growth)

शहद एक natural Antio&idant हैं। इससे scalp हेल्दी होते हैं और बालों की growth भी अच्छी होती है। इसके लिए 2 बड़े चम्मच शहद में एक चम्मच पुदीने का तेल और एक चम्मच नारियर तेल मिलाएं। इस हेयर मास्क को गीले या सूखे बालों पर लगाएं। इसे थोड़ी देर बाद पानी में सेब का सरिका मलिाकर बाल धो लें। इसके बाद कंडीशनर लगाएं।

2. बालों को Highlight करना

बिना किसी हार्थ केमकिल का इस्तेमाल किए भी आप अपने घने बालों को हाइलाइट कर सकती हैं। शहद में मौजूद ग्लोकज ऑक्सीडोज इसमें Natural तरीके से मदद करता है। इससे की में स्सा साफ पानी मिलाकर कुछ देर के लिए छोड़ दें और बाद में इसे बालों पर 20 मनिट के लिए लगा कर छोड़ दें। बाद में इन्हे कंडीशनर से धो लें। अगर आप Bride blond color चाहती हैं, तो इस मक्सिचर में नींबू मलिाएं। अगर Reddish Blonde चाहती हैं, तो इस मिश्रण में दालचीनी ए

शहद natural softener का भी काम करता है।

ये बालों को रुखा होने से बचाता है। High sugar content के कारण बालों को मजबूत बनाने में शहद अहम रोल अदा करता है। इसके लिए वर्जनि Olive oil में शहद मलाकर हल्का गर्म करें। इसे साफ बालों पर लगाएं। शॉवर कैप से बालों को कवर करें और 30 मनिट तक ऐसे ही छोड़ दें। ए धो लें।

4. बालों में Dandruff

शहद के anti bacterial गुणों के कारण ये ह्यष्ड्ढद्धह्य को Infection और बैक्टीरया से भी बचाता है। इसका मतलब ये है द्धक इसके इस्तेमाल से डैंड्रफ या खुजली आदकी परेशानी से भी नजित मलिती है। इसके लिए शहद को पानी में मलिाकर scalp पर लगाएं। 2-3 घंटे बालों को ऐसे ही रहने दें। इसके बाद बाल धो लें। अगर बालों में चपिचपिाहट रहे, तो सेब के सरिके में पानी मलिाकर बाल धोएं।

5. बालों में Shine

शहद आपके बालों को चमकदार बनाने में भी मदद करता है। अगर बाल dull, रुखे-सूखे और बेजान हैं, तो आप Honey पैक का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके लिए पांच बड़े चम्मच शहद में दो कप पानी मलिाएं और साफ धुले हुए बालों पर इस मश्रिण को लगाएं। शॉवर कप लगाएं और 30 मनिट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद बाल धो लें। आपको फर्क नजर आएगा।

सुंदरता
का बहुत बड़ा राज छुपा है इन ब्यूटी फूड्स में..

हर कोई चाहता है की वो सुन्दर और खूबसूरत दिखे। इसके लिए वे कई तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। इसलिए आज हम आपको ब्यूटी प्रोडक्ट्स नही बल्कि ऐसे ब्यूटी फूड्स क बारे में बता रहे हैं जिन्हे रोजाना खाने से आप पा सकती है बेहद खूबसूरत और आकर्षक त्वचा।

आइए जाने किस फूड में छुपा है सुंदरता का राज:

सेब

सेब हेल्थ के साथ सुंदरता के लिए बहुत लाभकारी है यह एक एंटीऑक्सीडेंट है जिसके सेवन से धूप से त्वचा का बचाव होता है और स्किन कैंसर के खतरे को भी रोकता है।

डार्क चॉकलेट

डार्क चॉकलेट, ग्रीन टी और रेड वाइन में एंटी ऑक्सीडेंट्स पाया जाता है। जिससे चेहरे पर अच्छा निखार आता है। इससे त्वचा में नमी आती है और धूप से झुलसी त्वचा को भी साफ़ करता है।

शकरकंद खाएं

शकरकंद में विटामिन ए पाया जाता है। यह एक एंटी रिंकल एजेंट है। इससे त्वचा कोमल बनती है।

दही का सेवन करे

रोजाना दही खाएं इससे त्वचा के दाग-धब्बे व झांइया दूर होती है। दही में जिंक और कैल्शियम पाया जाता है जिसके सेवन से सेहत अच्छी होती है साथ ही खूबसूरत त्वचा बनती है।

ब्रोकली खाएं

इसमें एक ऐसा एसिड पाया जाता है जो पैरों को मुलायम बनाने के साथ खूबसूरत बनता है।

लंबे व मजबूत नाखून पाना चाहते है तो अपनाएं ये चीजें

आजकल हर महिला चाहती है कि उसके नाखून तेजी से बढ़ें और दूखने में खूबसूरत लगें। लंबे नाखूनों नेलपॉलिश बहुत अच्छी लगती है और दिखने में भी वह बहुत खूबसूरत लगते है। लंबे नाखून हाथ की खूबसूरती भी बढ़ा देते है। ऐसे नाखूनों पर नेल आर्ट करना बहुत ही आसान होता है। मगर कई लड़कियों की समस्या होती है कि उनके नाखून अच्छी तरह से बढ नहीं पाते या फिर अगर बढ़ते भी हैं तो वह जल्द टूट जाते हैं। यह समस्या आपके आहार में ढेर सारे पोषक तत्व न शामिल होने के कारण होते है। आज हम आपको मजबूत और लंबे नाखून पाने के घरेलू उपचार बताएंगे।

1. लहसुन लहसुन को दो टुकड़ों में काट कर अपने नाखूनों पर 10 मिनट तक रगड़ें। इससे आपके नाखून 10 दिनों में अच्छे खासे बढ़ जाएंगे। पर इस प्रक्रिया आपको रोजाना सुबह और शाम करनी पड़ेगी।

2. संतरे का रस अंडे के सफेद भाग को एक कटोरी में निकाले और उसमें 2 चम्मच संतरे का रस निचोड़ें। इस घोल को अपने नाखूनों पर 5 मिनट तक लगा कर रखें। इसमें विटामिन सी होता है जो कोलाजिन का प्रोडक्शन करता है जिससे नाखूनों में मजबूती आती है।

3. जैतून तेल अपने नाखूनों पर जैतून का तेल लगा कर मालिश करें। इसमें विटामिन ई होता है जो नाखूनों को पोषण प्रदान करता है और खून का फ्लो नाखूनों तक बढाता है जिससे नाखून बढ़ना शुरु हो जाते हैं।

4. टमाटर नाखूनों पर टमाटर की स्लाइस को 10 मिनट तक रगड़ें। इससे नाखून जल्द बढ़ेंगे।

5. अलसी का तेल एक मुलायम ब्रश की मदद से अपने नाखूनों पर अलसी का तेल लगाएं। 5 मिनट तक इस तेल को लगाए रखें। इससे आपके नाखूनों को प्रोटीन, विटामिन ई और ओमेगा 3 मिलेगा जिससे नाखूनों में मजबूती आएगी।

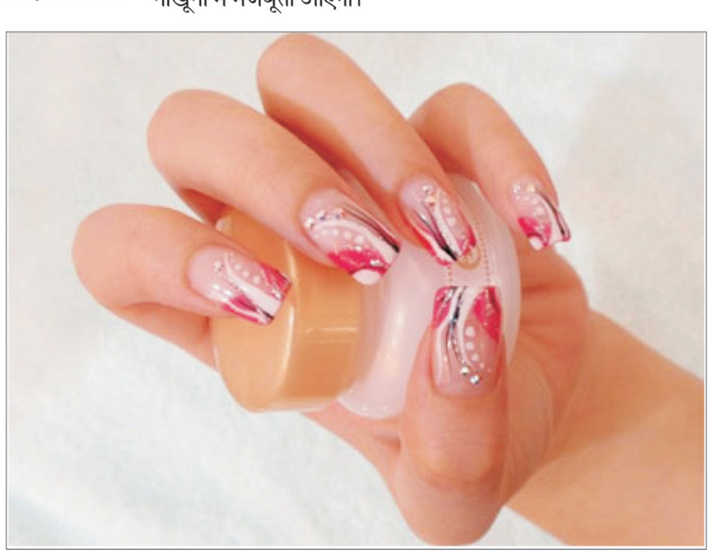

6. नारियल का तेल नारियल तेल में फैटी एसिड तथा अन्य पोषण पाए जाते हैं, जिसे नाखूनों पर लगाने से फायदा होता है।

7. एप्पल साइडर वेनिगर 1 चम्मच घिसा लहसुन लें और उसमें 1 चम्मच एप्पल साइडर वेनिगर मिलाएं। इसे अपने नाखूनों पर लगाएं और 10 मिनट तक ऐसे ही रहने दें।

झुर्रियों से यूं बचाएं अपने Soft hands

चेहरे के मुकाबले हमारे हाथों पर झुर्रियां जल्दी आ जाती हैं। यह बात तो आपने भी नोटिस की होगी। इसका कारण यह है कि हम लोग अपने चेहरे की तो केयर करते हैं लेकिन हाथों और पैरों के मामले में अनदेखी बरतते हैं, जिसकी वजह से हाथों पर उम्र से पहले ही झुर्रियां नजर आने लगती हैं। हाथों को, बल्कि शरीर के सभी हिस्सों को चेहरे जैसी ही देख-रेख की जरूरत होती है। आज हम आपको बताएंगे कि आप किस तरह उम्र से पहले ही पड़ने वाली झुर्रियों से हाथों को बचा सकते हैं। इन आसान तरीकों को अपनाने से आपके हाथ मुलायम रहेंगे।

-सख्त साबुन

हम दिन में बहुत बार हाथ धोते हैं लेकिन हाथों को धोने के लिए बार-बार हार्ड साबुन का इस्तेमाल न करें जबकि इसके उल्ट लोग सारा दिन साबुन से ही हाथ घिसते हैं। यह हमारे हाथों की त्वचा को सख्त और बेजान बना देता है। हाथ रूखे-सुखे लगने लगते हैं इसलिए जितना ज्यादा हो सके सख्त और ज्यादा खुशबू वाले साबुन से बचें क्योंकि इसमें बहुत ज्यादा तेज कैमीकल्स का इस्तेमाल किया जाता है।

-डिटर्जेंट

आप घर पर कपड़े तो धोते ही होंगे तो क्या हाथों को मुलायम बनाए रखने के लिए आप कुछ खास तरीकों को इस्तेमाल करती है? डिटर्जेंट में बहुत तेज कैमीकल्स का इस्तेमाल किया जाता है। अगर आप की स्किन सेंसटिव है तो यह आपकी त्वचा को जख्म भी दे सकता है इसलिए कपड़े धोने से पहले हाथों में दस्ताने जरूर पहन लें। इससे न तो आपके हाथ फटेंगे और न ही यह अपनी नमी खोएंगे।

-हैंड सेनिटाइजर

बदलते जमाने के साथ साथ आजकल लोग हैंड सैनिटाइजर का इस्तेमाल ज्यादा करने लगे है। हाथ सेनिटाइजर से धोना अच्छी बात है लेकिन अगर वह बढ़िया क्वालिटी का हो तो नहीं तो यह आपके हाथों की त्वचा को खराब कर सकते हैं।

-मोएस्चराइजर क्रीम साबुन से हाथ धोने के बाद अक्सर लोग मोएस्चराइजर क्रीम का इस्तेमाल करना भूल जाते हैं लेकिन मोएस्चराइजर का इस्तेमाल न करने से हाथ सख्त से हो जाते हैं। आप जितनी बार हाथ धोते हैं, उतनी बार मोएस्चराइजर लगाएं ताकि हाथ मुलायम रहें।